E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 106 | गुवाहाटी | रविवार, 12 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

MCJ®
Beauty with Purity

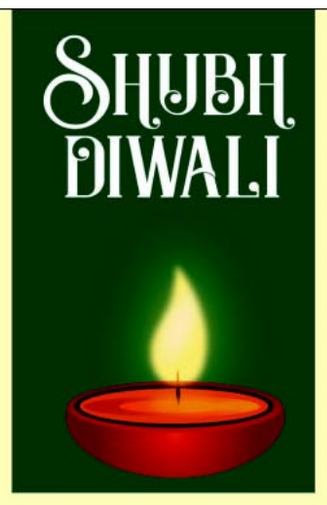

MANIK CHAND™
JEWELLERS
GOLD ♦ DIAMOND ♦ PLATINUM

Flat
25% OFF*
On Making Charge of
Gold Ornaments

Flat
5% OFF*
On Diamond/
Platinum Ornaments

*Offer valid from 5th Nov to 15th Nov, 2023

*Condition Apply

IJSF INDIA JEWELLERY SHOPPING FESTIVAL 2023

MCJ KRISHAN SONI GROUP

- Christian Basti, G.S. Road, Guwahati-5, Ph.: 2343186 / 2343189
- Shoppers Point, 1st flr, H.B.Rd., Guwahati-1, Ph.: 2732767 / 2736102
- K. C. Road, Fancy Bazar, Guwahati-1, Ph.: 2547454 / 2516922
- TIME SQUARE MALL, R. G. Baruah Road, Sunderpur, Guwahati-5, Ph.: 2203101/ 9678068936
- IMPERIAL MALL, G. Floor, Club Road, Silchar, Ph.: 03842-236002, 236004
- Hotel COURTYARD BY MARRIOTT, Jail Road, Police Bazar, Shillong, Ph. : 0364-2912990 | Mobile 9678068930

Email : info@mcj.net.in 9678068937 manikchandjewellersgs www.facebook.com / Manik-Chand-Jewellers-969752743149007 Web : www.manikchandjewellers.com

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

कांग्रेस समेत अन्य पार्टियों के डेढ़ सौ से अधिक नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित समारोह के दौरान कांग्रेस और अन्य दलों के कई नेताओं और सदस्यों ने आज भाजपा की विचारधारा से प्रेरित होकर भाजपा में शामिल हुए। भाजपा के सिद्धांतों और आदर्शों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के मजबूत नेतृत्व के साथ-साथ अभूतपूर्व दक्षता से आकर्षित कांग्रेस पार्टी के नगांव जिला के पूर्व अध्यक्ष सुरेश बोरा, युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष प्रत्यूष रॉय, तृणमूल कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष दिलीप शर्मा, गुवाहाटी जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा, तृणमूल महिला कांग्रेस की महासचिव स्मृति शर्मा हजारिका, ग्वालपाड़ा पौरसभा के सदस्य धनजीव राभा समेत एक्य मंच के 150 से अधिक कार्यकर्ता आज औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, राज्य महासचिव (संगठन) जीआर

रवींद्र राजू, राज्य के सूचना एवं प्रसारण मंत्री पीयूष हजारीका, शिक्षा मंत्री रनोज पेगू और अन्य कई विधायक तथा प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में 150 से अधिक एक्य मंच के नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने उनका पार्टी में गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रदेश भाजपा के महासचिव दिग रंजन शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष कलिता ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में देश के निर्माण के लिए कड़ी मेहनत काम हो रहा है। पार्टी के प्रति लोगों का विश्वास और ईमानदारी और बढ़ी है। हर दिन नए कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के नेक काम के लिए पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां भारत को विश्वगुरु के आसन पर स्थापित करने के इरादे से अथक प्रयास किया है, वहीं मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी दूरदर्शी सोच, अद्वितीय तरीके से काम करने के साथ असम के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। मंत्री हजारिका ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि हर कोई पार्टी के सिद्धांतों और मूल्यों का पालन करते हुए नि:स्वार्थ भाव से राष्ट्र और पार्टी की सेवा करता रहेगा। भाजपा में शामिल होने पर पूर्व कांग्रेस नेता सुरेश बोरा ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व से आकर्षित हूं और बढ़मपुर निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की व्यापक प्रगति के हित में और निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुआ हूं।

सतिया के खानागुड़ी सरकारी उच्च बुनियादी विद्यालय का चुनाव संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। सतिया के खानागुड़ी सरकारी उच्च बुनियादी विद्यालय सौ से अधिक साल पुराने स्कूल ने अपने छात्र एमपी चुनाव पूरी तरह से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आयोजित किया गया। इसमें मतदान एजेंट, प्रथम, द्वितीय शामिल थे। तृतीय मतदान के साथ-साथ पीठासीन अधिकारी भी नियुक्त किया गया सैकड़ों छात्र थे। जिन्होंने आज के छात्र सांसद चुनाव में मतदान किया। स्कूलों में पांच पदों के लिए चुनाव हुए उम्मीदवारों ने जीतने के लिए अपने पोस्टर लगाकर मतदाताओं को आकर्षित करने की भी कोशिश की गई स्कूल अधिकारियों ने यह पहल की है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्रों को प्राथमिक स्तर से लोकतांत्रिक प्रणालियों के बारे में सीखने का अवसर मिले, स्कूल अधिकारियों ने कहा कि इस पहल से छात्रों को भविष्य में मतदान प्रणाली को समझने में बहुत लाभ होगा।

राज्यपाल ने काली पूजा और दीपावली की दीं शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने काली पूजा और दीपावली के अवसर पर असम के लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि दीपावली रोशनी का त्योहार है जो बुराई पर धर्म की जीत का प्रतीक है। यह त्योहार अंधकार को दूर कर ज्ञान का मार्ग प्रशस्त करता है। राज्यपाल ने कहा कि रोशनी का यह त्योहार हमारे बीच एकता, सौहार्द और भाईचारे के बंधन को मजबूत करने के लिए हमारे राज्य से सभी अंधेरे को दूर करने के लिए शांति, खुशी और समृद्धि का अग्रदूत बने। राज्यपाल ने लोगों से रोशनी के इस त्योहार को असम को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने और प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने का आग्रह किया। इसी के साथ राज्यपाल ने काली पूजा की शुभकामनाएं थी। उन्होंने कहा कि मां काली का दिव्य आशीर्वाद राज्य के लोगों के लिए सुख, शांति और समृद्धि लाए।

मॉडर्न इंग्लिश स्कूल की 10वीं इंटर स्कूल ड्रामा प्रतियोगिता का सफल और शानदार आयोजन

गुवाहाटी। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा ने अपनी 10वीं इंटर स्कूल ड्रामा प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस प्रतियोगिता का विषय *को-एक्जिस्टेंस* यानी *सह-अस्तित्व* रखा गया था। 11 नवंबर को आयोजित हुए इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। माचखोवा में स्थित प्रागज्योति आईटीए सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स के ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ यह कार्यक्रम काफी शानदार रहा और मनमोहक प्रदर्शनों ने दर्शकों मन मोह लिया। प्रतियोगिता में नौ स्कूलों ने भाग लिया जिनमें शेमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल, ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल,

मारिया पब्लिक स्कूल, आर्मी पब्लिक स्कूल, असम जातीय विद्यालय, पुव गुवाहाटी हाई स्कूल, नतून फटासिल टाउन हाई स्कूल, मॉडर्न इंग्लिश स्कूल और काजीरंगा इंग्लिश अकादमी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में फिल्म और थिएटर से जुड़ी कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुई जिनमें बतौर सम्मानित अतिथि अभिनेत्री चेतना दास, मुख्य अतिथि अभिनेत्री भ्रांति मेधी, बतौर अतिथि ज्योति चित्रावन के अध्यक्ष विद्यासागर और बतौर जज अभिनेता बिजित देब चौधरी, किशोर राजबोंगशी और प्रणामी बोरा शामिल हुए। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को एक मंच प्रदान करना था जिसके माध्यम से वे नाटक कला द्वारा खुद को अभिव्यक्त कर सकें, रचनात्मकता विकसित कर सकें, मिलजुल कर काम करना सीख सकें और आत्म-अभिव्यक्ति बढ़ा सकें। सम्मानित जज के एक पैनल द्वारा बहुत बारिकी से मुल्यांकन करने के बाद प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए जिनमें मॉडर्न इंग्लिश स्कूल (अरन्यत राजसभा) को सर्वश्रेष्ठ ड्रामा टीम, असम जातीय विद्यालय (आजि मोर जन्मदिन)को प्रथम उपविजेता टीम, आर्मी पब्लिक स्कूल (आखिर कर बब्लू पास हो गया) को द्वितीय उपविजेता टीम, गुंजनगीत पराशर, असम जातीय विद्यालय को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, अनुक्षा शैकिया, मारियाज पब्लिक स्कूल को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया।

रंगिया पुलिस ने 15 गायें समेत तस्कर को किया गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। रंगिया पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर रंगिया थाना अंतर्गत बोनगांव वार्ड नंबर तीन के इमाम हुसैन के घर परिसर में छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया और एक रेनॉल्ट ट्राइबर वाहन, पंजीकरण संख्या एस 01बीजी 9585 से दो गायें बरामद की गई। इसके अलावा कुछ उपकरण, रस्सी आदि भी बरामद की गयी। पुलिस ने इस अभियान में नजरूल अली पुत्र- हबीबुर रहमान निवासी कलिताकुची बामुनबारड़ी, थाना- हाजो को गिरफ्तार किया है और मौके से अन्य तीन व्यक्ति घर परिसर के पीछे की ओर से भागने में सफल रहे। बताया गया है कि इमाम हुसैन पिछले कुछ वर्षों से

अपने घर में अवैध रूप से कत्लखाना चला रहा हैं। तलाशी के दौरान एक बंद कमरे से 13 अन्य गायें बरामद हुईं, जिनके चोरी होने का संदेह है और तदनुसार जब्ती सूची के अनुसार जब्त कर लिया गया गया।

दीपावली पर राज्य में मिठाइयों की भारी खरीददारी

गुवाहाटी (हिंस)। दीपावली के साथ मिठाइयों का गहरा संबंध आदिकाल से ही रहा है। देश के अन्य हिस्सों की तरह असम में भी दिवाली के मौके पर मिठाइयों की जमकर खरीददारी की जा रही है। राज्य के सभी छोटे-बड़े शहरों में मिठाई की दुकानों में कई दिन पहले से ही लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही है। खासकर पूर्वोत्तर के मुख्य वाणिज्य केंद्र फैंसी बाजार के मिठाई की दुकानों में मिठाइयां खरीदने के लिए काफी समय तक लोगों को खड़ा रहना पड़ रहा है। फैंसी बाजार स्थित दसकों पुराने मिठाई दुकान तथा मिठाइयों के आपूर्तिकर्ता प्रतिष्ठान शर्मा स्वीट्स के प्रमुख गौतम शर्मा ने आज बताया कि वैसे तो हर तरह की मिठाइयां दीपावली पर बिकती है, लेकिन मावा से बनी हुई मिठाइयां तथा छेना और बेसन से बनाई गई मिठाइयां लोगों की मुख्य पसंद है। उन्होंने बताया कि लोगों की पहले प्राथमिकता लड्डू, पेड़ा, बर्फी आदि होती है। इसके लिए दुकानदार कई दिन पहले से ही मिठाइयों की तैयारी करते हैं। उन्होंने बताया कि दीपावली के अवसर पर फैंसी बाजार की प्राय: सभी मिठाई दुकानों में भीड़ देखने को मिलेगी। खासकर पुराने दुकानों में मिठाइयां खरीदने को लोग प्राथमिकता देते हैं। मिठाई दुकानदारों किए बात करना तो दूर, ग्राहकों को मिठाईयां देने तक की फुर्सत नहीं मिलती है। उन्होंने बताया कि मिठाइयों की बिक्री बीते एक सप्ताह से परवान चढ़ रही है। मिठाइयां बनाते-बनाते कारीगर भी थक जाते हैं। उन्होंने कहा कि

बाजार में तरह-तरह की खाने की वस्तुएं उपलब्ध होने के बावजूद दिवाली पर मिठाइयों का कोई मुकाबला नहीं होता है। वहीं दूसरी दिवाली पर उपहार देने की भी परंपरा है। ऐसे में लोग मिठाइयों के साथ ही सूखे मेवे, चॉकलेट आदि भी उपहार के रूप में देने के लिए लोगों को खरीदते देखा जा रहा है।

बेटिकटवालों से रंगिया रेलवे ने वसूले तीन लाख रुपए जुर्माने

रंगिया (विभास)। रंगिया रेलवे डिवीजन के डीसीएम दीपांकर गोगोई के नेतृत्व में 17 वाणिज्यिक कर्मचारियों, 9 आरपीएफ कर्मचारियों और 6 जीआरपी कर्मचारियों की एक टीम ने शुक्रवार को एक विशेष अभियान के तहत अप 5801 मानस राइनो पैसेंजर और डाउन 12505 नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस के यात्रियों के टिकटों की जांच की गई। इस जांच में बिना टिकट यात्रा करने वाले कुल 346 मामले पकड़े गए और उनपर जुर्माना लगाया गया तथा उनसे लगभग 3 लाख रुपयों की वसूली की गई। इस मौके पर रंगिया रेलवे अधिकारियों द्वारा बताया गया कि बिना टिकट यात्रा करना एक अपराध है और इससे वास्तविक यात्रियों को भी बड़ी असुविधा होती है। वहीं रंगिया मंडल द्वारा यात्रियों से उचित टिकट के साथ ही रेल में यात्रा करना का आह्वान किया गया।

खानापाड़ा : गणेश मंदिर एचएस स्कूल के तीन दिवसीय स्वर्ण जयंती समारोह 15 दिसंबर से

गुवाहाटी। खानापाड़ा स्थित गणेश मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की स्वर्ण जयंती समारोह के तहत आगामी 15, 16 और 17 दिसंबर को तीन दिवसीय आयोजन किया जाएगा। इससे पहले गुवाहाटी में इंटर स्कूल स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कैरम प्रतियोगिता में भास्कर विद्यापीठ हायर सेकेंडरी स्कूल के मुजाहीद अली ने पहला, कामरूप एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंस ग्वाला ने दूसरा और गणेश मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल के दृष्टि नंदन नाथ ने तीसरा स्थान हासिल किया। पंजा प्रतियोगिता के अंडर- 60 किलोग्राम भार वर्ग में नूनमाटी पब्लिक स्कूल के उज्ज्वल चंदा ने प्रथम, असम नेशनल स्कूल के कृष्ण कश्यप गोगोई दूसरा और गणेश मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सूदन रॉय ने तीसरा स्थान हासिल किया।

वहीं 60 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में नूनमाटी पब्लिक स्कूल के हर्षवर्धन गोगोई ने पहला, नेशनल पब्लिक स्कूल के धृतिमान ककाती ने दूसरा और असम नेशनल स्कूल के ध्रुवाक्ष पाठक ने तीसरा स्थान हासिल किया। भाला फेंक प्रतियोगिता में हेगेंरबाड़ी शंकरदेव विद्या निकेतन के महेश बसुमतारी प्रथम, गणेश मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के देवजीत कुमार दूसरा और मन दास तीसरे स्थान पर रहे। मैराथन दौड़ के लड़कों के वर्ग में कामरूप अकादमी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के गवेश राजवंशी प्रथम, प्रागज्योतिष जातीय विद्यालय के तन्मय हजारिका द्वितीय, शंकरदेव के भाइजी कलिता तीसरा तथा गणेश मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मन दास चौथे और रफिकुल इस्लाम पांचवें स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में गणेश मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की रितु सुल्ताना ने पहला, शंकरदेव विद्या निकेतन हेगेंरबाड़ी की संजना दैमारी ने दूसरा और कामरूप एकेडमी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की परवीन बेगम ने तीसरा स्थान हासिल किया। कब्बडी प्रतियोगिता में बालक वर्ग में दक्षिण बेलतला हाई स्कूल विजेता और गणेश मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ने उप विजेता टीम का सम्मान जीता। बालिका वर्ग में गणेश मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ने विजेता और असम नेशनल स्कूल ने उप विजेता टीम का खिताब हासिल किया। क्रिकेट प्रतियोगिता में गणेश मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विजयी और कामरूप अकादमी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ने उप विजेता का खिताब हासिल किया।स्वर्ण जयंती वर्ष की खेल उप-समिति के अध्यक्ष जहरुल इस्लाम और सचिव संजय तेरन ने प्रतियोगिताओं के सफल समापन के लिए खिलाड़ियों, खेल निदेशकों और आयोजन में शामिल होने वाले विभिन्न स्कूलों के प्रति आभार व्यक्त किया।

धुबड़ी शिपिंग बंदरगाह पर नौ दिनों से पांच बांग्लादेशी जहाज फंसे

धुबड़ी (हिंस)। पांच बांग्लादेशी जहाजों के साथ 20 बांग्लादेशी जहाज के चालक दल पिछले नौ दिनों से धुबड़ी शिपिंग बंदरगाह पर फंसे हुए हैं। ब्रह्मपुत्र नद में जल स्तर में कमी ने धुबड़ी और बांग्लादेश के बीच अंतर्राष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र को प्रभावित किया है। अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ने ड्रेजर के साथ खुदाई की व्यवस्था की है। खुदाई का काम अब ड्रेजर के साथ शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार पिछले नौ दिनों से भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण धुबड़ी के पंचूघाट परिचालन के लिए बंद है। नतीजतन, धुबड़ी नदी बंदरगाह से बांग्लादेश के सिलमारी नदी बंदरगाह तक आयात और निर्यात ठप हो गया है। गौरतलब है कि भूटान, भारत और बांग्लादेश के बीच त्रिपक्षीय समझौते के जरिए धुबड़ी के शिपिंग पोर्ट का इस्तेमाल कर भूटान की चट्टान (पत्थर) बांग्लादेश को निर्यात की जाती है। नतीजतन, सभी तीन देशों को बड़े राजस्व और करों से लाभ होता है। लेकिन आयात और निर्यात गत 15 दिनों से पूरी तरह से ठप है। बताया गया है कि ब्रह्मपुत्र नद में जल स्तर असामान्य रूप से कम हो गया है, जिसके कारण उपरोक्त स्थिति उत्पन्न हुई है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण नदी के मार्ग को गहरा कर जहाजों को चलाने की कोशिशों में जुटा हुआ है।

भारतीय योग और होलिस्टिक हिलिंग संस्थान का उद्घाटन

गुवाहाटी। महानगर के बरबाड़ी में शनिवार को भारतीय योग और होलिस्टिक हिलिंग संस्थान का औपचारिक उद्घाटन ब्रह्मकुमारी गीतांजली ने किया। अपने भाषण में ब्रह्मकुमारी गीतांजली मे कहा कि इस केंद्र के जरिए इच्छुक व्यक्ति मानसिक तनाव से मुक्त होकर एक सुंदर जीवन जी सकेंगे। कार्यक्रम में होजाई महाविद्यालय के पूर्व प्रचार्य कुमुदेश्वर शर्मा ने वर्तमान समय में बढ़ रहे मानसिक उत्तजेना, मानसिक तनाव, हताशा आदि से उबरने के लिए योग, रेईकी, ध्यान अति आवश्यक है। केंद्र के प्रमुख सुदीप्त शर्मा ने कहा कि ई-मैक्स इंडिया के पंजीकृत यह संस्थान योग शिक्षा प्रशिक्षण लेकर स्वाविलंबी बनाने में सहयोग होगा। इस कार्यक्रम में सौरभ हांसे, गौतम काकति, बिना देवी उपस्थित थे। वयोवृद्ध लोगों के लिए भी इस केंद्र में योग की व्यवस्था होगी। इस मौके पर आबू नेसार और मोहम्मद इकबाल ने भी अपना वक्तव्य रखा।

राज्य स्तरीय बास्केटबाल प्रतियोगिता संपन्न, एनएफ रेलवे ने मारी बाजी

होजाई (विभास)। असम बास्केटबॉल संस्था के सौजन्य में व होजाई जिला बास्केटबॉल संस्था के सहयोग से विगत 7 से 9 नवंबर तक तीन दिनों के कार्यक्रम के तहत होजाई स्थित नेताजी सुभाष इंदौर स्टेडियम में अखिल असम अंतर जिला ज्येष्ठ पुरुष बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2023 का बृहस्पतिवार सांय को समापन हुआ। राज्य से लगभग 26 दलों- तिनसुकिया, नगांव, डिब्रूगढ़, ग्वालपाड़ा, कोकराझाड़, कामरूप मेट्रो, शिवसागर, गोलाघाट, जोरहाट, धेमाजी, लखीमपुर, तेजपुर, विश्वनाथ, दारांग, बोंगाईगांव, बजाली, कामरूप रूरल, कार्बी आंग्लांग, डिमा हसाओ, जीएसए उदालगुड़ी, होजाई, मोरीगां, बक्सा, एफ रेलवे व माजुली से दलों ने उक्त प्रतियोगिता में अंश ग्रहण किया। प्रतियोगिता के फाइनल राउंड में एनएफ रेलवे के दल ने गोलाघाट जिले को 114-64 पॉइंट से करारी सिकसष्ट देकर प्रतियोगिता में विजय हुए। वही गोलाघाट जिला रनर अप रहा व तृतीय स्थान पर कामरूप मेट्रो का दल रहा। समापन समारोह के दौरान उपस्थित थे असम बास्केटबॉल संस्था के सभापति तथा तेजपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद पल्लवलोचन दास, होजाई के विधायक रामकृष्ण घोष, लामडिंग के विधायक शिबू मिश्रा, मुख्य सलाहकार तथा जिला आयुक्त लचित कुमार दास, होजाई विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामकृष्ण घोष, लामडिंग के विधायक शिबू मिश्रा, अखिल असम अंतर जिला ज्येष्ठ पुरुष बास्केटबॉल चैंपियनशिप के मुख्य सलाहकार तथा जिला आयुक्त लचित कुमार दास,

अखिल असम अंतर जिला ज्यष्ठ पुरुष बास्केटबॉल चैंपियनशिप के अध्यक्ष सौरभ गुप्ता सहीत कई विशिष्टजन उपस्थित थे। मुख्य अतिथि पल्लवलोचन दास ने अपने संबोधन के दौरान कहा राज्य के हर बच्चों को खेल से जोड़ना चाहिए व राज्य स्तर के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर राज्य में व राष्ट्रीय स्तर से भी आगे बढ़ते हुए अपने परिवार के साथ-साथ राज्य का मन बढ़ाना चाहिए। उन्होंने आयोजकों की भी जमकर प्रशंसा की व जोर देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है व राज्य में भी खेलों के प्रति एक जोश भरा सकारात्मक माहौल तैयार होता है जो कि काबिले तारीफ है। गौरतलब है, विगत 7 नवंबर से प्रारंभ हुए अनुष्ठान के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी असम बास्केटबॉल एसोसिएशन की मुख्य संरक्षक व प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की सीएमडी रिनिकी भुइयां शर्मा, होजाई विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामकृष्ण घोष, लामडिंग के विधायक शिबू मिश्रा, असम भाषिक संख्या लघु उन्नयन परिषद के अध्यक्ष तथा होजाई जिला कीड़ा संस्था के सभापति शिलादित्य देव, अखिल असम अंतर जिला ज्यष्ठ पुरुष बास्केटबॉल चैंपियनशिप के मुख्य सलाहकार तथा जिला आयुक्त लचित कुमार दास, अखिल असम अंतर जिला ज्यष्ठ पुरुष बास्केटबॉल चैंपियनशिप के अध्यक्ष सौरभ गुप्ता, बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के उपाध्यक्ष ऊवा डोनाल्ड, मेघालय बास्केटबॉल संस्था के अध्यक्ष जोईल मारवनीअंग, होजाई जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मजूमदार, वर्तमान अध्यक्ष अनूप कुमार देव, पौर सभा की सभानेत्री चतुर्थी रानी विश्वास सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 106 | गुवाहाटी | रविवार, 12 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस की कपड़ा फाड़ राजनीति मप्र का भला नहीं कर सकती : अमित शाह पेज 4
दीपावली पर राज्यपाल ने राजभवन के चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को दिए उपहार पेज 5
लोकतंत्र के महाकुंभ में लोककल्याण की योजनाओं की चर्चा होती है पेज 6
राजस्थान में कांग्रेस के कई नेताओं ने समर्थकों के साथ थामा भाजपा का दामन पेज 8

अयोध्या में दीपोत्सव, बन गया नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

प्रयागराज। अयोध्या में शनिवार को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित सातवां *दीपोत्सव* या दिवाली उत्सव मनाया गया। उत्सव के तहत दीपोत्सव 2023 के लिए श्री राम जन्मभूमि पथ को भी विभिन्न प्रकार के फूलों से सजाया जा रहा है। समारोह की शुरुआत एक भव्य दीपोत्सव जुलूस के साथ हुई, जिसमें भगवान राम के चरित्र को दर्शाने वाली 18 राजसी और दिव्य झांकियां शामिल थीं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्साह के उज्ज्वल प्रदर्शन के साथ अयोध्या में चल रहे दीपोत्सव समारोह की शोभा बढ़ाई। उन्होंने पवित्र शहर को चमकदार चमक से ढकते हुए *आरती* भी की। दीपोत्सव 2023 में इस बार नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। दीपोत्सव कार्यक्रम में 22 लाख 23 हजार दिए जलाए गए। पहले 18 लाख 81 हजार दिए

जलाए जाने का रिकॉर्ड था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम द्वारा योगी आदित्यनाथ को सर्टिफिकेट दिया गया है। योगी आदित्यनाथ के अलावा यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, डिप्टी सीएम केशव मौर्य और बृजेश पाठक सहित कई नेता और 50 से ज्यादा देशों के राजदूत इस अवसर पर मौजूद रहे। इस मौके पर अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर को भी सजाया गया है। भक्तों ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भगवान राम की पूजा-अर्चना भी की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने दीप प्रज्वल को रेखांकित किया है। हमारी पीढ़ी बेहद सौभाग्यशाली है कि भगवान राम लला यहां विराजने के लिए आ रहे हैं। योगी ने कहा कि अयोध्या वासियों को भगवान राम ने खुद कहा है वे उनके प्रिय वासी हैं तो हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि जब भगवान आ रहे हों तो 22 जनवरी को विराजमान करने के लिए उनके स्वागत की भव्य तैयारी करने के लिए खुद को तैयार रखना होगा। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के इंतजार को खत्म करते हुए अयोध्या में प्रभु श्री राम की जन्म भूमि पर भव्य मंदिर बन रहा है, जिसके हम सब साक्षी बन रहे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दी दीवाली की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को दीवाली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और उनसे गरीबों तथा जरूरतमंदों के साथ अपनी खुशियां साझा करके उनके जीवन में खुशी और समृद्धि लाने का आह्वान किया। मुर्मू ने कहा कि दीपावली हर्ष और खुशी का त्योहार है। यह अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और अन्याय पर न्याय की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। विभिन्न धर्मों और आस्थाओं के लोग इस त्योहार को मनाते हैं और प्रेम, भाईचारे और सद्भाव का संदेश फैलाते हैं। यह त्योहार दयालुता, सकारात्मकता और समृद्धि का प्रतीक है। राष्ट्रपति ने कहा कि दीपावली का त्योहार हमारी अंतरात्मा को रोशन करता है और हमें मानवता के कल्याण के प्रति काम करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि एक दीप कई अन्य (दीपों) को रोशन कर सकता है। उसी तरह, हम गरीबों और जरूरतमंदों के साथ अपनी खुशियां साझा करके उनके जीवन में खुशी और समृद्धि ला सकते

कांग्रेस जीतेगी तो मस्जिद के इमामों को 10 हजार वेतन देगी : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस द्वारा तेलंगाना में चुनावी घोषणा पत्र में हर मस्जिद के इमाम को 10 हजार रुपए वेतन देने की घोषणा को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा है कि कांग्रेस यदि सरकार में आयी तो मुसलमानों को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सरकार में थी तब भारत पर बार-बार पाकिस्तान द्वारा हमले किए जा रहे थे। अजमल कसाब द्वारा मुंबई में घुसकर हमला किया गया था। बड़े-बड़े आतंकवादियों को पोषित किया जा रहा था। दिग्विजय सिंह जैसे नेता बाटला हाउस एनकाउंटर पर सवाल करके खड़े कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से ही मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करती रही है। मुख्यमंत्री आज मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सोनिया गांधी और गांधी परिवार के इर्द-गिर्द घूमने वाली पार्टी है। जहां एक ओर मध्य प्रदेश में भाजपा राज्य के किसानों, बेरोजगारों, महिलाओं, बीमार लोगों आदि के लिए काम कर रही है। एक से बढ़कर एक विकास योजनाओं को लागू कर रही है, वहीं कांग्रेस के पास एकमात्र मुद्दा यह है कि चार बार के मध्य प्रदेश के भाजपा शासन को उखाड़ कर फेंकना है। उन्होंने कहा की अच्छे काम करने वाली सरकार चार बार तो क्या 40 बार भी बननी चाहिए। यदि शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप जैसे राजा हों तो उन्हें हमेशा के लिए शासन करने देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र के आदर्शों पर चलने वाली पार्टी है, जबकि कांग्रेस पार्टी महिलाओं को अपमानित कर रही है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने जहां भाजपा सरकार के कार्यों की चर्चा की, वहीं कांग्रेस पार्टी और उसकी नीतियों की जमकर निंदा की। उधर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को चुनावी राज्य तेलंगाना में *अल्पसंख्यक घोषणा* को

लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और दावा किया किया पार्टी (पाकिस्तान के संस्थापक) मोहम्मद अली जिन्ना की मुस्लिम लीग के विजन को पूरा कर रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उनकी ओर इशारा करते हुए भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने गांधी उपनाम हड़प लिया है, उन्होंने जिन्ना की नीतियों को पुनर्जीवित किया है। शर्मा ने एक्स पर सिलसिलेवार कई पोस्ट किए। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि अपने लंबे राजनीतिक करियर में मैं कभी सोच भी नहीं सकता था कि एक धर्म के वोट बैंक पर कब्जा करने की कोशिश में कांग्रेस इतना नीचे गिर जाएगी। धर्म विशेष के घोषणापत्र के साथ आकर कांग्रेस मोहम्मद अली जिन्ना की मुस्लिम लीग के विजन को पूरा कर रही है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अल्पसंख्यक घोषणा का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए शर्मा ने कहा कि सभी *भारतीयों* को कांग्रेस से सवाल करना चाहिए कि क्या *जितनी आबादी उतना हक* का उसका नारा मुसलमानों के लिए अवैध आरक्षण वापस लाने के लिए दिखावा है? बिहार सरकार द्वारा कराए गए जातिगत सर्वेक्षण की सराहना करते हुए राहुल गांधी ने दो अक्तूबर को एक्स पर एक पोस्ट में जितनी आबादी उतना हक (जनसंख्या के अनुपात में अधिकार) वाक्यांश का इस्तेमाल किया था। शर्मा ने यह भी पूछा कि क्या करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल मुल्लाओं के वेतन का भुगतान करने और अन्य विभाजनकारी योजनाओं के वित्तपोषण के लिए किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने काली पूजा और दीपावली की शुभकामनाएं दीं

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने काली पूजा और दीपावली के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। शनिवार को जारी एक बयान में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि हमारे आध्यात्मिक जीवन में, धार्मिक त्योहारों का बहुत महत्व है। देवी काली की पूजा एक ऐसा त्योहार है जो हमारे सांस्कृतिक, भक्ति और आध्यात्मिक जीवन का सार रखता है। इसके अलावा, रोशनी का त्योहार दीपावली भी एक अवसर है जो हमें अंधेरे को दूर करने और वादे और सकारात्मकता के लिए आगे बढ़ने में मदद करता है। मुख्यमंत्री ने सभी से पर्यावरण के प्रति पर्याप्त सम्मान के साथ दीपावली मनाने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से उन प्रथाओं से दूर रहने का भी अनुरोध किया जिनसे पर्यावरण प्रदूषण होने की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने आशा व्यक्त की कि काली पूजा के उत्सव से समाज से अंध विश्वासों के साथ-साथ नकारात्मक भावनाएं भी दूर होंगी। उन्होंने कहा कि काली पूजा और दीपावली के उत्सव लोगों को सभी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ

कांग्रेस के सत्ता में आने पर केसीआर और उनके परिवार से होगी वसूली : रेवंत रेड्डी

निजामाबाद (हि.स.)। तेलंगाना में चुनाव प्रचार जारी है। सभी पार्टियां अपने विरोधियों की आलोचना कर रहे हैं और अपनी पार्टी के घोषणापत्रों की खूबियों का प्रचार करने में व्यस्त हैं। इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आज निजामाबाद जिले के धर्मपुरी में कहा कि केसीआर का भ्रष्टाचार मडिगड्डा सिंचाई परियोजना का अड्डा बन गया है। उन्होंने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं में हुए हर भ्रष्टाचार के लिए केसीआर का परिवार जिम्मेदार है। प्रदेश अध्यक्ष रेवंत ने आश्वासन दिया है कि वे सत्ता में आते ही केसीआर उनके परिवार द्वारा चुराए गए, लूटे गए लाखों करोड़ों रुपयों की वसूली की जाएगी। रेवंत रेड्डी ने कहा कि केसीआर फार्म हाउस का उबला धान कावेरी सीड्स को 4250 रुपए प्रति क्विंटल की दर से बेचा गया है, लेकिन केसीआर सरकार तेलंगाना के किसानों का धान दो हजार रुपए प्रति क्विंटल की दर से भी नहीं खरीद रही। रेवंथ रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में इस क्षेत्र में विकास हुआ। कांग्रेस सत्ता में आएगी तभी गरीबों का कल्याण होगा...छह गारंटी योजनाएं लागू की जाएंगी।

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कर्म वो आईना है, जो हमारा स्वरूप हमें दिखा देता है। अतः हमें कर्म का एहसानमंद होना चाहिए।

– **विनोबा भावे**

न्यूज गैलरी

पीएम का तेलंगाना का दौरा 25 से

हैदराबाद (हि.स.)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन की अवधि समाप्त होने के साथ ही भाजपा अपने प्रचार अभियान में तेजी लाएगी। इसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरे चरण में लगातार तीन दिनों तक राज्य का दौरा करेंगे। मोदी इस महीने की 25 तारीख को करीमनगर सभा और 26 तारीख को निर्मल सभा संबोधित करेंगे। तेलंगाना विधानसभा चुनाव अभियान के तहत तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने घोषणा की है की नवंबर 27 तारीख को हैदराबाद में रोड शो आयोजित किया जाएगा।

डल झील की हाउसबोटों में लगी भीषण आग, तीन पर्यटकों की मौत

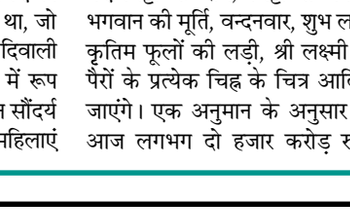

श्रीनगर। श्रीनगर से इस समय एक दर्दनाक खबर आ रही हैं। श्रीनगर की डल झील में हाउसबोटों में भीषण आग लगने से 3 पर्यटकों की मौत हो गई है। समाचार एजेंसी को अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को श्रीनगर की डल झील में भीषण आग लग गई और आग में जले हाउसबोट से तीन शव बरामद किए गए। अधिकारियों के मुताबिक, जले हुए शवों की पहचान की जा रही है और मृतकों में एक पुरुष और एक महिला शामिल हैं। तीसरे पीड़ित के लिंग का अभी तक पता नहीं चल सका है। आग से पांच हाउसबोट और उनसे जुड़ी इतनी ही संख्या में झोपड़ियां समेत करोड़ों रुपए की संपत्ति भी नष्ट हो गई।

छठ महापर्व : सूरत स्टेशन पर बिहार जाने को लेकर उमड़ी भीड़, एक की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत रेलवे स्टेशन पर शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब छठ महापर्व के लिए बिहार जाने वाली विशेष ट्रेन में सवार होने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। इस दौरान 40 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो को

अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस अधीक्षक (पश्चिम रेलवे) सरजो कुमारी ने बताया कि सुबह बड़ी संख्या में यात्री ताप्ती गंगा एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़ने के लिए दौड़ पड़े, जिससे अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान कुछ लोग बेहोश हो गए। उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ थी, जिसके कारण कुछ यात्रियों को घबराहट और चक्कर आने की समस्या हुई। अधिकारी ने कहा कि यात्रियों में से एक को दिल की बीमारी हो गई और प्लेटफॉर्म पर मौजूद एक पुलिसकर्मी ने एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाने से पहले उसे सीपीआर भी दिया। अधिकारियों ने पीड़ित की पहचान अंकित वीरेंद्र सिंह के रूप में की है। एसएमआईएमईआर अस्पताल के रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर जयेश पटेल ने कहा कि एक आदमी भीड़ के कारण गिर गया और उसे मृत घोषित कर दिया गया। पोस्टमार्टम में मौत का सही कारण पता चलेगा।

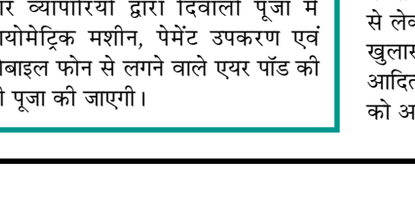

विश्व की जनसंख्या आठ अरब के पार

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो का अनुमान है कि वैश्विक जनसंख्या आठ अरब से अधिक हो चुकी है। हालांकि यह सीमा 10 माह पहले 26 सितंबर 2022 को पार कर ली थी। वहीं विश्व जनसंख्या वृद्धि में धीमी गति की दीर्घकालिक प्रवृत्ति जारी है। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो ने एक बयान में कहा है कि वैसे तो संयुक्त राष्ट्र ने अनुमान लगाया था कि यह संख्या 10 महीने पहले पार हो गई थी और 22 नवंबर, 2022 को *आठ अरब जनसंख्या का दिन* घोषित किया गया था। ब्यूरो के अनुसार यह विसंगति देशों द्वारा जनगणना की अलग-अलग पद्धति के कारण या बिल्कुल गणना नहीं करने के कारण हो सकती है। इसके अनुसार, कई देशों में जन्म और मृत्यु दर्ज करने की प्रणाली का अभाव है। ब्यूरो के अनुसार, भारत और नाइजीरिया जैसे कुछ सबसे अधिक आबादी वाले देशों ने एक दशक से अधिक समय से जनगणना नहीं की है। विश्व जनसंख्या वृद्धि की दर 1960 और 2000 के बीच दोगुनी होने के बाद से धीमी हो गई है। कनाडा जैसे देशों में वृद्धावस्था मृत्यु दर में कमी आ रही है, जबकि नाइजीरिया जैसे देशों में पांच वर्ष से कम उम्र के

दीवाली पर गुलजार हुए बाजार, लोग जमकर कर रहे खरीददारी

नई दिल्ली। कोविड के बाद यह पहला साल है जब लोग बिना किसी बीमारी के भय के दिवाली का त्योहार मनाएंगे और यही वजह है कि इस बार बाजारों में ग्राहकों की रौनक देखने को मिल रही है और दिल्ली सहित देश के सभी बाजारों में बड़ा व्यापार हो रहा है। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से पूर्व में जारी एक अनुमान के अनुसार इस वर्ष दिवाली के त्योहारों के सीजन में लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपए का व्यापार होने का आकलन किया गया था, जो निश्चित रूप से पार होता दिख रहा है। दिवाली त्योहारों की कड़ी में आज देश भर में रूप चतुर्दशी मनाई जा रही है और इस दिन सौंदर्य प्रसाधन खरीदने की बड़ी मान्यता है। महिलाएं आज के दिन अन्य वस्तुओं के अलावा विशेष रूप से ब्यूटी कास्मेटिक्स एवं अन्य सौंदर्य प्रसाधन खरीदती हैं। कैट के मुताबिक आज देश भर में लगभग 15 हजार करोड़ रुपए के ब्रांडेड एवं नॉन ब्रांडेड सौंदर्य प्रसाधन की बिक्री हुई। इसके अतिरिक्त आज बड़ी मात्रा में कुम्हारों एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीये, मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति, वन्दनवार, शुभ लाभ के चित्र, कृतिम फूलों की लड़ी, श्री लक्ष्मी जी के शुभ पैरों के प्रत्येक चिह्न के चित्र आदि भी खरीदे जाएंगे। एक अनुमान के अनुसार देश भर में आज लगभग दो हजार करोड़ रुपए के इन

सामानों की बिक्री हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस दिवाली *वोकल फॉर लोकल* के आह्वान के बाद इन वस्तुओं की बिक्री में बड़ा इजाफा हो रहा है। कल देश भर में दिवाली पूजा तथा घरों को सजाने के लिए फल एवं फूलों का बड़ा कारोबार होगा। कल देश में लगभग पांच हजार करोड़ रुपए के फूल बिकेंगे। इन फूलों में खास तौर पर कमल का फूल, गुलाब, गेंदा, रजनीगंधा, मोगरा, कनेर, गोदावरी और चमेली की ज़्यादा बिक्री होती है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि दिल्ली तथा देश भर में व्यापारी कल अपनी दुकानों पर दिवाली की पूजा करेंगे और ग्राहकों के खरीदी व्यवहार को देखते हुए टेक्नोलॉजी के बढ़ते उपयोग को ध्यान में रखते हुये इस बार व्यापारियों द्वारा दिवाली पूजा में बायोमेट्रिक मशीन, पेमेंट उपकरण एवं मोबाइल फोन से लगने वाले एयर पॉड की भी पूजा की जाएगी।

ब्रह्माकुमारी आश्रम में दो बहनों ने की खुदकुशी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगरा के जगनेर थाना क्षेत्र स्थित ब्रह्मकुमारी आश्रम में रहने वाली दो सगी बहनों की आत्महत्या और मिसे सूसाइड नोट के बाद यह आश्रम सवालों के घेरे में आ गया है। इस आश्रम में रहने वाली दो सगी बहनों एकता (37) और शिखा (34) ने शुक्रवार देर रात आश्रम के कमरे में फंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके सुसाइड नोट ने आश्रम से जुड़ी एक महिला समेत चार लोगों का कच्चा-चिट्ठा खोल दिया है। बहनों ने आश्रम में पनपे इस आपराधिक रेकेट द्वारा रुपए हड़पने से लेकर अन्य अनैतिक गतिविधियों में संलग्न होने का खुलासा किया है। सुसाइड नोट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ को संबोधित करते हुए लिखा कि आरोपियों को आसाराम बापू की तरह ही आजीवन कारावास दिया जाए। सुसाइड नोट के तथ्यों के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। एकता और शिखा ने आत्महत्या से पहले चार पेज का सुसाइड नोट लिखा। शिखा ने एक पेज पर ही अपनी पूरी बात लिख दी, जबकि एकता नितिन पेज का सुसाइड नोट लिखा। शिखा ने लिखा कि दोनों बहनें एक वर्ष से परेशान थीं। उनकी मौत के लिए नीरज सिंघल, धौलपुर के ताराचंद, नीरज के पिता और ग्वालियर आश्रम में रहने वाली एक महिला जिम्मेदार है। शिखा ने अपने सुसाइड नोट में मौत के जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की। एकता ने सुसाइड नोट में पूरे मामले का पर्दाफाश किया। इसमें लिखा कि नीरज ने उनके साथ सेंटर में रहने का आश्वासन दिया था। सेंटर बनने के बाद उसने बात करना बंद कर दिया। एक साल से हम बहनें रोती रहीं,

कांग्रेस की कपड़ा फाड़ राजनीति मप्र का भला नहीं कर सकती: अमित शाह

धार/भोपाल, (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मध्य प्रदेश में तीन परिवार हैं, पहला कमलनाथ का, बंटाधार दिग्विजय का, तीसरा राहुल व सोनिया गांधी का गांधी परिवार। यहां आदेश गांधी परिवार का चलता है, निर्देश कमलनाथ का चलता है और गलती होने पर चांटा दिग्विजय सिंह को लगा देते हैं। ये कपड़ा फाड़ राजनीति मध्य प्रदेश का भला नहीं कर सकती। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह शनिवार को धार जिले के मनावर में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कमलनाथ को यहां अपना नेता बनाया है। लेकिन वो आपके भले के लिए काम नहीं करेंगे, क्योंकि उनके मन में है नकुलनाथ को मुख्यमंत्री बनाना और सोनिया गांधी के मन में है, राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना। जो अपने बेटे-बेटियों के लिए काम करते हैं वो देश और प्रदेश का कभी भला नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि इस बार मध्य प्रदेश तीन दीपावली मनाएगा। एक दीपावली कल मनाएंगे, दूसरी तीन दिसंबर को यहां भाजपा सरकार बनने के बाद और तीसरी दीपावली आपको 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मनानी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारतीय

संस्कृति का अपमान किया है। नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में राममंदिर बनाने का मार्ग प्रशस्त किया, महाकाल लोक बनाया, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाया, बाबा केदारधाम और मां विंध्यवासिनी के तीर्थ क्षेत्र बनाएं, करतारपुर साहिब कॉरिडोर बनाया, कश्मीर में मां शारदा पीठ की पुनर्प्रतिष्ठा की और नए संसद भवन में सेंगोल लगाकर भारतीय संस्कृति के सम्मान का काम किया। शाह ने कहा कि कांग्रेस दलित और आदिवासी विरोधी है। ये इतने साल सत्ता में रहे, लेकिन इन्होंने कभी किसी ट्राइबल को राष्ट्रपति नहीं बनाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडीशा की गरीब घर की ट्राइबल बेटी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर देशभर के आदिवासियों का सम्मान बढ़ाया।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानियों आचार्य कृपलानी और मौलाना आजाद को याद किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को स्वतंत्रता सेनानियों आचार्य कृपलानी और मौलाना अबुल कलाम आजाद को उनकी जयंती पर याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और समाजवादी नेता आचार्य कृपलानी को उपनिवेशवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के सच्चे प्रकाश स्तंभ के रूप में याद किया। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि 'लोकतंत्र और सामाजिक समानता को मजबूत करने के लिए उनके अथक परिश्रम ने हमारे देश के ताने-बाने पर स्थायी छाप छोड़ी है। उनका जीवन और कार्य हमेशा स्वतंत्रता और न्याय के मूल्यों को कायम रखने के बारे में था।' प्रधानमंत्री मोदी ने मौलाना आजाद को उनकी जयंती पर याद किया। मोदी ने कहा कि मौलाना आजाद एक प्रकांड विद्वान, भारत के स्वतंत्रता संग्राम के स्तंभ थे और शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सराहनीय थी। एक एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा, 'मौलाना आजाद को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं। एक गहन विद्वान और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के स्तंभ, शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सराहनीय थी। आधुनिक भारत को आकार देने में उनके प्रयास कई लोगों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।'

दिल्ली-एनसीआर के एक्यूआई में सुधार, बरसात ने तोड़ी प्रदूषण की कमर

अजय कुमार

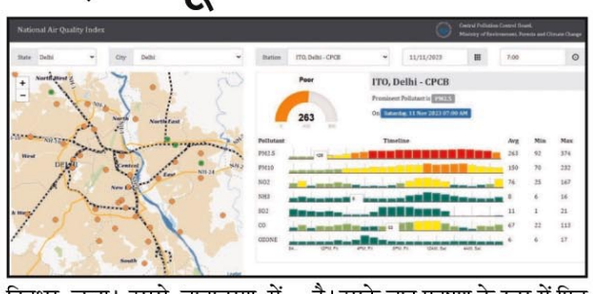

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में जो काम सरकारें नहीं कर पाईं, उसे प्रकृति ने 24 घंटे में कर दिखाया। आज (शनिवार) सुबह समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में बड़ा सुधार हुआ है। प्रकृति को चुनौती देते हुए कृत्रिम वर्षा कराने की चर्चा के बीच सामान्य बरसात ने ही दिल्ली- एनसीआर में पिछले कुछ दिनों से कुंडली मारकर बैठे प्रदूषण की कमर तोड़ दी। प्रकृति ने ऐसा कुछ किया कि मात्र 24 घंटे के भीतर राष्ट्रीय राजधानी के एक्यूआई में 158 अंक तक की कमी दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता स्तर घटकर 224 पर आ गया। यह शुक्रवार 400 के पार था। दो दिन पहले गुरुवार को दिल्ली की हवा 'गंभीर' श्रेणी में थी। अगले दिन शुक्रवार को यह दो पायदान नीचे खिसकर 'खराब' श्रेणी में आ गई। सुबह लोग सोकर उठे तो बाहर का नजारा बदला सा मिला। एक हफ्ते से जहरीली हवा में सांस ले रहे नागरिकों को हल्की बूंदाबांदी के बीच हवा साफ मिली।वर्षा का दौर रुक- रुककर दिनभर चला। इससे वातावरण में मौजूद प्रदूषक कण काफी हद तक धुल गए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, आज सुबह दिल्ली के आनंद विहार में 282, आरके पुरम में 220, पंजाबी बाग में 236 और आईटीओ में 263 एक्यूआई दर्ज किया गया।

हालांकि यह अभी भी 'खराब' श्रेणी में है। मगर पिछले 48 घंटे में इसमें भारी गिरावट आई है। यह बात अलग है कि अभी भी दिल्ली के 15 इलाके ऐसे हैं जहां का एक्यूआई 300 के ऊपर है, लेकिन दिल्ली के वातावरण में छाई स्माग की चादर काफी हद तक साफ हो गई है। इस बीच पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली ने कहा है कि इस राहत के ज्यादा नहीं, सिर्फ दो दिन तक रहने की संभावना है। इसके बाद प्रदूषण के स्तर में फिर बढ़ोतरी होने के आसार हैं। दीपावली के अगले दिन 13 नवंबर से हवा के फिर से 'गंभीर' श्रेणी में चले जाने की आशंका है। प्रदूषण के स्तर में होने वाला यह बदलाव काफी कुछ दीवाली पर होने वाली आतिशबाजी और पटाखों पर भी निर्भर करेगा। प्रकृति की मेहरबानी से गदगद दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 13 नवंबर से सम-विषम लागू नहीं किया जाएगा। वर्षा के कारण दिल्ली के पर्यावरण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। एक्यूआई भी काफी नीचे आ गया है। हवा की गति बढ़ने से अगले एक-दो दिन में यह और गिर सकता है। दीवाली के बाद की स्थिति देखकर ही सम-विषम पर निर्णय किया जाएगा।

दिल्ली के अस्पताल अलर्ट मोड पर, पटाखों से जलने वाले मरीजों के इलाज के लिए विशेष तैयारी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिवाली के त्योहार पर आतिशबाजी के दौरान पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के अस्पतालों में तैयारी की गई है। सफदरजंग अस्पताल में बर्न वार्ड के अलावा पटाखे से जलने वाले मरीजों को ध्यान में रखते हुए 20 बेड आरक्षित रखे गए हैं। इसके अलावा दिवाली पर 24 घंटे सभी डॉक्टर और नर्स ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। किसी को भी इस दौरान छुट्टी नहीं दी गई है। दिवाली पर भी पूरी क्षमता के साथ अस्पताल में 24 घंटे सेवाएं चालू रहेंगी। इसके अलावा इमरजेंसी में चार काउंटर अलग से बनाए गए हैं, जिससे कि इमरजेंसी स्थिति में आने वाले मरीजों को भर्ती करने में परेशानी ना हो। इसके साथ ही दिल्ली सरकार के सबसे बड़े अस्पताल लोकनायक में भी 70 बेड का डिजास्टर वार्ड तैयार रखा गया है। वार्ड में जले हुए मरीज के इलाज के लिए सभी आवश्यक सामान की व्यवस्था की गई है। अस्पताल में एक्सीडेंट एंड इमरजेंसी विभाग की उपाधीक्षक डॉक्टर ऋतु सक्सेना ने बताया कि रात के समय भी दिवाली पर इमरजेंसी में डॉक्टर और नर्स की मौजूदगी रहेगी। अस्पताल में पटाखे से जलने का कोई भी मामला आने पर मरीज को तुरंत उपचार दिया जाएगा। अगर मरीज भर्ती करने की स्थिति में होगा तो उसे भर्ती भी किया जाएगा। बर्न और प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने भी दिवाली पर आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की है। इसके अलावा नगर निगम के हिंदू राव अस्पताल, स्वामी दयानंद हॉस्पिटल और केंद्र सरकार के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में बेड आरक्षित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि राजधानी में 4 से 5 साल पहले जब दिवाली पर पटाखों पर प्रतिबंध नहीं होता था तब पटाखों से जलने के 200 से ढाई सौ मामले आते थे। हालांकि, जब से पटाखों पर बैन लगने लगा है तब से पटाखे से जलने के औसतन 50 से 100 मामले सामने आते हैं। इनमें से कई मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की भी जरूरत पड़ती है। अधिकतर मरीजों को प्राथमिक उपचार देकर ही घर भेज दिया जाता है।

बीमार पत्नी से मिलने तिहाड़ से मनीष सिसोदिया पहुंचे घर

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बीमार पत्नी से मिलने के लिए अदालत ने 6 घंटे की मोहलत दी है। अनुमति मिलने के बाद वह अपनी बीमार पत्नी से मिलने तिहाड़ जेल से घर पहुंचे। बता दें कि एक दिन पहले ही दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शनिवार सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक घर पर अपनी बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति दी थी। हालांकि मनीष सिसोदिया ने राउज एवेन्यू कोर्ट से अपनी बीमार पत्नी से मिलने के लिए 5 दिनों की मोहलत मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने उनकी मांग को ठुकरा दिया था। अदालत ने 11 नवंबर को सिर्फ 6 घंटे के लिए पुलिस हिरासत में पत्नी से मिलने की अनुमति दी थी। गौरतलब है कि राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान आप नेता मनीष सिसोदिया की तरफ से पेश वकील ने कहा कि अगर 5 दिन संभव नहीं है तो 2 दिन की ही इजाजत दे दीजिए। इस दौरान उन्होंने हाईकोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया और कहा कि हाईकोर्ट ने भी पहले इस तरह से पत्नी से मिलने की इजाजत दी थी, लेकिन कोर्ट ने उनकी इस दलील को नहीं माना। कोर्ट में जब सुनवाई चल रही थी, उस दौरान सीबीआई ने दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की याचिका का तीखा विरोध किया। गौरतलब है कि मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने बीते 26 फरवरी को कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार किया था। बाद में प्रवर्तन निदेशालय ने तिहाड़ जेल में पूछताछ के बाद 9 मार्च को सीबीआई की मनी लॉन्ड्रिंग केस में सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में ईडी और सीबीआई, दोनों मनीष सिसोदिया और अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर कर दी गई है।

दिल्ली एम्स परिसर में 15 मिनट से ज्यादा ऑटो-कैब रोकी तो देना होगा शुल्क

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली में मरीजों की सुविधा और कमर्शियल वाहनों के एम्स परिसर में एंट्री को नियमित और नियंत्रित करने के लिए शुल्क लगाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही मुफ्त शटल की जानकारी देने के लिए हिंदी और अंग्रेजी में जगह-जगह साइनेज लगाने की पहल की गई है। इस निर्णय के बाद एम्स परिसर में ऑटो व कैब जैसे व्यावसायिक वाहन 15 मिनट से अधिक देर तक नहीं रुक पाएंगे। 15 मिनट से अधिक देर रुकने पर एम्स व्यावसायिक वाहन चालकों से प्रति घंटे 50 रुपये की दर से शुल्क वसूल करेगा। इसके अलावा व्यावसायिक वाहनों को एम्स में 1 घंटे में केवल एक बार प्रवेश मिलेगा। देश के सबसे बड़े अस्पताल एम्स में प्रतिदिन करीब 20 हजार मरीज ओपीडी में इलाज के लिए आते हैं। यहां मेट्रो स्टेशन और मेन रोड से लेकर अंदर न्यू राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी तक आने में काफी लंबा फासला तय करना होता है। इससे वहां बहुत भीड़ लग जाती है, सारे निजी टैक्सी चालक और ऑटो चालक मौजूद होते हैं, जो मरीजों से कम दूरी की यात्रा के लिए ज्यादा पैसे मांगते हैं।

इसके मद्देनजर एम्स के डायरेक्टर प्रो. एम. श्रीनिवास ने यह पहल की है। एम्स परिसर में कमर्शियल वाहनों का ठहराव 15 मिनट तक मुफ्त होगा, इसके बाद उन्हें निर्धारित शुल्क चुकाना होगा।

एम्स से स्वस्थ होकर शिमला लौटे मुख्यमंत्री सुक्खू, जनसेवा की प्रतिबद्धता दोहराई

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू दिल्ली के प्रतिष्ठित एम्स अस्पताल से स्वस्थ होकर वापस शिमला लौट आए हैं। वह 15 दिन तक एम्स में भर्ती रहे। प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री का वापस लौटने पर अन्नाडेल में स्वागत किया। सरकारी आवास ओक ओवर पहुंचने पर मुख्यमंत्री का फूलों की वर्षा और ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया गया। शिमला पहुचने पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और जन सेवा के लिए वापस काम पर लौट आए हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि डॉक्टर ने उन्हें वक्त पर खाना खाने की सलाह दी है। साथ ही अगले दो महीने तक रेस्ट करने के लिए भी कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह रेस्ट करने के साथ जन सेवा में भी जुटेंगे। उन्होंने ने कहा कि उनकी गैर मौजूदगी में प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्यों ने बेहतरीन काम किया। मंत्रिमंडल की 18 नवंबर को होने वाली बैठक में प्रदेश हित से जुड़े कई अहम फैसले लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य कारणों से पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव प्रचार में जाने पर असमर्थता जाहिर की है। हिमाचल प्रदेश में पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू के खिलाफ मिली शिकायत पर हाई कोर्ट के संज्ञान को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस संदर्भ में हाईकोर्ट में जवाब दायर करेगी। नियमों के मुताबिक पहले शिकायत की जांच होती है शिकायत के तथ्यों के आधार पर ही एफआईआर दर्ज की जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और प्रदेश के डीजीपी के साथ आम लोगों के लिए कानून एक समान है। इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दीपावली के मौके पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी कि प्रदेश के लोगों के लिए यह दीपावली सुख और समृद्धि लेकर आएगी। उन्होंने एक बार फिर हिमाचल प्रदेश को पूरे देश में नंबर वन राज्य बनाने की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

दुष्कर्म की घटना पर भाजपा हमलावर, कहा- राजस्थान में 'अपराधी बचाओ' में जुटी हुई है गहलोत सरकार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दौसा में पुलिस कर्मी द्वारा एक नाबालिग लड़की के साथ कथित बलात्कार की घटना पर भारतीय जनता पार्टी ने हमला बोलते हुए गहलोत सरकार पर 'अपराधी बचाओ' का आरोप लगाया है। शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि आज दौसा से यह चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां राजस्थान पुलिस के एक सब-इंस्पेक्टर द्वारा चार साल की बच्ची के साथ बलात्कार किया गया है। राजस्थान पुलिस और प्रशासन ने आरोपितों पर त्वरित कार्रवाई करने की बजाय उन्हें बचाने के लिए संस्थागत तरीके से कार्रवाई करने में जुटी हुई है। आरोपित पुलिस कर्मी का तुरंत निलंबन नहीं किया गया और न ही उन दो अन्य पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड किया गया, जिन्होंने सबूत नष्ट करने में आरोपित की मदद की है। शहजाद पूनावाला ने कहा कि राजस्थान में बेटी बचाओ नहीं, 'अपराधी बचाओ' में सरकार जुटी हुई है। शहजाद ने कहा कि गहलोत सरकार के कारण पूरा देश एक बार फिर शर्मसार हुआ है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में यह इकलौती घटना नहीं है। कुछ महीनों में राजस्थान में महिलाओं के साथ कई घटनाएं हुई हैं। राजस्थान में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। यहां रोजाना महिला उत्पीड़न और अत्याचार की 18 से 22 घटनाएं सामने आती हैं। राजस्थान महिलाओं के साथ दुष्कर्म के मामले में नंबर एक राज्य बन गया है। उन्होंने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता राजस्थान में सिर्फ राजनीतिक सैर सपाटे के लिए आते हैं। क्या प्रियंका गांधी दौसा भी जाएंगी? मानवता को शर्मसार करने वाली इस घटना पर कुछ बयान देंगी?

राजनैतिक दलों ने पहले जनता को लुभाने और फिर भुलाने का किया काम, केवल भाजपा ने बनाया रोडमैप : जेपी नड्डा

भोपाल, (हि.स.)। मध्यप्रदेश में विधान सभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) जारी कर दिया है। शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में इसका विमोचन किया। उन्होंने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि राजनैतिक दलों ने पहले जनता को लुभाने का काम किया और फिर लोगों को भुलाने का काम किया गया। केवल भाजपा ने संकल्प पत्र को रोडमैप की तरह लिया और उसी के अनुसार विकास कार्य पूर्ण करने का प्रयास किया जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रह्लाद सिंह पटेल समेत अन्य पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संकल्प पत्र का विमोचन करते हुए कहा "समय के साथ-साथ घोषणा पत्र की महत्ता धीरे-धीरे घटती गई है लेकिन भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जिसने इस डॉक्यूमेंट को अपने रोडमैप का जरिया बनाया है। इसे जमीन पर उतारने का काम भी किया। ये हमारा ट्रैक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चाहे वो मध्य प्रदेश का विकास हो या अन्य किसी प्रदेश के विकास की बात हो, उसके मूल में हमेशा गरीब कल्याण की बात होती है। गरीबों के सशक्तिकरण के लिए हमारा मंत्र है - रिफार्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म।" जेपी नड्डा ने कहा कि 2003 में मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास की दर 0.61% थी, जो आज भाजपा सरकार के 20 साल के कार्यकाल में बढ़ कर 24% हो चुकी है। 2003 में यहां 4,231 हेक्टेयर जमीन की ही सिंचाई हो पाती थी, जो आज बढ़कर 16,284 हेक्टेयर हो चुकी है। संकल्प पत्र पढ़ते हुए नड्डा ने कहा कि 'इस बार के संकल्प पत्र में एक करोड़ 30 लाख बहनों को आर्थिक सहायता के साथ हम घर की सुविधा भी देंगे। गांव की बहनों को लखपति बनाने के लिए स्पेशल ट्रेनिंग और स्किल डवलपमेंट का काम शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि गेहूं की खरीद हम 2,700 रुपये प्रति क्विंटल और धान की खरीद हम 3,100 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से करेंगे। जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण के लिए हम 3 लाख करोड़ रुपये खर्च करेंगे। तेंदूपत्ता के लिए 4,000 हजार रुपये प्रति मानक बोरा देने का काम हम करेंगे। हर ट्रायबल ब्लॉक में एकलव्य विद्यालय बनाया जाएगा। हर ट्रायबल ब्लॉक में मेडिकल कॉलेज खोलने का निर्णय हमने किया है।"

सशक्त नारी के लिए ये संकल्प

1. लाडली बहनों को मासिक आर्थिक सहायता के साथ मिलेगा आवास।
2. ग्रामीण महिलाओं को लखपति बनाएंगे। 15 लाख महिलाओं को लखपति योजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा।
3. लाडली लक्ष्मी को कुल दो लाख रुपये, सभी जरूरतमंद बालिकाओं को जन्म से 21 वर्ष तक लाभ।
4. पीएम उज्ज्वला योजना एवं लाडली बहना योजना की लाभार्थियों को 450 रुपये में सिलेंडर मिलेगा।
5. सभी छात्राओं केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा का मिलेगा लाभ।

समृद्ध किसान

1. किसानों के लिए एमएसपी पर बोनस की व्यवस्था करेंगे। 2,700 रुपये प्रति क्विंटल पर गेहूं की खरीद एवं 3,100 रुपये प्रति क्विंटल पर धान की खरीद सुनिश्चित करेंगे।
2. पीएम किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के लाभार्थियों को 12,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता लाभ देते रहेंगे।

जनजातीय कल्याण

1. जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण के लिए अगले 5 वर्षों में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक सशक्तिकरण पर तीन लाख करोड़ व्यय करेंगे।
2. सभी तेंदूपत्ता संग्राहकों को तेंदूपत्ता संग्रहण दर 4,000 रुपये प्रति बोरा प्रदान करना सुनिश्चित करेंगे।
3. प्रत्येक एसटी ब्लॉक में एकलव्य विद्यालय की स्थापना के साथ ही 3,800 शिक्षकों की भर्ती करेंगे।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के डीपफेक वीडियो पर दिल्ली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को दक्षिण की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के डीपफेक एआई-जेनरेट वीडियो पर बवाल मचने के बाद एफआईआर दर्ज कर ली। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस संबंध में आईपीसी, 1860 की धारा 465 और 469 और आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 66सी और 66ई के तहत स्पेशल सेल ने केस दर्ज किया। उल्लेखनीय है कि रश्मिका की डीपफेक वीडियो में एक लिफ्ट के अंदर ब्लैक कपड़े में महिला को दिखाया गया है। रश्मिका मंदाना की तरह दिखने के लिए उसके चेहरे को एआई की मदद से एडिट किया गया। इसमें चेहरा मंदाना का जबकि शरीर दूसरी महिला का था। इसे इस तरह एडिट किया गया, जिससे वह रश्मिका मंदाना का वीडियो लगे। इस पर महानायक अमिताभ बच्चन ने नाराजगी जताते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष ने स्वतः संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। महिला आयोग ने पुलिस से 17 नवंबर तक मामले में दर्ज प्राथमिकी की कॉपी, आरोपितों का जानकारी और इस संबंध में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। क्या होता है डीपफेकः किसी रियल वीडियो में दूसरे के चेहरे को फिट कर देने को डीपफेक कहा जाता है। इसके लिए टेक्नोलॉजी कोडर और डिकोडर टेक्नोलॉजी की मदद ली जाती है। डिकोडर सबसे पहले किसी इंसान के चेहरे के हावभाव और बनावट की जांच करता है। इसके बाद किसी दूसरे चेहरे पर इसे लगाया जाता है। इस तरह से हू-ब-हू फर्जी वीडियो और फोटो को बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने महामंडलेश्वर भवानीनन्दन को भेजा दीपावली शुभकामना संदेश, सिद्धपीठ ने जताया आभार

गाजीपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश के जनपद स्थित अति प्राचीन सिद्धपीठ हथियाराम मठ पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनन्दन जी महाराज को दीपावली का शुभकामना संदेश भेजा गया। मुख्यमंत्री द्वारा सिद्धपीठ पीठाधीश्वर को दिए गए बधाई संदेश के बाबत महामंडलेश्वर द्वारा मुख्यमंत्री का आभार ज्ञापित किया गया है। पंच दीपोत्सव पर्व दीपावली के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनपद के सिद्धपीठ हथियाराम मठ पीठाधीश्वर व जूना अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति जी महाराज को शुभकामना संदेश के साथ ही दीपावली का उपहार भी भेजा गया। जिसमें मिट्टी के दीपक, रोली चंदन इत्यादि के साथ ही अन्य सामग्रियां भी रही। महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनन्दन यति जी महाराज ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए दीपावली का शुभकामना दिया। गौरतलब हो की लगभग 750 सौ वर्ष प्राचीन सिद्धपीठ हथियाराम मठ सिद्ध संतों की तपस्थली रही है।

जहां के आराध्य देवी माता भगवती वृद्धांबिका देवी के आशीर्वाद व सिद्ध संतों की तपस्या के प्रतिफल बुढ़िया माई के हवन भभूत से ही लकवा जैसे असाध्य रोग से ग्रसित रोगी भी स्वस्थ हो जाते हैं। वहीं वर्तमान पीठाधीश्वर स्वामी भवानीनंदन यति जी महाराज की नेतृत्व में निरंतर धार्मिक अनुष्ठान यज्ञ का आयोजन होता रहता है। जो आज अध्यात्म जगत में एक तीर्थ स्थल के रूप में विख्यात है। जहां वर्ष पर्यंत गणमान्य से लेकर जन सामान्य तक दर्शन पूजन के लिए आते जाते रहते हैं। महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनन्दन यति जी महाराज को यह शुभकामना संदेश पत्र व उपहार भेट जनपद के जिला सूचना अधिकारी राकेश कुमार ने सिद्धपीठ पहुंचकर दिया।

दीपावली पर राज्यपाल ने राजभवन के चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को दिए उपहार

लखनऊ, (हि.स.)। दीपावली के अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को राजभवन में चतुर्थ श्रेणी एवं आउटसोर्स कर्मियों को उपहार एवं मिष्ठान वितरित कर सबको सुख, समृद्धि और खुशहाली की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने कहा कि समाज में किसी प्रकार का सामाजिक भेदभाव नहीं होना चाहिए। भगवान श्री राम द्वारा शबरी के झूठे बेर खाने और निषाद राज को गले लगाने का उदाहरण देते हुए सामाजिक समानता का व्यवहार करने को प्रेरित किया। उन्होंने इस क्रम में विविध पौराणिक प्रसंगों को पढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने कार्यों में निपुणता व पूर्णता लाने के गुण विकसित करने को कहा। राजभवन को सुंदर और स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी राजभवन के कार्यरत सभी कार्मिकों की है। स्वच्छता अभियान में सभी का योगदान महत्वपूर्ण है। बच्चों में भी स्वच्छता की भावना का विकास होना चाहिए।

राजभवन में आने वाले प्रत्येक आगंतुक से प्रिय व्यवहार करने और यथोचित सहयोग करने को भी कहा। राज्यपाल ने राजभवन के द्वारा विभिन्न सामाजिक कार्यों एवं गतिविधियों के संचालन की चर्चा करते हुए कहा कि राजभवन से टीवी ग्रस्त मरीजों को गोद लेकर पोषण पोटली वितरण की शुरूआत कर-वाई गई। उन्होंने कहा कि राज भवन ऐसे लोगों के लिए है, जिनकी मदद करने वाला कोई नहीं होता। इस क्रम में उन्होंने विश्वविद्यालय के एक छात्र के प्रसंग की चर्चा भी की जो कैंसर का उपचार करवा रहा था। राजभवन ने उसकी मदद करते हुए समुचित जाँच करवाई, जिसमें उसके टीवी ग्रस्त होने का पता चला। छात्र को कैंसर नहीं, टीवी था। छात्र की राजभवन से समुचित पोषण की व्यवस्था कर दी गई और चिकित्सा भी सही दिशा में प्रारम्भ करा दी गई। राज्यपाल ने दीपावली पर्व के गुजरात के अपने अनुभव भी साझा किए और दीपावली के बाद नव विक्रम संवत की शुरूआत की चर्चा भी की और सभी को इसकी अग्रिम बधाई दी।

राज्यपाल से मिलकर बधाई देने वालों में प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, विविध राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपति गण, उम्मीद संस्था से बलवीर सिंह मान, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ अधिकारीगण शामिल थे। इससे पूर्व राजभवन से अपर मुख्य सचिव राज्यपाल, डॉ.सुधीर महादेव बोबडे, विशेष सचिव बीएन सिंह, विधिक सलाहकार प्रशान्त मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी राज्यपाल को दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अंतिम संस्कार में पहुंचे सपा जिलाध्यक्ष और भाजपा विधायक भिड़े

बरेली, (हि.स.)। पुलिस की पिटाई से हुई युवक की मौत के बाद शनिवार को शव का अंतिम संस्कार किया जा रहा था। इस दौरान समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष शिव चरण कश्यप और भाजपा विधायक राघवेंद्र शर्मा के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट तक की नौबत आ गई। अंतिम संस्कार में पहुंचे लोगों ने बीच बचाव करके मामला शांत कराया। परिवार का आरोप है कि किसान संतोष को भमोरा थाना क्षेत्र की सरदार नगर पुलिस चौकी में पुलिस ने बेरहमी से मारा पीटा था। इससे उसकी मौत हो गई थी। परिजन पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार करने जा रहे थे, तभी वहां पर सपा जिलाध्यक्ष शिव चरण कश्यप और भाजपा विधायक डॉक्टर राघवेंद्र शर्मा पहुंच गए। इस बीच जिलाध्यक्ष शिव चरण कश्यप मौके पर डीएम और एसएसपी को बुलाने की मांग करते हुए जाम लगाने को कहने लगे। तभी विधायक ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की तो सपा जिलाध्यक्ष शिव चरण कश्यप उनसे भिड़ गए। सपा जिलाध्यक्ष भाजपा विधायक के साथ गाली गलौज करने लगे। इतना ही नहीं वह विधायक के साथ हाथापाई तक पर उतारू हो गए। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने मामला शांत करवाया। उल्लेखनीय है कि भमोरा थाना क्षेत्र के आलमपुर जाफराबाद में जुआड़ियों को पकड़ने गई पुलिस टीम ने किसान संतोष शर्मा को पकड़ लिया। उनसे जो लोग जुआ खेल रहे थे, उनके नाम पता पूछने लगे। आरोप है कि जब संतोष ने बताने से इंकार कर दिया तो उसे लात घुसों, लाठी डंडों से बेरहमी से मारा पीटा। किसान संतोष को पुलिस वाले मरणासन्न हालत में छोड़कर भाग गए। परिजनों ने किसान को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी मौत हो गई थी। इस घटना के बाद एसएसपी बरेली घुले सुशील चंद्रभान ने दरोगा सहित सात पुलिस कर्मियों को निलंबित करते हुए विभागीय जांच भी बैठा दी थी। एसपी देहात ने बताया कि इस मामले में भमोरा थाने में सातों पुलिसकर्मी और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

अमिताभ ठाकुर ने लगाया सीओ पर आपत्तिजनक मैसेज भेजने का आरोप

मेरठ, (हि.स.)। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठ-ाकुर ने मेरठ के पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कंकरखेड़ा में 1500 करोड़ रुपए के भूमि घोटाले के बारे में उन्होंने सीओ सिविल लाइन पर आपत्तिजनक व्हाट्सऐप मैसेज भेजने के आरोप लगाकर जांच की मांग की है। पूर्व आईपीएस अधिकारी और आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने कंकरखेड़ा में हुए 1500 करोड़ रुपए के भूमि घोटाले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मिलीभगत के आरोप लगाए थे। मेरठ में आठ नवंबर को पत्रकार वार्ता करने आए अमिताभ ठाकुर को सर्किट हाउस में हॉल या कमरा भी नहीं दिया गया तो उन्होंने सर्किट हाउस में सीढ़ियों पर बैठकर पत्रकार वार्ता की थी। अब अमिताभ ठाकुर ने सीओ सिविल लाइन मेरठ अरविंद चौरसिया द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के बाहर जाकर पत्र-ाकारों को व्हाट्सएप मैसेज भेजने की शिकायत पुलिस महानिदेशक से की है। उन्होंने शिकायत की जांच करके कार्रवाई करने की मांग की है। पूर्व आईपीएस ने आरोप लगाया कि पूर्व इंटेलीजेंस कर्मी देवेंद्र सिंह के संबंध में गलत मैसेज भेजे गए। इन मैसेज में देवेंद्र सिंह पर आपत्तिजनक व्यक्तिगत टिप्पणियां की गईं और आजाद अधिकार सेना का भी उल्लेख किया गया है। इन मैसेज का उद्देश्य उनके तथा देवेंद्र सिंह द्वारा कंकडखेड़ा भूमि घोटाले में सामने लाए जा रहे तथ्यों की विश्वसनीयता को कम करना है। उन्होंने इन्हें गंभीर आरोप बताते हुए उच्चस्तरीय जांच कराकर कार्रवाई करने की मांग की गई है।

बलिया में डीएम-एसपी ने दिया वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा

- दीपावली पर की ग्रामीण इलाकों में बने सामानों की खरीदारी

बलिया, (हि. स.)। दीपावली के पर्व पर इस बार वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने में डीएम व एसपी दोनों ने पूरा जोर लगाया है। दीपावली से एक दिन पूर्व दोनों अधिकारियों ने शहर के व्यस्त बाजार में जाकर सड़कों के किनारे बैठकर हाथों से बने सामानों की खुद खरीदारी की। डीएम रवींद्र कुमार व एसपी एस आनंद सबसे पहले शहर के चौक पहुंचे। जहां दोनों आला अधिकारियों ने माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की मूर्ति की खरीदारी की। हालांकि, दोनों अधिकारी मोलभाव करने से नहीं चूके। दुकानदार से मोलभाव कर ही दोनों अधिकारियों ने मूर्तियां खरीदीं। डीएम रवींद्र कुमार ने दीपावली को लेकर अपने संदेश में कहा कि सावधानी से पटाखे फोड़ें। निर्धारित समय में ही पटाखे फोड़ने की अपील करते हुए कहा कि बच्चों के साथ उनके अभिभावक जरूर रहें। सभी जनपदवासी स्थानीय सामानों को ही खरीदें। उन्होंने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। वहीं, एसपी एस आनंद ने भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली के दिन सभी जगहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। उन्होंने कहा कि पटाखे छोड़ते समय करीब में पानी जरूर रखें। महिलाओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान देने की अपील की।

पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के गुजरते ही रेल लाइन पर गिरी हाईटेंशन तार, ट्रेन सेवा ठप

कोडरमा, (हि. स.)। जिले के परसाबाद स्थित रेलवे स्टेशन के पास धनबाद-गया रेलखंड पर शनिवार को हादसा हो गया, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं एक की स्थिति गंभीर है, जबकि कुछ अन्य घायल हैं। हादसा परसबाद रेलवे स्टेशन के समीप हाईटेंशन तार के टूटने से हुई है। दरअसल, पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के गुजरने के बाद परसाबाद स्टेशन के पास हाईटेंशन तार टूटकर गिर गई। इस हाईटेंशन तार की चपेट में आने से वहां कार्यरत एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। वहीं कई अन्य मजदूरों के घायल होने की खबर हैं। घटना शनिवार दोपहर 12.05 बजे की है। हादसे के बाद परसाबाद रेलवे स्टेशन की अप और डाउन ओवर हेड वायर की बिजली बंद कर दी गई।

अप और डाउन परिचालन ठप है। हादसे के बाद दुरंतो एक्सप्रेस कोडरमा स्टेशन पर खड़ी है। घटना की सूचना पाकर डीआरएम, डीएचएन समेत उच्च अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। धनबाद रेल मंडल के डीआरएम ने ट्वीट कर घटना की जानकारी दी है। इधर रेलवे यातायात को सामान्य करने का प्रयास जारी है।

प्रधानमंत्री के झारखंड दौरे पर सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम, एसपीजी ने लिया जायजा

रांची, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के झारखंड दौरे पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा को लेकर 10 आईपीएस, 35 डीएसपी, बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड की टीम सहित 2000 जवानों की तैनाती की जाएगी। सुरक्षा के साथ दूसरे इंतजामों में कोई कमी न रह जाए इसके लिए अधिकारी लगातार खूंटी में कैंप किए हुए हैं। एसपीजी की टीम शनिवार को रांची एयरपोर्ट पहुंची और वहां सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के बाद खूंटी के लिए रवाना हो गई। इस संबंध में डीआईजी अनूप बिलथरे ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री 15 नवम्बर राज्य स्थापना दिवस के दिन झारखंड के खूंटी में कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा को लेकर आईपीएस, डीएसपी, इंस्पेक्टर सहित 2000 पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। साथ ही एसपीजी के निर्देश के अनुसार तैयारी की जा रही है। दो जगहों पर हेलिपैड बनाया गया है। उन्होंने बताया कि लगातार पुलिस मुख्यालय की ओर से भी खूंटी का दौरा किया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय की ओर से टेक्निकल टीम की भी तैनाती की गई है। बिना जांच के किसी को भी कार्यक्रम में शामिल होने नहीं दिया जाएगा। प्रधानमंत्री का खूंटी जिले में दो कार्यक्रम हैं। एक कार्यक्रम भगवान बिरसा मुंडा की जन्मभूमि उलिहातू में और दूसरा जनसभा है।

सिदो- कान्हू पार्क में निःशुल्क योग प्रशिक्षण 13 नवंबर से

रांची, (हि.स.)। रांची के सिदो-कान्हू पार्क में निःशुल्क योग प्रशिक्षण 13 नवंबर से मिलेगा। इस संबंध में झारपार्कस रांची (वन विभाग, झा-रखंड) के सीइओ के स्तर से सूचना दी गई है। झारपार्कस अंतर्गत इस पार्क में नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने तथा प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित कर जीवन की पद्धति के विकास के लिए निःशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर 13 नवंबर से शुरू होगा। इसका समय हर दिन सुबह 6:30 से 7:30 बजे तक रहेगा। मंगलवार को पार्क में साप्ता-हिक बंद नहीं होगा। योग के लिए प्र-शिक्षक की व्यवस्था झारपार्कस प्रबंधन के स्तर से की गई है। झारपार्कस प्रबंधन ने यह भी कहा है कि फिलहाल योग प्रशिक्षण का समय एक माह (13 दिसम्बर तक) के लिए ही तय किया गया है। अभी जो लोग योग सीखने को सुबह में पार्क आएंगे, उन्हें अपने साथ दरी, मैट या चादर वगैरह स्वयं लाना होगा। सुबह में पार्क घुमने आने वाले लोगों को योग सीखने को पार्क में उपलब्ध रजिस्टर में अपना पंजीकरण भी कराना होगा।

दीपावली 12 को, प्रदोष काल में मां लक्ष्मी-गणेश की पूजा करना होगा शुभ

रांची, (हि. स.)। दीपावली कार्तिक माह के अमावस्या तिथि को रविवार को मनाई जाएगी। इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजन का विधान है। लक्ष्मी गणेश पूजा के लिए प्रदोष काल का समय सबसे शुभ और फलदायी होगा। पंडित राजेंद्र पांडेय ने बताया कि दीपावली के दिन प्रदोष काल में माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा सभी के लिए सुख-समृद्धि और मंगलकारी होगी। जबकि मध्य रात्रि में मां काली का जाप, तप और साधना से भक्त के सारे कष्ट दूर होते हैं। मां काली की पूजा निशिता काल में करने का विधान है। उन्होंने बताया कि दीपावली पूजा के लिए शुभ मुहूर्त अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:23 से 12 :56 बजे तक है। जबकि प्रदोष काल में संध्या 5:10 से रात 9:40 बजे तक और महानिशा काल मे काली पूजा रात 11:15 से 12:07 तक होगी।

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार अभिनयान की मॉनिटरिंग के लिए 15 आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति

रांची, (हि.स.)। 15 नवंबर से शुरू होने वाली आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार अभियान के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की निगरानी एवं अनुश्रवण के लिए राज्य के 15 पदाधिकारी को जिलों का प्रभारी नियुक्त किया है। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय में विभाग ने आदेश जारी किया है। राजीव अरुण एक्का को पूर्वी सिंहभूम, अजय कुमार सिंह को रांची और धनबाद , सुनील कुमार को बोकारो ,लातेहार, राहुल पुरवार को गोड्डा, अमिताभ कौशल को कोडरमा व गिरिडीह, मनीष रंजन को देवघर व जामताड़ा, राजेश कुमार शर्मा को साहिबगंज, अबू बकर सिद्दीकी को पश्चिम सिंहभूम और सिमडेगा का प्रभार सौंपा गया है।

इसी प्रकार प्रवीण टोप्पो को सरायकेला खरसावां और चतरा, प्रशांत कुमार को दुमका और पाकुड़ कृपानंद झा को पलामू और गढ़वा, मनोज कुमार को खूंटी, विप्रा भाल को लोहरदगा, चंद्रशेखर को गुमला व जितेंद्र कुमार सिंह को हजारीबाग और रामगढ़ जिला का प्रभारी बनाया गया है। सभी पदाधिकारी जिले की उपायुक्त और उप विकास आयुक्त को मार्गदर्शन भी देंगे।

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में रेलवे ने बनाया रिकॉर्ड, हुई पांच लाख नियुक्तियां

बेगूसराय, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में देश समग्र विकास कर विश्व में परचम लहरा रहा है। ऐसे में रेलवे भी विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है। देश भर में ना केवल रेलवे की आधारभूत संरचना मजबूत की जा रही है, यात्री सुविधाओं में वृद्धि की जा रही है। बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार भी दिए जा रहे हैं। यूपीए की तुलना में मोदी सरकार में रेलवे में रोजगार मिलने में करीब 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि पिछले एक वर्ष में भारतीय रेलवे द्वारा डेढ़ लाख लोगों को नियुक्त किया गया है। विगत नौ वर्षों में रिकॉर्ड नियुक्तियां हुई है। 2004 से 14 तक रेलवे द्वारा चार लाख 11 हजार लोगों को नियुक्त किया गया था, जो औसतन लगभग 41 हजार वार्षिक था। जबकि 2014 से 2023 तक करीब पांच लाख लाख लोगों को नियुक्त किया गया है, जो कि औसतन 50 हजार वार्षिक है। कोरोना जैसी विषम परिस्थितियों में भी रेलवे द्वारा लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। भारतीय रेल द्वारा सहायक लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, ट्रेन मैनेजर, जूनियर इंजीनियर, टेक्निशियन, कॉमर्शियल क्लर्क, ट्रैक मेंटेनर सहित अन्य पदों पर सीधी नियुक्ति की गई है। उन्होंने बताया कि कंप्यूटर आधारित टेस्ट मोड में विश्व की सर्वाधिक भर्ती पर-ीक्षा भारतीय रेल ने आयोजित किया। दिसम्बर 2020 से जुलाई 2021 के बीच विश्व का सबसे बड़ा रोजगार भर्ती अभियान चलाया गया था। इसके तहत एनटीपीसी पद (रेलवे में गैर तकनीकी लोकप्रिय श्रेणी पद) के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट लिया गया। इस परीक्षा में एक करोड़ 26 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए थे, जिस-के तहत 211 शहरों में 726 सेंटरों पर 133 पाली में परीक्षा लिए गए थे। इसके साथ ही आरआरसी द्वारा ग्रेड-डी के लिए आयोजित परीक्षा में एक करोड़ 11 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए थे। जिसके तहत 191 शहरों में 551 सेंटरों पर 99 पाली में परीक्षा लिए गए। इस दोनों परीक्षाओं में कुल दो करोड़ 37 लाख परीक्षार्थीयों ने 402 शहरों में 1277 सेंटरों पर 232 पाली में परीक्षा दिए। दोनों परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया जो पूरी तरह पारदर्शी एवं कदाचार मुक्त रहा। इसके साथ ही रेलवे में चल रही विभिन्न निर्माण परियोजनाओं के तहत भी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराये जा रहे हैं। एक किलोमीटर रेलवे लाईन के निर्माण से करीब 33 हजार मानव दिवस रोजगार सृजन होता है। पिछले वर्ष 56 सौ किलोमीटर नई लाईन, दोहरीकरण एवं आमान परिवर्तन के कार्य पूरे किए गए। जिनसे प्रतिदिन पांच लाख से ज्यादा मानव दिवस रोजगार सृजित हुआ। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर विद्युतीकरण एवं आ-रओबी और आरयूबी स्टेशन पुनर्विकास के भी कार्य पूरे किए गए तथा किए जा रहे हैं। जिनसे एक साल में करीब दस लाख अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। इस वित्तीय वर्ष में रेलवे द्वारा 2.5 लाख करोड़ रुपए का अब तक के सर्वाधिक पूंजीगत व्यय द्वारा परियोजनाओं का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से भी बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध हो रहे हैं। पूर्व मध्य रेल भी रोजगार सृजन के मामले में काफी प्रगतिशील है। पूर्व मध्य रेल द्वारा पिछले वर्ष 662 किलोमीटर नई लाईन, दोहरीकरण एवं आमान परिवर्तन के कार्य पूरे किए गए। इसके साथ ही विद्युतीकरण एवं आरओबी और आरयूबी के भी कार्य पूरे किए गए। जिससे करीब चार लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराए जा चुके हैं।

नवादा जेल में डीएम एसपी ने की छापेमारी

नवादा, (हि .स.)। नवादा मंडल कारा में शनिवार को डीएम आशुतोष कुमार वर्मा व एसपी अम्बरीष राहुल के नेतृत्व में सघन छापेमारी की गई. इस दो घंटो की छापेमारी में पुलिस ने जेल के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली है. वहीं पुलिस ने छापेमारी के दौरान कोई भी आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं किया। इस छापेमारी में बड़ी संख्या में पुलिस जवान शामिल हुए. सभी जवानों ने मिलकर जेल के एक-एक वार्ड और शौचालयों की सघन तलाशी ली। जवानों ने छापेमारी के दौरान जेल के भीतर सभी वार्डों को खंगाला लेकिन किसी भी प्रकार की कोई आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुई। इस छापेमारी के दौरान मंडल कारा में कैदियों के बीच हड़कंप की स्थिति बनी रही। तकरीबन दो घंटे तक चली छापेमारी में जेल के चप्पे-चप्पे तक की तलाशी ली गयी. जेल के किसी कोने को नहीं छोड़ा गया है. इस छापेमारी के दौरान टीम में डीएम और एसपी के अलावा डीसीसी दीपक कुमार मिश्रा, एसडीओ अखिलेश कुमार, डीएसपी विजय कुमार, जेल सुपरिंटेंडेंट अजीत कुमार, इसके अलावा भी बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी शामिल थे। इस समय नवादा की मंडल कारा में 1084 कैदी बंद है जिसमें पुरुष की संख्या 1040 है, तो महिला की संख्या 44 है। वहीं 4 साल का 6 बच्चे भी जेल में कैद है। जेल सुपरिंटेंडेंट को बेहतर व्यवस्था के लिए डीएम ने कई निर्देश दिए। बताया जाता है कि मुख्यालय के निर्देश पर डीएम- एसपी के नेतृत्व में यह छापेमारी की गई है। नवादा के एसपी अमरेश राहुल ने बताया कि राज्य मुख्यालय के आदेश पर यह छापेमारी की गई। ताकि अपराधियों द्वारा जेल में फोन रखकर अपराध को बढ़ावा देकर कोई अपराधना करा बैठे।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन की तपन

आज दुनिया में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते, भयावह प्रभावों की बात करेंगे। हम नवम्बर में दीपावली पर्व मना रहे हैं, लेकिन हमारे गरम कपड़े अभी गायब हैं। देश के करीब 99 फीसदी हिस्से अधिक तापमान को झेल रहे हैं। राजधानी दिल्ली और आसपास के शहरों का अधिकतम तापमान अब भी 32-34 डिग्री सेल्सियस है। रात के न्यूनतम तापमान में कुछ ठंडक आई है, लेकिन पंखे अब भी चल रहे हैं। औसत तापमान सामान्य से अधिक है, लिहाजा सर्दी का एहसास भी गायब है। मौसम विज्ञानियों का आकलन है कि इस बार 15 दिसंबर तक वैसी सर्दी महसूस नहीं होगी, जिसके लिए दिल्ली और आसपास के क्षेत्र विख्यात हैं। बीती कई सदियों की सर्दी का आकलन किया गया है, तो 2023 को सबसे गरम वर्ष आंका जा रहा है। मौसम के इस बदलते रुख के मानवीय स्वास्थ्य, कृषिगत और अर्थव्यवस्था संबंधी नकारात्मक असर भी सामने आ रहे हैं, क्योंकि अनुकूलन का माहौल नहीं है और गरम कपड़ों का बाजार उदास, मूकदर्शक बना है। मौसम विज्ञानी मान रहे हैं कि संभव है कि आगामी मई-जून में जबरदस्त गर्मी के स्थान पर बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के मौसम देखने और झेलने पड़ें! एक तरफ देश के करीब 91 फीसदी शहरों, कस्बों में प्रदूषण की जहरीली हवाएं चल रही हैं, वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार गंभीर श्रेणी में दर्ज किए जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ प्रकृति बेहद नाराज है और सर्दियों में ठंडक ही गायब है। तमिलनाडु में भारी बारिश का प्रकोप है। राजधानी के कुछ हिस्सों में शुक्रवार की सुबह कुछ बूंदाबांदी हुई है। यही तो जलवायु परिवर्तन के भयानक और नकारात्मक असर हैं-बेमौसमी सब कुछ। दुर्भाग्य और विडंबना है कि हम अब भी पर्यावरण के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। पृथ्वी का तापमान बढ़ता ही जा रहा है। यह कार्बन उत्सर्जन, विषैली गैसों और धुएं का ही असर है कि जिन यूरोपीय देशों में, घर-दफ्तरों में, पंखे ही नहीं होते थे और अधिकतर मौसम सर्द ही रहता था, वहां आजकल तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक है। वहां के लोग तालाबों, झरनों में नहा रहे हैं और घर-दफ्तरों में पंखे भी चलने शुरू हो गए हैं। इटली के वेनिस शहर की झीलों पर सूखने के संकट मंडरा रहे हैं। दुनिया भर से लोग इस खूबसूरत शहर में आते रहे हैं और झीलों में नौका-विहार का आनंद उठाते रहे हैं, लेकिन लगातार गर्मी इतनी बढ़ती जा रही है कि झीलों का पारदर्शी पानी भाप बनने लगा है। ये प्रत्यक्ष तौर पर जलवायु परिवर्तन के ही प्रभाव हैं। भारत में 90 फीसदी से अधिक कामगार और मजदूर खुले में ही काम करने को बाध्य हैं। यदि जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मियां लगातार लंबी होती रहीं, तो इस तरह काम करना असंभव-सा होता जाएगा। जाहिर है कि कामगारों की औसत उत्पादकता और कार्य-शक्ति कम होती जाएगी। अंततः नुकसान देश का ही होगा। सर्वोच्च अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को लेकर सरकारों को फटकार लगाते रहे हैं। चेतावनियां भी जारी करते हैं, लेकिन हमारा राजनीतिक नेतृत्व बिल्कुल संवेदनहीन है। उसे भविष्य के खतरों से डर नहीं लगता। वह अपनी ही सत्ता और सियासत के नशे में चूर है। दुर्भाग्य यह भी है कि ये मुद्दे जन-सरोकार के आधार नहीं बनते। प्रदूषण और बदलते मौसम के भयावह खतरों पर आंदोलन तैयार नहीं किए जा सकते और न ही कोई चुनाव निश्चित किया जा सकता है। हमारे प्रधानमंत्री ने आज तक, कमोबेश इसी वर्ष के मौसम में, इन मुद्दों का कभी भी गंभीर उल्लेख नहीं किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों में जो लक्ष्य तय किए गए हैं, उन पर संबद्ध मंत्रालय कुछ काम कर रहे होंगे, क्योंकि उसी वैश्विक मंच पर जवाबदेही भी तय होनी है, लेकिन पृथ्वी का औसत तापमान कितना कम किया जा रहा है अथवा उस संदर्भ में कितने सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं, उनके कुछ उथले से जवाब तो होंगे। वैसे प्रकृति की करवटों को हम प्रत्यक्ष तौर पर झेल ही रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या वैश्विक स्तर पर है। यह माना जाता है कि इसके लिए ज्यादा दोषी विकसित देश हैं, जो अपनी जिम्मेवारी समझने के लिए तैयार नहीं हैं। कई अवसरों पर विकसित देशों ने वादा किया कि वे ग्लोबल वार्मिंग की समस्या को हल करने के लिए पूरे प्रयास करेंगे, लेकिन क्रियान्वयन के स्तर पर आज तक खास कुछ नहीं हुआ। तृतीय विश्व को विकसित देशों पर हर हाल में दबाव बनाना होगा कि वे अपनी जिम्मेवारी समझें, नहीं तो यह समस्या पूरे विश्व के लिए संकट पैदा कर देगी।

औसत तापमान सामान्य से अधिक है, लिहाजा सर्दी का एहसास भी गायब है। मौसम विज्ञानियों का आकलन है कि इस बार 15 दिसंबर तक वैसी सर्दी महसूस नहीं होगी, जिसके लिए दिल्ली और आसपास के क्षेत्र विख्यात हैं। बीती कई सदियों की सर्दी का आकलन किया गया है, तो 2023 को सबसे गरम वर्ष आंका जा रहा है। मौसम के इस बदलते रुख के मानवीय स्वास्थ्य, कृषिगत और अर्थव्यवस्था संबंधी नकारात्मक असर भी सामने आ रहे हैं, क्योंकि अनुकूलन का माहौल नहीं है और गरम कपड़ों का बाजार उदास, मूकदर्शक बना है। मौसम विज्ञानी मान रहे हैं कि संभव है कि आगामी मई-जून में जबरदस्त गर्मी के स्थान पर बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के मौसम देखने और झेलने पड़ें! एक तरफ देश के करीब 91 फीसदी शहरों, कस्बों में प्रदूषण की जहरीली हवाएं चल रही हैं, वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार गंभीर श्रेणी में दर्ज किए जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ प्रकृति बेहद नाराज है और सर्दियों में ठंडक ही गायब है। तमिलनाडु में भारी बारिश का प्रकोप है। राजधानी के कुछ हिस्सों में शुक्रवार की सुबह कुछ बूंदाबांदी हुई है।

कुछ अलग

खेलों की ओर हमारे कदम

राष्ट्रीय खेलों में हिमाचल के नाम रहे पदक तसदीक करते हैं कि पर्वतीय हवाओं की दृढ़ता में, राष्ट्र गान की ध्वनि के लिए हमारे फेफड़े कितने ताकतवर हैं। पदकों की एक श्रृंखला इस बार बनी है, जहां एथलेटिक्स में सीमा राष्ट्रीय फलक पर दौड़ कर अव्वल रही, तो महिला कबड्डी व हैंडबाल में राष्ट्र की स्टेज पर हिमाचल की बेटियों ने शिखर प्राप्त किए। हालांकि पदकों के हिसाब से प्रदेश 26वें स्थान पर दिखाई दे रहा है, लेकिन महिला खिलाडि़यों ने दम दिखाते हुए हरियाणा की दिग्गज टीमों को पछाड़ा है। हिमाचल को अभी भी मणिपुर व गोवा से सीखना होगा, जिन्होंने क्रमशः छठे व नौवें स्थान पर रहते हुए यह प्रमाणित किया कि छोटे राज्य भी कमाल कर सकते हैं। हिमाचल में खेलों के प्रति सरकार, समाज और अभिभावकों को इस तर्ज पर सोचना होगा ताकि करियर के स्थान पर खेलों को प्राथमिकता मिले। कुछ प्रयास शुरू हुए हैं और हिमाचल के खिलाड़ी डीएसपी स्तर तक सीधे नियुक्ति पा रहे हैं, फिर भी ऐसे जुनून की पैरवी के लिए प्रदेश को दिल खोलना पड़ेगा। बेशक खेल छात्रावासों के माध्यम से कुछ टेलेंट बाहर निकला है, लेकिन ढांचागत उपलब्धियों के लिए प्राथमिकताएं तय करने की जरूरत है। पिछली जयराम सरकार के दौरान भी एक खेल नीति सामने आई, लेकिन कार्यान्वयन की दृष्टि से यह भी पिछड़ गई। अब नए खेल मंत्री के रूप में विक्रमादित्य सिंह ने खेल नीति को फिर से नई धार देने की हामी भरी, लेकिन जमीन पर हलचल दिखाई नहीं दी। यह दीगर है कि एचपीसीए ने कुछ महिला क्रिकेटर को राष्ट्रीय टीम तक पहुंचाया है। हिमाचल में अगर स्नेहलता जैसे कोच के निजी प्रयास से शुरू हुआ हैंडबाल का काफिला आज भारत विजेता बन कर लौट रहा है, तो बाकी खेल संघों को भी सक्रियता के साथ परिणाममूलक प्रयत्न करने होंगे। वर्षों से प्रदेश में खेल प्राधिकरण, खेल महाविद्यालय व विभिन्न खेलों की अकादमियां स्थापित करने की घोषणाएं तो होती रहीं, लेकिन जमीनी प्रयास नगण्य हैं। केवल एक बार धूमल सरकार ने गंभीर प्रयास करते हुए खेल प्रशिक्षक नियुक्त किए थे, लेकिन यह कसौटी भी खत्म हो गई। अब 'खेलो इंडिया' के तहत केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने हमीरपुर में एक एक्सीलेंस सेंटर की बात कही है, जबकि इससे पूर्व धर्मशाला में राष्ट्रीय प्रशिक्षण के एक्सीलेंस सेंटर एवं छात्रावास के लिए आया 26 करोड़ का स्वीकृत बजट तहस-नहस हो गया। इसी तरह हाई अल्टीट्यूट प्रशिक्षण केंद्र को निर्धारित जमीन धूल फांक रही है। बेशक पर्यटन की दृष्टि से वाटर स्पोर्ट्स की एक महत्त्वाकांक्षा परियोजना नादौन के लिए स्वीकृत हुई है, लेकिन हिमाचल को वाटर स्पोर्ट्स का हब बनाने के लिए कृत्रिम झीलों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा। हिमाचल में खेल संघों की सक्रियता तथा खिलाडि़यों की वित्तीय सुरक्षा के लिए अहम फैसले लेते हुए अगर ग्रामीण एवं स्कूली खेलों को बुनियादी तौर पर अहमियत दें तो वातावरण और सशक्त होगा।

लोकतंत्र के महाकुंभ में लोककल्याण की योजनाओं की चर्चा होती है

मुद्दा विहीन नजर आ रहे हैं इस बार के विधानसभा चुनाव

ललित गर्ग

> चुनावों में भी हर बार की तरह इस बार भी जातिवादी जुनून, सांप्रदायिक कट्टरता और मतदाता को लुभाने-भरमाने की कोशिशें लोकतन्त्र की जड़ों को कमजोर कर रही है। चुनाव का समय सिटीजन ग्रुप्स से मिलकर, उनकी समस्याओं को सुनकर, उनके समाधान के लिये तत्पर होने का है, राजनीतिक दल अपनी जनता की मूलभूत समस्याओं के बारे में पूरी जानकारी लें फिर उन समस्याओं के समाधान का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए जनता से वोट मांगें।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, चुनावी सरगर्मियां एवं आक्रामकता बढ़ती जा रही है। उम्मीदवारों के चयन, चुनाव जीतने एवं सरकार बनाने को लेकर पूरी आक्रामकता है, लेकिन जनहित के मुद्दों पर गहरा सन्नाटा पसरा है। इन चुनावों में सबसे बड़ी विडम्बना जो हर बार की तरह इस बार भी देखने को मिल रही है, वह है इन चुनावों का मुद्दाविहीन होना और दलबदल की स्थितियों का बढ़चढ़ कर सामने आना। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम एवं तेलेगाना में अब मतदाताओं के हाथ में राजनीतिक दलों और नेताओं के भाग्य की कुंजी आ गई है। इन चुनावों में भी हर बार की तरह इस बार भी जातिवादी जुनून, सांप्रदायिक कट्टरता और मतदाता को लुभाने-भरमाने की कोशिशें लोकतन्त्र की जड़ों को कमजोर कर रही है। चुनाव का समय सिटीजन ग्रुप्स से मिलकर, उनकी समस्याओं को सुनकर, उनके समाधान के लिये तत्पर होने का है, राजनीतिक दल अपनी जनता की मूलभूत समस्याओं के बारे में पूरी जानकारी लें फिर उन समस्याओं के समाधान का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए जनता से वोट मांगें। देखा जाए तो लोकतंत्र की असली अवधारणा भी यही है। लेकिन मौजूदा समय में धनबल और बाहुबल चुनावों में हावी होता जा रहा है, राजनीति कभी सेवा का जरिया हुआ करती थी किन्तु आज व्यवसाय बनती जा रही है, यह चिंता का विषय है और इससे लोकतंत्र की जड़ें कमजोर हो रही हैं। आजादी के अमृतकाल का यह पहला चुनाव है, चुनाव लोकतान्त्रिक प्रणाली के आधार होते हैं। इसी लोकतंत्र के महाकुंभ में लोककल्याण की योजनाओं की चर्चा होती है। राजनैतिक दलों ने चुनावों के अवसर पर लोक कल्याणकारी नीतियां जनता के सामने रखने का प्रचलन शुरू किया जिसे घोषणापत्र कहा गया। हर चुनाव की अलग परिस्थितियां होती हैं अतः घोषणापत्र भी हर बार नये प्रस्तुत किये जाते हैं। लेकिन विडम्बना यह है कि इन घोषणा-पत्रों एवं विजीत दल की सरकार बन जाने के बाद उसकी नीतियों एवं योजनाओं में काफी अन्तर आ जाता है। अतः मतदाता चुनाव के समय जागरूक होकर मतदान करे ताकि उनके साथ किये जाने वाले वायदे यथासंभव पूरे हों। इन पांच राज्यों के चुनावों में मतदाता को दोहरी भूमिका निभानी होगी- घर के मालिक की भी और घर के पहरेदार की भी। मालिक के नाते उसका कर्तव्य होगा कि वह जनता के हितों के ठेकेदार कहलाने वालों को ठोक

बजाकर देखे-परखे। और घर के पहरेदार के नाते उसका कर्तव्य बनता है कि वह सिर्फ जागे ही नहीं बल्कि सतत सावधान भी रहे। इसी जागरूकता और सावधानी का तकाजा है कि वह सत्ता में बैठने के इच्छुक लोगों की कथनी-करनी को विवेक के तराजू पर तोले। चूंकि उसे ही सबसे अधिक खोना और सबसे अधिक पाना है, इसलिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी उसी की है। इस जिम्मेदारी को मतदाता वैयक्तिक स्तर पर भी निभाएं- अपने आप से यह पूछकर कि उसके वोट देने का आधार क्या होगा। पहला निर्णय तो मतदाता को यह करना होगा कि उसे वोट देना ही है। फिर यह तय करना होगा कि वह 'गलत' के पक्ष में वोट नहीं देगा। जब प्रत्येक मतदाता अपने वोट का प्रयोग बहुत सोच-समझकर करेगा तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और तभी सशक्त भारत का निर्माण हो सकेगा। राष्ट्र को समग्र दृष्टि से सशक्त एवं विकसित करना, बढ़ती आबादी की बढ़ती मूलभूत आवश्यकताओं की आपूर्ति करना किसी भी लोकतन्त्र में चुनी गई सरकारों का मूल दायित्व होता है। ये चुनी हुई सरकारें जनता की मालिक नहीं होतीं बल्कि उसकी नौकर होती हैं क्योंकि जनता इन्हें केवल पांच साल के लिए ही देश की व्यवस्था चलाने एवं देश की विकास योजनाओं को आकार देने की जिम्मेदारी सौंपती है। इस दौरान चुनी हुई सरकारें अपनी लोक कल्याणकारी नीतियों को चला कर जनता के प्रति मिले दायित्व को पूरा करने का प्रयास करती है। लोकतन्त्र की बहुराजनैतिक प्रणाली में कभी भी विकल्पों की कमी नहीं रहती है, यह भी इस व्यवस्था की खूबसूरती एवं मौलिकता होती है। इसके चलते ही हमने केन्द्र से लेकर विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनैतिक दलों की सरकारें देखी हैं। प्रत्येक राजनैतिक दल के अपने कुछ मूलभूत सिद्धान्त होते हैं जिनके तहत वे सत्ता में आने पर लोक कल्याणकारी कदम उठाने का दावा करते हैं। ऐसा ही एक लोककल्याणकारी कदम था भारत में प्रत्येक व्यक्ति को दोनों वक्त भोजन करने का अधिकार देना। भले ही यह कदम डॉ. मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार ने उठाया, लेकिन इसकी प्रभावी क्रियान्विति 2020 में देश में कोरोना संक्रमण काल के समय मोदी सरकार ने की। तब लगभग 80 करोड़ लोगों को प्रतिमाह पांच किलो मुफ्त राशन देने की व्यवस्था की गई। अब इस योजना को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने पांच साल और आगे जारी रखने का फैसला किया है। इसका मतलब यह हुआ कि लोक कल्याणकारी नीतियां बनाना हर सरकार का प्राथमिक दायित्व होता है। मोदी सरकार ने ऐसी अनेक लोक कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है। प्रांतों में राजस्थान में अशोक गहलोत ने तो मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह सरकार ने भी ऐसी अनेक लोककल्याणकारी योजनाएं चुनाव सन्निकट आते देखकर शुरू की है, जिन्हें हम लोककल्याण से अधिक मुफ्त की रेवड़ियां कह सकते हैं। मतदाताओं को जागरूक करने के लिये अणुव्रत विश्व भारती एवं भारतीय मतदाता संगठन ने मतदाता जागरूकता अभियान चला रखा है। जिसका उद्देश्य है कि मतदाता को सोचने को विवश करना कि अपराधी हमारा वोट कैसे पा लेते हैं? राष्ट्र की धन-सम्पदा से खिलवाड़ करने वाले भ्रष्टाचारी हमारे आदर्श कैसे बन जाते है? क्यों हम भ्रष्टाचारियों, अवसरवादियों और अपराधियों को वोट देते हैं और फिर वे हम पर राज करते हैं? हम इन स्थितियों को चुपचाप स्वीकार किए रहते हैं। लेकिन आखिर कब तक? कब तक हम ठगे जाते रहेंगे? कब तक मूक दर्शक बनकर राष्ट्र को लूटता हुआ देखते रहेंगे? व्यक्ति और व्यवस्था के समवेत सुधार से ही समाज में बदलाव आ सकता है। व्यवस्था को संचालित करने वाले हाथ जब तक पवित्र नहीं होंगे, तब तक व्यवस्था को बदलना भी अपर्याप्त होगा। लोकतन्त्र को मजबूत बनाने के लिए योग्य प्रत्याशी का चयन जरूरी है। जिस तरह विभिन्न परीक्षाओं में मापदंड जरूरी होता है, उसी तरह राजनीति में भी योग्यता का मापदंड निश्चित होना चाहिए। वोट उसी को दें, जो ईमानदार हो, नाशमुक्त हो, जातिवादी जुनून और सांप्रदायिक कट्टरता से दूर हो तथा राष्ट्रीय एकता, मानवीय मूल्यों और सामाजिक सौहार्द में जिसका विश्वास हो। व्यक्ति जिस तरह अपनी बेटी का हाथ थमाते समय विचार करता है उसी प्रकार वोट देते समय भी विचार कर ही अपना वोट देना चाहिए।

तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा का महत्त्व

> शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्यों और लक्ष्यों की प्राप्ति तभी कर सकती है जब वह शिक्षा तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा हो। वर्तमान में शिक्षा की घटती गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए जरूरी है कि शिक्षा को पूर्णत: तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में परिवर्तित किया जाए। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा छात्रों को व्यवसाय चुनने में ही सहायक नहीं है, अपितु इसके द्वारा छात्रों का सर्वांगीण विकास भी किया जाता है। आधुनिक युग में बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है कि शिक्षा को छात्रों के अनुरूप बनाया जाए जिससे वह अपने वास्तविक उद्देश्यों की प्राप्ति कर सके। बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए तकनीकी शिक्षा बहुत महत्त्वपूर्ण है। कुशल लोग बेरोजगार नहीं हो सकते। यदि वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू करते हैं, तो वे अन्य शिक्षित लोगों को नौकरी के अवसर प्रदान कर सकते हैं। इस प्रकार तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा बेरोजगारी की समस्या को कम करने में मदद करती है। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा किसी देश के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

किसी देश के विकास में उस देश की शैक्षिक व्यवस्था का बहुत अत्यधिक महत्त्व होता है और अगर उस शिक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को व्यवसाय दिलाना और उनको जीविकोपार्जन योग्य बनाना हो तो उस देश का विकास निश्चित होता है। शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्यों और लक्ष्यों की प्राप्ति तभी कर सकती है जब वह शिक्षा तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा हो। वर्तमान में शिक्षा की घटती गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए जरूरी है कि शिक्षा को पूर्णतः तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में परिवर्तित किया जाए। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा छात्रों को व्यवसाय चुनने में ही सहायक नहीं है, अपितु इसके द्वारा छात्रों का सर्वांगीण विकास भी किया जाता है। आधुनिक युग में बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है कि शिक्षा को छात्रों के अनुरूप बनाया जाए जिससे वह अपने वास्तविक उद्देश्यों की प्राप्ति कर सके। बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए तकनीकी शिक्षा बहुत महत्त्वपूर्ण है। कुशल लोग बेरोजगार नहीं हो सकते। यदि वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू करते हैं, तो वे अन्य शिक्षित लोगों को नौकरी के अवसर प्रदान कर सकते हैं। इस प्रकार तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा बेरोजगारी की समस्या को कम करने में मदद करती है। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा किसी देश के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। निर्माण के हर क्षेत्र में तकनीशियनों की जरूरत होती है। तकनीकी शिक्षा निर्विवाद रूप से राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को बढ़ावा देती है। तकनीकी एवं व्यावसायिक के कई लाभ होते हैं। यदि किसी देश के पास पर्याप्त तकनीकी ज्ञान है, तो निस्संदेह विकास की गति तेज होगी। तकनीकी शिक्षा कुशल जन शक्ति का सृजन कर, औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाकर और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करके देश के मानव संसाधन विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारा देश प्राकृतिक साधनों में धनी देश है। लेकिन अब भी हमारे देश के लोग निर्धन हैं। हमारे पास ऐसे कुशल युवा व्यक्ति नहीं हैं जो इन साधनों का उचित प्रकार से उपयोग कर सकें। सिर्फ तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा ही हमें विशेषज्ञ इंजीनियर और तकनीशियन देती है। हमारे देश में बड़ी मात्रा में इनकी आवश्यकता है। आज हमारा भारत विकास की ओर बढ़ रहा है। कई सुख सुविधाएं हमारे देश को मिल चुकी हैं। अब हमारे देश की तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता है क्योंकि जिस देश में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, वह देश विकास की ओर बढ़ता है। इस शिक्षा के माध्यम से देश के युवाओं को प्रशिक्षण देकर उनको हुनर सिखा कर आगे बढ़ाया जाता है। जब देश के युवा आगे बढ़ेंगे तब हमारे देश का विकास होगा। हमें सभी व्यवसायों में योग्य और प्रशिक्षित कार्य करने वालों की आवश्यकता है। यह तब ही संभव हो सकता है जब हम उन्हें व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण दें। सरकार भी इस विषय को गंभीरता से ले रही है क्योंकि सरकार भी जानती है कि हमारे देश में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा का स्तर बढ़ाने की आवश्यकता है। हमारे देश में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के प्रति लोगों का दृष्टिकोण उचित नहीं है। यहां मानसिक श्रम की अपेक्षा शारीरिक श्रम को हेय दृष्टि से देखा जाता है। शारीरिक श्रम के प्रति जनता का दृष्टिकोण बदलना आवश्यक है। इसके लिए सरकार एवं सामाजिक संस्थाओं का कत्र्तव्य है कि वे जनता को शारीरिक श्रम के महत्त्व से अवगत कराएं। तकनीकी शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। इससे छात्रों को विषय समझने में कठिनाई होती है। हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषा को तकनीकी शिक्षा का माध्यम बनाया जाना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषा में समस्त तकनीकी पुस्तकों का अनुवाद कराया जाए एवं पढ़ाया जाए। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों के लिए सुयोग्य प्रशिक्षित शिक्षक नहीं मिल पा रहे हैं जिससे इस शिक्षा के विस्तार कार्य को काफी धक्का पहुंच रहा है। इसलिए नयी-नयी तकनीक के अनुसार शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में प्रयोगों का विशेष महत्त्व है, किन्तु विद्यालयों में सैद्धांतिक शिक्षा पर ही विशेष बल दिया जाता है। तकनीकी विषयों को श्यामपट्ट पर ही समझा दिया जाता है। प्रायोगिक शिक्षा के अभाव में विद्यार्थी विषय को अच्छी तरह नहीं समझ पाते और शिक्षा समाप्ति के पश्चात उन्हें व्यावहारिक क्षेत्र में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य की सुविधाओं का अभाव है, जिसके लिए शिक्षण संस्थानों में प्रायोगिक शिक्षा पर विशेष बल देना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वर्तमान में देश में बहुत कम अच्छे तकनीकी संस्थान हैं जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुसार तकनीकी रूप से प्रशिक्षित व्यक्ति की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। हमारे अधिकांश युवा पुरुषों में सभी प्रकार के शारीरिक श्रम के प्रति कुछ पूर्वधारणाएं होती हैं और वे ज्यादातर अपने हाथों से काम करने के बजाय किसी कार्यालय में नौकरी करना पसंद करते हैं। आज हर कोई सफेदपोश नौकरी चाहता है। परिणामस्वरूप शारीरिक श्रम का ह्रास हो रहा है। दूसरी ओर बेरोजगारी भी एक बड़ी चिंता का विषय है और इससे देश के युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आजकल तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा तभी सफल होने की संभावना है जब देश का एक बड़ा हिस्सा पर्याप्त रूप से साक्षर हो जाएगा। तकनीकी शिक्षा केवल इंजीनियरिंग कोर्स करने या डिजाइनिंग कोर्स के लिए कुछ ऊंची फीस तक ही सीमित नहीं है। उचित नीति यह होगी कि प्रारंभिक चरण में उदार शिक्षा पर जोर दिया जाए और फिर छात्र की योग्यता और झुकाव पर वैज्ञानिक अनुसंधान की पसंद के आधार पर तकनीकी शिक्षा का मुख्य पाठ्यक्रम शुरू किया जाए। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा का किसी देश की आर्थिक स्थिरता से भी बहुत गहरा संबंध है।

देश दुनीया से

प्रदूषण और वोटों की राजनीति

जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने करीब 60 लाख यहूदियों की गैस चैम्बर में जहरीली गैस छोड़ कर हत्या की थी। कमोबेश यही हालत देश के नेता राजधानी दिल्ली के करोड़ों लोगों की कर रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि हिटलर ने नस्लवादी मानसिकता से सुनियोजित तरीके से इस भीषण नरसंहार को अंजाम दिया था और भारत में नेताओं की वोटों की राजनीति के कारण इसे अंजाम दिया जा रहा है। प्रदूषित जहरीली हवा से तिल-तिल करके मरने के लिए करोड़ों लोगों को छोड़ दिया गया है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र के करोड़ों लोग जहरीली हवा लेने को मजबूर हैं। वायु प्रदूषण से मुंबई की हालत भी खराब है। दिल्ली की तरह मुंबई भी गैस चैंबर बनी हुई है। मुंबई की हवा में सांस लेना एक दिन में 100 सिगरेट पीने के बराबर आंकी गई है। दिल्ली की हालत इससे भी कई गुना ज्यादा खराब है। दिल्ली में इतनी बड़ी आबादी लापरवाही और राजनीतिक स्वार्थों के चलते भीषण प्रदूषित हवा से तिल-तिल करने को मजबूर है। हर दिन हजारों की संख्या में श्वास के रोगियों की तादाद बढ़ रही है। बच्चों और बुजुर्गों का जीना मुहाल हो चुका है। दिल्ली का वायुमंडल विश्व में सबसे प्रदूषित करार दिया जा चुका है। वोटों की राजनीति राजधानी के लोगों के जीवन पर भारी पड़ रही है। यदि सुप्रीम कोर्ट इसमें दखल नहीं देता तो दिल्ली और आसपास के हालात शायद हिटलर के कत्लगाह बने जहरीले गैस चैम्बर जैसे बन जाते। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र में जानलेवा बने वायु प्रदूषण के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली की दमघोंटू जहरीली हवा लोगों के स्वास्थ्य की हत्या के लिए जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण एक राजनीतिक लड़ाई नहीं बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, हर सर्दियों में दिल्ली के वायु प्रदूषण में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी के पीछे पड़ोसी राज्यों पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना एक प्रमुख कारक है। इसमें पंजाब सरकार से पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने को कहा गया। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार के वकील से कहा कि हम नहीं जानते कि आप इसे कैसे करते हैं, यह आपका काम है। लेकिन इसे रोका जाना चाहिए। तुरंत कुछ किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील अपराजिता सिंह ने कहा कि पंजाब में खेतों में लगने वाली आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता में गिरावट के लिए पराली जलाने का प्रमुख योगदान है। उन्होंने कहा कि सीएक्यूएम (वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) और राज्य कह रहे हैं कि वे वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं। लेकिन पराली जलाना अभी भी जारी है। प्रदूषण की समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और उत्तर प्रदेश को निर्देश देते हुए कहा कि ये राज्य पराली जलाना तुरंत बंद कर दें। मामले पर कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निशाने पर लिया। जस्टिस संजय किशन कौल और सुधांशु धुलिया की बेंच ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण कम करने वाले स्मॉग टावर लगाए गए और उनका खूब प्रचार किया गया, लेकिन वे बंद पड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरफ से पराली को नष्ट कर खाद बनाने वाले केमिकल के प्रचार पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पराली को खाद बनाने वाले एक केमिकल का दावा किया था। क्या यह कभी सफल हुआ? लगता है यह सब सिर्फ दिखावा ही था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में केवल एक-दूसरे पर दोषारोपण का खेल जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हमने अपना बुलडोजर शुरू किया तो हम नहीं रुकेंगे। अदालत ने यह भी पूछा कि पंजाब में धान क्यों उगाया जा रहा है, जबकि जलस्तर पहले से ही इतना नीचे है। आप क्या कर रहे हैं? अपने जलस्तर को देखें। आप पंजाब में धान की अनुमति क्यों दे रहे हैं? आप पंजाब को हरित भूमि से बिना फसल वाली भूमि में बदलना चाहते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि पंजाब में धान की खेती का विकल्प खोजा जाए। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में कोई कमी नहीं आ रही है। पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं से राज्य की आबोहवा खराब हो रही है।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र के करोड़ों लोग जहरीली हवा लेने को मजबूर हैं। वायु प्रदूषण से मुंबई की हालत भी खराब है। दिल्ली की तरह मुंबई भी गैस चैंबर बनी हुई है। मुंबई की हवा में सांस लेना एक दिन में 100 सिगरेट पीने के बराबर आंकी गई है। दिल्ली की हालत इससे भी कई गुना ज्यादा खराब है। दिल्ली में इतनी बड़ी आबादी लापरवाही और राजनीतिक स्वार्थों के चलते भीषण प्रदूषित हवा से तिल-तिल करने को मजबूर है। हर दिन हजारों की संख्या में श्वास के रोगियों की तादाद बढ़ रही है। बच्चों और बुजुर्गों का जीना मुहाल हो चुका है। दिल्ली का वायुमंडल विश्व में सबसे प्रदूषित करार दिया जा चुका है। वोटों की राजनीति राजधानी के लोगों के जीवन पर भारी पड़ रही है।

दृष्टिकोण

मिठास की दीपावली यात्रा

दीपावली के दिनों में मेरी पत्नी के दिमाग में पैकेट्स का लेना देना शुरू हो जाता है। उसे पता है कौन किस तरह का पैक देकर जाएगा। स्थानीय मिठाई देने वालों बारे हम पहले सोच कर रखते हैं। योजना बनाकर चलते हैं, फिर भी होता वही है जो होना है। पिछले बरस हमने जो पैकेट कपूरजी के यहां भिजवाया था, अगली सुबह वर्माजी वही डिब्बा लेकर हमारे यहां पधारे। हम पत्नी-पति जब कपूरजी के यहां गए तो श्रीमती कपूर बाज़ार गई हुई थी, नहीं उन्हें शक हो जाता कि मिठाई बढिया नहीं, तभी चमकते कागज़ में पैक है। श्रीमती कपूर जानती थी अब पैकिंग सामान के आकार से बड़ी और आकर्षक होती है और भडक़ीले पैक से वह चीज़ निकलती है जिसकी आशा नहीं होती। लेकिन कपूरजी को दिए गए अंतर्राष्ट्रीय लुक वाले पैकेट में बढिया क्वालिटी की मिठाई थी। हमें लगा श्रीमती कपूर व श्रीमती वर्मा चर्चा करती होंगी कि उनका डिब्बा इनके, इनका जिनके और किसका किसके यहां पहुंच जाता है। किसे फुर्सत रहती है कि देखें किसने कौनसी व कैसी मिठाई या क्या दिया है। स्थानीय हलवाई से खरीदी है या रेडीमेड। हमें अच्छा नहीं लगा, लेकिन हमारा डिब्बा हमें ही वापस मिल गया। पत्नी ने मुंह बिचकाया, हमारा नहीं है, हमारे वाला वापस क्यों आएगा। मैंने कहा सर, डिब्बाजी खुद नहीं आए, वर्माजी ने भिजवाए हैं। यह पैकेट कपूरजी ने शर्माजी को दिया होगा, कुछ देर बाद शर्माजी ने गुप्ताजी के यहां पहुंचा दिया होगा। श्रीमती गुप्ता ने अपने परिचितों का हिसाब करते हुए गुप्ताजी को कहा होगा मेहताजी के यहां दे आओ, शर्माजी के यहां से आया है, अन्दर माल ठीक होगा। खोल लिया तो खाई जाएगी, फिर बाज़ार से एक और लाना पड़ेगा। मेहताजी ने क्यों नहीं रखा, वर्माजी के यहां क्यों भिजवाया, क्या श्रीमती मेहता ने सोचा होगा कि गुप्ता ने जानबूझ कर चलताउ मिठाई दी है। क्योंकि वर्माजी उनके पड़ोसी हैं, दीवार के चक्कर में उनका रोज़ का झगड़ा है, मगर दिवाली की शुभकामनाओं के दिखावे के लिए उन्होंने यह डिब्बा वर्माजी के यहां भिजवाया होगा, पप्पू के हाथ। क्योंकि वर्मा ने मेहता को मिठाई नहीं भिजवाई, इसलिए डिब्बा आगे सरका दिया। उन्होंने थैंक्स भी नहीं कहा होगा। मतलब यह कि पैकेट किसी ने भी खोल कर नहीं देखा क्योंकि सभी को औपचारिकता निभानी थी। यदि हम डिब्बे को बिना रैप किए देते तो संभवतः कपूरजी के यहां ही खुल जाता। हमारा पैकेट हमें ही मिल गया, देखूं खोलकर, बेटा बोला। मैंने उसे मना किया, लेकिन उसने तुरंत ऊपर लगा कागज़ उतार दिया। अन्दर वह डिब्बा नहीं था जो हमने पैक किया था, मगर आकार वही था। मिठाई के साथ कार्ड पर लिखा था, 'उन्हें धन्यवाद जिनकी बदौलत इतनी स्वादिष्ट मिठाई खाने को मिली, वर्मा परिवार।' वर्माजी को विश्वास था, यह मिठाई उनके अच्छे पड़ोसी मेहताजी ने उनके लिए खरीदी नहीं होगी और कहां से आया, देखने के चक्कर में डिब्बा खोल दिया होगा। वर्माजी का धन्यवाद सभी के लिए था जिनके यहां से होते हुए हमारा डिब्बा उन तक पहुंचा। हम संतुष्ट हुए, हमारा वापस नहीं आया।

कनाडा के एडमोंटन में एक सिख व्यक्ति और उसके बेटे की गोली मारकर हत्या, पुलिस ने कही ये बात

ओटावा।

कनाडा के एडमोंटन शहर में भारतीय मूल के एक सिख व्यक्ति और उसके 11 वर्षीय बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एडमोंटन पुलिस सेवा के कार्यवाहक अधीक्षक कोलिन डर्कसेन ने मीडिया को बताया कि हरप्रीत सिंह उप्पल (41) और उनके बेटे की एक गैस स्टेशन के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। लड़के का युवा दोस्त, जो उस समय उप्पल की कार में था, बिना किसी शारीरिक चोट के बच गया। डेर्कसेन ने कहा कि पुलिस को नहीं पता कि हमलावर को पता था कि जब उन्होंने उप्पल का पीछा करना शुरू किया तो कार में बच्चे थे या नहीं। पुलिस के अनुसार यह मामला गैंगवार से जुड़ा है। एडमोंटन जर्नल ने डर्कसेन के हवाले से कहा, लेकिन दुख की बात है कि जब शूटर या शूटरों को पता चला कि उनका बेटा वहां है, तो उन्होंने जानबूझकर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को मारना कभी रेत में एक रेखा की तरह हुआ करता था, जिसे गैगवार के सदस्य पहले पार नहीं करते थे लेकिन अब यह बदल रहा है। डर्कसेन ने कहा यह बीमार और विकृत मानसिकता है। पुलिस ने शव परीक्षण लंबित रहने के कारण बच्चे के नाम का खुलासा नहीं किया है। डर्कसेन ने कहा कि 2012 में चोरी हुई एक संदेहास्पद बीएमडब्ल्यू एक्स6 कार ब्यूमोंट के उत्तर में आग लगी हुई स्थिति में मिली वाहन के अंदर किसी का पता नहीं चला और आग लगने के कारण या किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने कोई गिरफ्तारी नहीं की थी और किसी भी संदिग्ध की पहचान नहीं की थी। रिपोर्ट के अनुसार डर्कसेन ने कहा कि उप्पल एडमोंटन के संगठित अपराध जगत में एक जाना माना नाम था, लेकिन पुलिस ने यह बताने से इनकार कर दिया कि क्या वह किसी विशिष्ट समूह से जुड़ा था। पुलिस के अनुसार उप्पल पर कोकीन रखने और मानव तस्करी जैसे आरोप थे। रिपोर्ट के अनुसार, उप्पल के खिलाफ एक ट्रायल अप्रैल 2024 में शुरू होने वाला था। उन पर मार्च 2021 में हथियार से हमला करने और आग्नेयास्त्र अनधिकृत रूप से रखने का भी आरोप लगाया गया था। क्राउन ने फरवरी में उस कार्यवाही पर रोक लगा दी। हालांकिन डर्कसेन ने यह बताने से इनकार कर दिया कि क्या पुलिस का मानना है कि गोलीबारी हिंसा के प्रतिरोध में किए जाने की उम्मीद है। सूत्रों ने पोस्टमीडिया को बताया है कि उप्पल ब्रदर्स कीपर्स का एक प्रमुख सहयोगी था।

न्यूज ब्रीफ

आप अपनी आंख से देखेंगे तो समझ जाएंगे इजराइल किस बुराई से बचाव कर रहा, राजदूत ने यूएनएससी की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के स्थायी प्रतिनिधि गिलाद एर्दान ने सात अक्टूबर को हुए हमास

आतंकी हमलों और निहत्थे नागरिकों के हत्या की निंदा करने में विफल रहने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आलोचना की। सात अक्टूबर के आतंकवादी हमलों और गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ चल रहे जमीनी हमले के बीच पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक बैठक को संबोधित करते हुए इजराइली राजदूत ने 1938 के क्रिस्टलनाच होलोकॉस्ट का जिक्र किया, जिसमें जर्मनी और ऑस्ट्रिया के यहूदी समुदायों पर यहूदी विरोधी हिंसा की गई थी। यूएनएससी की बैठक में एर्दान ने कहा, पवित्र यहूदी सब्त का दिन शांति और आराम का दिन है। यह वह दिन है जिस दिन परमेश्वर ने दुनिया की रचना के बाद विश्राम किया था, फिर भी कोई भी यहूदी 7 अक्टूबर के सब्त के दिन को कभी नहीं भूलेगा। यह हमेशा के लिए यहूदी लोगों के सामूहिक आघात के दिन के रूप में बदल गया है। ठीक 85 साल पहले, आज ही के दिन यहूदी लोगों ने एक और दर्दनाक अत्याचार झेला था। 9 से 10 नवंबर 1938 के बीच, जर्मनी और ऑस्ट्रिया के यहूदी समुदायों को क्रिस्टालनाच, नाजियों के नवंबर नरसंहार का सामना करना पड़ा था, जो नाजियों के हत्यारे यहूदी घृणा का पहला अति हिंसक प्रदर्शन था। उन्होंने कहा, लगभग 100 यहूदियों की हत्या कर दी गई, हजारों यहूदी घरों, अस्पतालों, स्कूलों, पूजा घरों और व्यवसायों को तोड़ दिया गया और खेतों में आग लगा दी गई थी। इजराइल ने पांच सप्ताह पहले इस तरह के एक और नरसंहार का सामना किया है। 34 दिन बीते गए हैं लेकिन इस परिषद ने अब भी हमास की ओर से की गई इजराइल के नागरिकों के जघन्य योजनाबद्ध नरसंहार की निंदा नहीं की है। अगर यह परिषद अपने मौजूदा स्वरूप में 1938 में अस्तित्व में होती तो मुझे संदेह है कि प्रतिक्रिया बहुत अलग होती। इजराइली राजदूत ने यूएनएससी से आग्रह किया कि वह उन्हें 7 अक्टूबर को हमास द्वारा नागरिकों की हत्या के फुटेज की स्क्रीनिंग साझा करने के लिए आमंत्रित करे। उन्होंने कहा कि फुटेज को आतंकवादियों ने खुद कैद किए थे, एक बार जब आप अपनी आंखों से इस बर्बरता को देखेंगे तो उस बुराई को समझ जाएंगे जिसके खिलाफ इजराइल अपना बचाव कर रहा है।

गाजा से बंधकों को छुड़ाने के लिए इजराइल ने हमास से शुरू की बातचीत

जेरूसलम। इजराइल और हमास के बीच संघर्ष शुरू हुए एक महीने से ज्यादा समय हो चुका है। सात

अक्तूबर को हमास की तरफ से किए गए हमलों में इजराइल के 1200 नागरिकों की मौत हुई थी। उधर संगठन ने कई इस्राइलियों को बंधक भी बना लिया था। इसके पलटवार में गाजा पट्टी में अबतक 10 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, इजराइल अब तक अपने लोगों को हमास की कैद से छुड़ाने में सफल नहीं हुआ है। इन हालात के चलते अब उसे हमास के साथ बातचीत की मेज पर आना पड़ा है। रिपोर्ट्स की मानें तो इजराइल की तरफ से हमास को कुछ प्रस्ताव दिए गए हैं, जिनके जरिए बंधकों की रिहाई कराने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि गाजा में इजराइल के करीब 240 लोग हमास के पास बंधक हैं। इनमें से आधे लोग आम नागरिक हैं। बताया गया है कि इजराइल की तरफ से हमास को बंधकों की रिहाई के लिए जो प्रस्ताव दिए गए हैं, उनमें पहला प्रस्ताव इन आम लोगों की रिहाई से ही जुड़ा है। इसके तहत हमास को पहले 10 से 20 आम नागरिकों को छोड़ना होगा। इनमें इजराइली महिलाओं-बच्चों के अलावा कुछ विदेशी भी शामिल होंगे।

सभी फलस्तीनियों को मर जाना चाहिए, फ्लोरिडा की असेंबली में रिपब्लिकन नेता के बयान पर हुआ हंगामा

वॉशिंगटन । अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य की असेंबली में उस वक्त हंगामा हो गया, जब रिपब्लिकन पार्टी की एक नेता ने कहा कि सभी फलस्तीनियों को मर जाना चाहिए। इसे लेकर हंगामा हो गया और कई लोगों ने रिपब्लिकन नेता के इस बयान की तीखी आलोचना की है। दरअसल फ्लोरिडा असेंबली में हाल ही में डेमोक्रेटिक नेता एंजी निक्सॉन ने एक प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव में इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम की मांग की गई थी। प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान निक्सॉन ने कहा कि 10 हजार फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है और कितने लोगों की जान जाना काफी होगा इस पर रिपब्लिकन पार्टी की नेता मिशेल साल्जमान ने चिल्लाकर कहा, सभी की। इस पर निक्सॉन ने हैरानी जताई। निक्सॉन द्वारा लाया गया यह प्रस्ताव 104 के मुकाबले दो वोट के अंतर से गिर गया। हालांकि साल्जमान के बयान ने मुद्दे को गरमा दिया। अमेरिका में मुस्लिम अधिकारों की वकालत करने वाले सबसे बड़े संगठन द काउंसिल ऑन अमेरिकन इस्लामिक रिलेशन ने साल्जमान के बयान की तीखी आलोचना की। संगठन ने कहा कि रिपब्लिकन नेता का बयान फलस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार का आह्वान करने जैसा है।

चीन ने तिब्बत को बताया दक्षिण एशिया का प्रवेश द्वार, कहा- दलाई लामा के उत्तराधिकारी को मंजूरी की जरूरत

बीजिंग।

चीन ने एक श्वेत पत्र जारी किया है जिसमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तिब्बत क्षेत्र को भारतीय सीमा के पास बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि 88 वर्षीय दलाई लामा का कोई भी उत्तराधिकारी देश के भीतर से होना चाहिए और उनके उत्तराधिकारी को उसकी मंजूरी की जरूरत है। श्वेत पत्र में कहा गया, दलाई लामा और पंचेन रिनपोचेस सहित सभी पुनर्जन्मित तिब्बती जीवित बुद्धों की देश के भीतर तलाश की जानी चाहिए। स्वर्ण कलश से लॉटरी निकालने की प्रथा के जरिए फैसला लिया जाना चाहिए और केंद्र सरकार से मंजूरी प्राप्त की जानी चाहिए।

तिब्बत को झिजांग कहने वाला चीन इस बात को लेकर चिंतित है कि भारत के धर्मशाला में निर्वासन का जीवन बिता रहे 80 वर्षीय दलाई लामा अपना उत्तराधिकारी नियुक्त करेंगे, जिसका हिमालयी क्षेत्र में गहरा आध्यात्मिक प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि उनकी विरासत तिब्बती लोगों के मन में बसी हुई है।

हालांकि, बीजिंग का कहना है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी को उसकी मंजूरी की जरूरत है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि वह चिंतित है क्योंकि दलाई लामा द्वारा नामित युवक को हटाने के बाद नियुक्त किए गए नंबर दो आध्यात्मिक नेता वर्तमान पंचेन लामा को तिब्बत में ज्यादा तवज्जो नहीं मिल रही है।

नए युग में झिजांग (तिब्बत) के शासन पर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की नीतियां: दृष्टिकोण और उपलब्धियां शीर्षक वाले श्वेत पत्र में तिब्बत में अलगाववाद का मुकाबला करने के लिए की गई कार्रवाई को भी रेखांकित किया गया है।

इसमें कहा गया है, घुसपैठ, तोड़फोड़ और अलगाव के खिलाफ लड़ाई जारी है और झिजांग अलगाववाद से निपटने के लिए सक्रिय रुख अपना रहा है। श्वेत पत्र में आगे कहा गया, दलाई समूह की प्रतिक्रियावादी प्रकृति को उजागर किया गया है और निंदा की गई है, और क्षेत्रीय सरकार सभी रूपों का विरोध करने के लिए सभी जातियों के लोगों पर बारीकी से निर्भर करती है।

श्वेत पत्र में आगे कहा गया, अब इस क्षेत्र के लोगों के दिमाग में यह बात गहराई से बैठ गई है कि एकता और स्थिरता एक आशीर्वाद है, जबकि विभाजन और अशांति आपदा का कारण बनती है। वे देश की एकता, राष्ट्रीय संप्रभुता और जातीय एकजुटता की रक्षा के लिए और अधिक दृढ़ है। चीन ने तिब्बत के मुद्दों के लिए अमेरिका द्वारा विशेष समन्वयक नियुक्त किए जाने का भी कड़ा विरोध किया है और वॉशिंगटन के इस दावे की आलोचना की है कि बीजिंग को दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में दखल नहीं देना चाहिए।

मौजूदा दलाई लामा के बारे में चीन ने इस बात को दोहराया कि वह किसी भी तरह से एक धार्मिक व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि एक राजनीतिक निर्वासित व्यक्ति हैं, जो लंबे समय से चीन विरोधी अलगाववादी गतिविधियों में शामिल हैं और तिब्बत को चीन से विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें तिब्बत में तिब्बती बौद्ध धर्म पर किसी भी तरह की कार्रवाई से इनकार करते हुए कहा गया है कि चीन धार्मिक आस्था की स्वतंत्रता की पूरी गारंटी देता है और मंदारिन के साथ तिब्बती भाषा को बढ़ावा देता है।

पत्र में कहा गया है कि धार्मिक गतिविधियों को व्यवस्थित तरीके से किया जाता है। इस क्षेत्र में आज तिब्बती बौद्ध धर्म गतिविधियों के लिए 1,700 से अधिक स्थल, लगभग 46,000 बौद्ध भिक्षु और भिक्षुणियां, चार मस्जिदें, लगभग 12,000 मूल मुस्लिम और 700 से अधिक विश्वासियों के साथ एक कैथोलिक चर्च है। इसमें तिब्बत और अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसे यह दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता है। चीन ने तिब्बत में भारतीय सीमा क्षेत्रों तक हाई-स्पीड ट्रेनों का निर्माण किया है जो इसे सैनिकों को तेजी से स्थानांतरित करने में सक्षम बनाता है।

अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि सीमावर्ती क्षेत्रों को विकसित करने और वहां के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रयास किए गए हैं। गांवों और कस्बों के विकास के लिए योजनाएं और विशिष्ट कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि तिब्बत नेपाल के जरिए रेल और सड़क संपर्क के साथ दक्षिण एशिया का प्रवेश द्वार बनने के लिए कमर कस रहा है।

गाजा को लेकर इजराइल के खिलाफ एकजुट हो रहे मुस्लिम देश ईरानी राष्ट्रपति जाएंगे सऊदी अरब

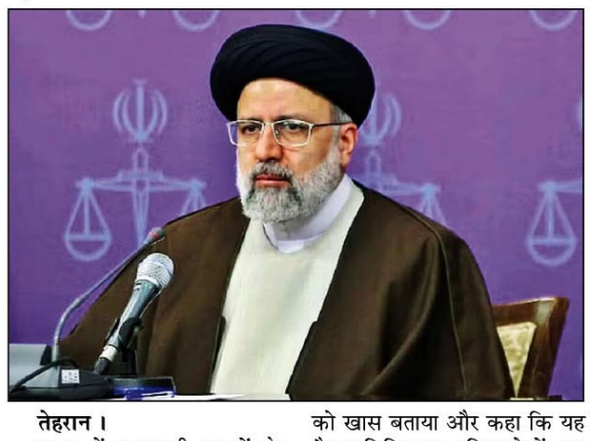

तेहरान ।

गाजा में इजराइली हमलों के खिलाफ मुस्लिम देश एकजुट हो रहे हैं। बता दें कि सऊदी अरब के रियाद में गाजा के मुद्दे पर ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कॉपरेशन (ओआईसी) की बैठक होने जा रही है और इस बैठक में शामिल होने के लिए ईरान के राष्ट्रपति भी सऊदी अरब जाएंगे। कुछ समय पहले तक ईरान और सऊदी अरब के रिश्ते तल्ख थे लेकिन चीन की मध्यस्थता के बाद सऊदी अरब और ईरान के रिश्तों में गर्मजोशी बढ़ी है।

ओआईसी की बैठक अहम

ईरान के मीडिया के अनुसार, राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी रियाद के लिए उड़ान भरेंगे। ओआईसी की बैठक में गाजा संकट पर चर्चा की जाएगी। ओआईसी की इस बैठक को लेकर ईरान कितना गंभीर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ईरान ने अपने विशेषज्ञों की एक टीम रियाद भेज दी है, जो सम्मेलन के दौरान जारी होने वाले प्रस्ताव का विश्लेषण करेगी। सऊदी अरब में ईरान के राजदूत अलीरेजा इनायती ने ओआईसी की इस बैठक को खास बताया और कहा कि यह बैठक विभिन्न इस्लामिक देशों द्वारा सुझाए गए प्रस्तावों पर आधारित होगी।

इस्लामिक देशों की मांग- गाजा में तुरंत रुके लड़ाई

इस्लामिक देशों की मांग है कि गाजा पट्टी में जारी संघर्ष तुरंत थमे और इजराइल युद्धविराम करे। हालांकि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू साफ कर चुके हैं कि जब तक हमास बंधकों को नहीं छोड़ता है तब तक युद्धविराम नहीं होगा। गाजा में जारी संघर्ष में अब तक साढ़े 12 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। अब गाजा पट्टी में जारी संघर्ष के मुद्दे पर इस्लामिक देश साथ आ रहे हैं। हाल ही में ईरान के राष्ट्रपति ने तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान से भी मुलाकात की थी। साथ ही ईरान के विदेश मंत्री ने ब्रिक्स देशों को भी पत्र लिखकर गाजा मामले में दखल देने और तुरंत युद्धविराम कराने की अपील की। साथ ही ईरान ने इजराइल की जवाबदेयी तय करने की भी मांग की।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने की युद्धविराम की अपील, इजराइली पीएम बोले- हमास की आलोचना करिए, हमारी नहीं

तेल अवीव ।

गाजा पट्टी में इजराइली हमले में अब तक 11 हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और अब दुनियाभर से गाजा में युद्धविराम में मांग उठने लगी है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां ने भी गाजा में सीजफायर की अपील की है। हालांकि इजराइल की सरकार रुकने के मूड में नहीं है। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू साफ कर चुके हैं कि जब तक बंधकों को रिहा नहीं किया जाएगा तब तक युद्धविराम नहीं होगा।

बेंजामिन नेतन्याहू का दो टूक जवाब

अब फ्रांसीसी राष्ट्रपति के युद्धविराम की अपील पर नेतन्याहू ने कहा है कि वैश्विक नेताओं को हमास की आलोचना करनी चाहिए, इजराइल की नहीं। हमास ने आज जो इजराइल के साथ किया कल वो पेरिस, न्यूयॉर्क या दुनिया में कहीं भी हो सकता है। बता दें कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने गाजा पट्टी में युद्धविराम की अपील की। हालांकि उन्होंने इजराइल के खुद की रक्षा करने के अधिकार का भी बचाव किया। वहीं गाजा में अल शिफा अस्पताल पर हुए हमले के बाद इजराइली सेना ने साफ किया है कि यह हमला हमास की गलती से हुआ। इजराइली सेना ने कहा कि इजराइली सैनिकों को निशाना बनाते हुए हमास ने रॉकेट हमला किया लेकिन रॉकेट लॉन्च असफल रहा और रॉकेट अस्पताल पर गिर गया, जिसमें 22 लोगों की मौत हो गई।

गाजा के लोगों को मानव ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा हमास

इजराइली पीएम ने कहा कि उनका देश गाजा के नागरिकों को बचाने के लिए सबकुछ कर रहा है लेकिन हमास लोगों को सुरक्षित जगह नहीं जाने दे रहा है। नेतन्याहू ने कहा कि हमास लोगों को मानव ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा है। अमेरिका ने भी गाजा में मारे जा रहे लोगों को लेकर दुख जाहिर किया लेकिन उसने इजराइल को समर्थन जारी रखने की बात कही है। बता दें कि गाजा पट्टी में जमीनी लड़ाई चल रही है।

भारतीय मूल की मंत्री बोलीं, भारत-ब्रिटेन संबंध जीवंत व मूल्यवान, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ भी एकजुट

लंदन।

जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। इसी बीच ब्रिटेन की सरकार में शामिल 38 साल की भारतीय मूल की मंत्री ने कहा कि पर्यावरण को बचाने और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ तय एक्शन प्लान के मुद्दे पर भारत और ब्रिटेन एक साथ काम करने पर सहमत हैं। उन्होंने कहा कि भारत के साथ हमारा रिश्ता, वह जीवंत पुल बहुत मूल्यवान है क्योंकि हम बहुत सारे लक्ष्य साझा करते हैं। कॉटिन्हो ने कहा कि ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन भी अलग नहीं हैं।

जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों की बात

ब्रिटेन में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हाल ही में कैबिनेट फेरबदल कर 38 वर्षीय कॉटिन्हो को ऊर्जा और नेट ज़ीरो राज्य सचिव बनाया। सुनक की कैबिनेट में नवीनतम भारतीय मूल की कैबिनेट मंत्री कॉटिन्हो ने अपने पहले प्रमुख प्रवासी भाषण में दोनों देशों के बीच साझा ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों की बात की। उन्होंने कहा, बेहद महत्वपूर्ण भारत-ब्रिटेन साझेदारी और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कार्रवाई क्षेत्र में भविष्य में भी सहयोग की संभावना पर भी जोर दिया।

सुनक की कैबिनेट में क्यों चर्चित हैं कॉटिन्हो

गोवा मूल की कंजर्वेटिव सांसद कॉटिन्हो ने दोनों देशों के रिश्तों पर इंडिया ग्लोबल की तरफ से आयोजित प्रवासी दिवाली रिसेप्शन में कई अहम बयान दिए। उन्होंने कहा, ब्रिटिश राजनीति में अग्रणी ब्रिटिश भारतीय सदस्य के रूप में कुछ हद तक एक प्रवृत्ति स्थापित करने पर कटाक्ष किया। बता दें कि गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन के बाद गोवा मूल की दूसरी कैबिनेट मंत्री हैं। कॉटिन्हो ने कहा, मैं पहली ब्रिटिश भारतीय कैबिनेट मंत्री नहीं हूं। मैं गोवा से

जुड़ा कैबिनेट का पहला सदस्य भी नहीं हूं। हम इस देश में एक चलन शुरू कर रहे हैं।

मुक्त व्यापार समझौता

प्रवासी सम्मेलन में लेबर पार्टी की ओर से, जोनाथन रेनॉल्ड्स ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की दिशा में चल रही बातचीत के प्रति विपक्ष की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। रेनॉल्ड्स व्यापार और व्यापार के छाया सचिव हैं। उन्होंने कहा, कैबिनेट के सदस्य के रूप में, मैं उन व्यापार वार्ताओं पर बहुत कड़ी नजर रख रहा हूं। मुझे पता है कि व्यापार सौदों को पूरा करना आसान नहीं है, लेकिन अगर उन्हें सही तरीके से किया जाता है, तो किया जा सकता है। मुझे लगता है ब्रिटिश भारतीय सहयोग का एक नया स्वर्ण युग लाएगा। हम (एफटीए) को सफल होते देखने के लिए श्रम पक्ष पर सैद्धांतिक रूप से बहुत प्रतिबद्ध हैं।

पूर्व पीएम को वापस मिलेगी जब्त मर्सिडीज, लैंड क्रूजर और जमीन, पाक की अदालत से मिली बड़ी राहत

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की एक जवाबदेही अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को बड़ी राहत दी। अदालत ने अधिकारियों को 2020 में शरीफ से जब्त की गई सभी संपत्तियों और परिसंपत्तियों को लौटाने का आदेश दिया है। इस्लामाबाद जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश मुहम्मद बशीर ने 73 वर्षीय नवाज शरीफ को राहत दी।

रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस बशीर पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो नवाज शरीफ के खिलाफ तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने तीन बार के पूर्व प्रधान मंत्री के स्वामित्व वाली सभी संपत्तियों, वाहनों और बैंक खातों को वापस करने का आदेश जारी किया।

नवाज की संपत्तियों को 2020 में तोशाखाना मामले की सुनवाई के दौरान

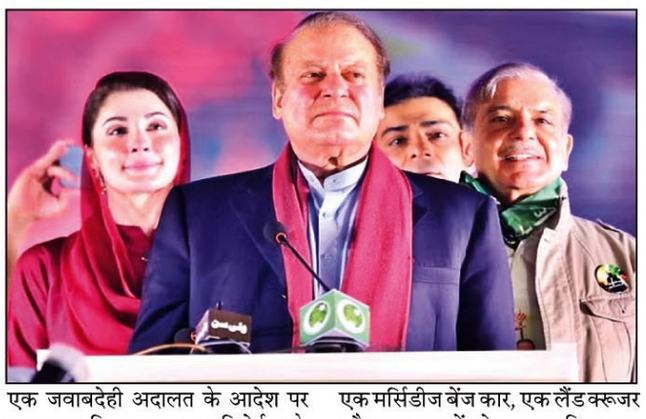

एक जवाबदेही अदालत के आदेश पर जब्त कर लिया गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, तोशाखाना मामले में घोषित अपराधी घोषित होने के बाद नवाज के स्वामित्व वाली 1,650 नहरों (लगभग 0.8 वर्ग किमी) से अधिक कृषि भूमि, एक मर्सिडीज बेंज कार, एक लैंड क्रूजर और अन्य वाहनों को जब्त कर लिया गया था। गौरतलब है कि विगत 24 अक्तूबर को नवाज शरीफ ने गिरफ्तारी से बचने के लिए न्यायाधीश बशीर की जवाबदेही अदालत में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। सुनवाई के दौरान एनएबी अभियोजक ने दलील दी कि शरीफ ने आत्मसमर्पण कर दिया है, इसलिए उनका गिरफ्तारी वारंट रद्द किया जाना चाहिए। न्यायाधीश ने 10 लाख रुपये के मुचलके पर मामले में शरीफ की जमानत की पुष्टि की। मामले की सुनवाई 20 नवंबर तक स्थगित कर दी गई। तोशाखाना मामले की सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) द्वारा जवाबदेही अदालत को एक रिपोर्ट सौंपी गई थी। इसके बाद अदालत ने जब्ती का आदेश दिया था। इसमें शरीफ की चल और अचल संपत्ति का पूरा विवरण दिया गया था। बता दें कि सरकार गिरने के बाद नवाज ब्रिटेन चले गए थे। इलाज कराने के दौरान लंदन में लगभग चार साल के आत्म-निर्वासन के बाद नवाज बीते 21 अक्तूबर को ही पाकिस्तान लौटे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज एवेनफील्ड अपार्टमेंट और अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद मेडिकल जमानत मिलने के बाद लंदन गए थे।

पाकिस्तान में पोलियो की मार, पांच शहरों से लिए गए नौ नमूनों में वायरस की हुई पुष्टि

इस्लामाबाद। आर्थिक संकट और महंगाई से जूझ रहे पाकिस्तान में अब पोलियो वायरस ने कहर मचाना शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के पांच शहरों से लिए गए नौ नमूनों में पोलियो वायरस की पुष्टि हुई है। इस्लामाबाद के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के तहत पोलियो परीक्षण के लिए क्षेत्रीय प्रयोगशाला ने अक्तूबर में टाइप-1 वाइल्ड पोलियो वायरस का पता लगाया था। बता दें कि सिंध प्रांत के कराची से चार, बलूचिस्तान प्रांत के चमन से दो और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर, कोहाट और नौशेरा से एक-एक सैंपल लिये गये हैं। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि 2023 में पाकिस्तान में सकारात्मक पर्यावरणीय (सीवेज) नमूनों की कुल संख्या 64 हो गई है। इस बीच, मानव पोलियो मामलों की संख्या चार रहेगी। 2 अक्तूबर को, पाकिस्तान ने 5 वर्ष से कम उम्र के 44 मिलियन बच्चों को टीका लगाने के प्रयास में वर्ष का अपना दूसरा राष्ट्रव्यापी पोलियो विरोधी अभियान शुरू किया। बता दें कि पाकिस्तान के पड़ोसी मुल्क अफगानिस्तान में भी यही हाल है, यहां पोलियो के कुछ मामले सामने आए हैं।

राजस्थान में कांग्रेस के कई नेताओं ने समर्थकों के साथ थामा भाजपा का दामन

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। इस कड़ी में शनिवार को कांग्रेस के पूर्व मंत्री रामगोपाल बैरवा, चाकसू के पूर्व विधायक अशोक तंवर और कोटा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष पंकज मेहता, टोंक के सोडा सरपंच छवि राजावत अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, झोटवाडा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक नारायण पंचारिया ने सभी को पार्टी का दुपट्टा ओढ़ाकर सदस्यता ग्रहण करवाई। कार्यक्रम में जोशी ने कहा कि नारी सुरक्षा करने में कांग्रेस सरकार पूर्ण रूप से नाकाम रही। दौसा की घटना ने नारी मर्यादा को तार-तार कर दिया। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो सुरक्षा की उम्मीद भी किस से की जाए। राजस्थान की वीर भूमि में मीरा, पन्ना, रानी हाडा के इतिहास को कांग्रेस सरकार ने कंलकित किया है। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम के दौरान मंच पर जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद

वशिष्ठ और भाजपा प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकान्त भारद्वाज उपस्थित थे। कार्यक्रम में कांग्रेस एवं अन्य पार्टियों के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इनमें अभाव अभियोग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बृजराज कृष्ण उपाध्याय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष पद प्रत्याशी रहे कृष्णपाल सिंह चुंडावत, राजस्थान ब्राह्मण महासभा बाड़मेर के जिला महामंत्री बजरंग पालीवाल, बाड़मेर के पूर्व जिला परिषद सदस्य बाबूलाल नामा, बाड़मेर कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष चन्द्र सिंह चारण पारलू, वार्ड नंबर 64 पार्षद राजू अग्रवाल, वार्ड 15 पूर्व पार्षद महादेव शर्मा, दिव्यांग अधिकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हेमन्त भाई गोयल, विधायक प्रत्याशी कविता शर्मा, पार्षद वार्ड 46 राम जानकी देवी, वैशाली नगर ब्लॉक उपाध्यक्ष सुनील नागौरा सहित सैंकड़ों कई कार्यकर्ताओं ने सदस्यता ग्रहण की। इनके अलावा पूर्व सरपंच जितेंद्र सिंह भाटी, कवि शर्मा, सुरेश शर्मा, राजेश जैन, नवीन मित्तल, राकेश जोशी, अनीता राठौड, सुनील नागौरी, योगेश बंसल, अनुराग पालीवाल, विकास भार्गव, रमेश चंद जैन, राकेश अग्रवाल, पंकज वर्मा, अजय पारीक, दिनेश अग्रवाल, विकास अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण शर्मा, ललित शर्मा, डॉ. सुनील गोयल सीमा कंवर, मधुसूदन शर्मा, दीपक शर्मा, बजरंग सिंह शेखावत, अमरचंद लेखरा, डॉ. अनिल शर्मा, नरेंद्र शर्मा, तरूण कुमावत, रामनिवास प्रजापति, नंदकिशोर कुमावत, पैमारामजी कुमावत, कैलाश कुमावत, कविता देवल, शुभकरण देवल, डॉ. सम्पत सिंह राजावत, रणवीर सिंह राजावत, योगेन्द्र परसोया, शैलेश कुमार जैमन, जितेंद्र सिंह भाटी, रामेश्वर यादव, लालाराम यादव, श्रवण यादव, शंकर लाल यादव, जीवन राम यादव, रामकरण गुर्जर, मोरूराम गुर्जर, गोपाल गुर्जर, बदरी नारायण गुर्जर, हनुमान गुर्जर, बंशी यादव, डालू राम कुमावत, भागचन्द कुमावत, दोलूराम कुमावत, बदरी नारायण कुमावत, लालराम कुमावत, सोनारायण कुमावत, ईश्वर सिंह भाटी, देवेन्द्र सिंह भाटी, कुलदीप सिंह भाटी, हेमन्त सिंह भाटी, अभिषेक सिंह भाटी, हनुमान सिंह, दीपेंद्र सिंह राठौड, दिलीप सिंह, कुलदीप सिंह राठौड, रमेश चन्द्र वर्मा, मुकेश वर्मा, रामचरण, पूरण और हेमराज कुमावत ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

दीपावली पर पाकिस्तान ने रिहा किए 80 भारतीय मछुआरे रविवार को गुजरात होंगे रवाना

चंडीगढ़ (हिंस)। पाकिस्तान ने दीपावली के अवसर पर 80 भारतीय मछुआरों को रिहा किया है। ये मछुआरे अटारी-बाघा सीमा के रास्ते शुक्रवार देर रात भारतीय सीमा में दाखिल हुए। बीएसएफ टीम द्वारा सभी मछुआरों की जांच की जा रही है। वर्ष 2019 में ये मछुआरे गलती से भारतीय सीमा पार कर पाकिस्तान में प्रवेश कर गए थे। जहां पाकिस्तानी अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इनमें से ज्यादातर मछुआरे गुजरात के रहने वाले हैं। सजा पूरी होने के बाद इन्हें भारत आने की अनुमति मिली। शुक्रवार को वह अल्लामा इकबाल एक्सप्रेस ट्रेन से लाहौर पहुंचे। जहां पाकिस्तान के अधिकारी उन्हें वाघा बॉर्डर लेकर पहुंचे। इसके बाद उन्हें बीएसएफ रेंज अटारी वाघा बॉर्डर पर अधिकारियों को सौंप दिया गया। बीती देररात सभी मछुआरों को बार्डर से अमृतसर के रंजीत एवेन्यू में एकत्र किया गया। यहां सभी मछुआरों के सामान की जांच करने के अलावा उनकी बॉडी स्कैन की गई। फिलहाल सभी मछुआरों को भारत सरकार ने अमृतसर रेड क्रॉस भवन में रखा है। रविवार को उन्हें अमृतसर रेलवे स्टेशन से ट्रेन के जरिए उनके गृह राज्य गुजरात के लिए रवाना किया जाएगा।

आयुर्वेद व योग को अपने जीवन में अपनाना चाहिए : दीपक मंगला

पलवल (हिंस)। आयुष विभाग द्वारा जवाहर नगर कैंप में स्थित पंजाबी धर्मशाला में जिला में आठवां राष्ट्रीय दिवस मनाया गया। आठवां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का थीम हर दिन-हर किसी के लिए आयुर्वेद रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक दीपक मंगला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित करके किया। विधायक दीपक मंगला ने अपने संबोधन में कहा कि सभी लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए आयुर्वेद व योग को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। आज के व्यस्त, भागदौड़ व तनाव भरे जीवन में यह सभी के लिए लाभकारी हैं। कोरोना काल में आयुर्वेद का प्रयोग सभी के लिए वरदान साबित हुआ है। विश्व भर के लोग मोटे अनाज एवं जैविक कृषि उत्पादों को अपनी जीवनशैली में शामिल कर रहे हैं। जिला आयुष अधिकारी डॉ. अजीत कुमार यादव, डॉ. रविंदर, डॉ.

प्रशांत वशिष्ठ, योगाचार्य डॉ. रामजीत, डॉ. गुलफाम, डॉ. वंदना, डॉ. सुमाइला, डॉ. सुनील सवाना ने चिकित्सीय परामर्श दिया। डॉ. रुचि दूबे ने प्राकृतिक आहार विहार में मौसमी फल, सब्जियों का प्रदर्शन किया।

महबूबा मुफ्ती के चचेरे भाई सरवर मुफ्ती डीपीएपी में हुए शामिल

अनंतनाग (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के चचेरे भाई सरवर मुफ्ती ने अनंतनाग के बिजबिहाड़ा में आधिकारिक तौर पर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) में शामिल हो गए हैं। सरवर मुफ्ती के डीपीएपी में शामिल होने से पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को बड़ा झटका लगा है। बिजबिहाड़ा शहर में डीपीएपी अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद की अध्यक्षता तथा पार्टी के अन्य नेताओं व कार्यकर्ताओं की उपस्थिति वाले समारोह के दौरान सरवर मुफ्ती पार्टी में शामिल हुए।

कांग्रेस प्रत्याशी ममता भूपेश का रोका काफिला, दिखाए काले झंडे

दौसा (हिंस)। सिकराय विधानसभा क्षेत्र के मेहंदीपुर बालाजी कस्बे में शनिवार को गहलोत सरकार में मंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी ममता भूपेश प्रचार के लिए पहुंची, जहां स्थानीय लोगों ने उनका विरोध किया। साथ ही उनके काफिले के सामने काले झंडे लहराकर नारेबाजी की। इस बीच ममता भूपेश ने पत्रकारों से बातचीत में भाजपा पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता अब गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। मेहंदीपुर बालाजी कस्बे से निकलने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी ममता भूपेश सीधे बालाजी महाराज के दर पहुंची, जहां उन्होंने पूजन किया। उसके बाद उनका काफिला उदयपुरा के लिए रवाना हो गया। हालांकि, यहां भी पहले से मौजूद भीड़ ने उनका विरोध किया। साथ ही, यहां भी उन्हें काले झंडे दिखाए गए और उनके काफिले को गांव में घुसने से रोक दिया गया। आरोप है कि भीड़ में मौजूद कुछ लोगों ने काफिले पर पथराव

भी किया, जिसमें कई कांग्रेसी कार्यकर्ता चोटिल हो गए और वाहनों के शीशे टूट गए। पथराव की घटना से ममता भूपेश ने इनकार किया है। इस घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी ममता भूपेश ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता अब गुंडागर्दी पर उतर आए हैं, जो कांग्रेस की जीत से बौखलाए हुए हैं। हालांकि, उन्होंने काफिले पर पथराव की घटना से इनकार किया है। इससे पहले लालसोट से कांग्रेस प्रत्याशी परसादी लाल मीणा, मुरारी लाल मीणा आदि को भी विरोध का सामना करना पड़ा था। कांग्रेस प्रत्याशी के आरोप पर भाजपा प्रत्याशी विक्रम बंशीवाल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के खिलाफ जो क्षेत्र में जनाक्रोश है। वो उनके भ्रष्टाचार के खिलाफ है। भाजपा का कार्यकर्ता एक अनुशासित कार्यकर्ता है, जो जनसहयोग के कार्यों में जुड़ा है। उन्होंने कहा कि पांच साल तक कांग्रेस सरकार ने आम जनता का खून चूसने का काम किया है। अब चुनाव प्रचार में उसी का बदला जनता उनसे ले रही है।

साढ़े सात करोड़ से अधिक की नकदी एवं अन्य कीमती सामग्री सीजर से मुक्त

जयपुर (हिंस)। विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उड़नदस्ता और स्टेटिक निगरानी टीम (एफएसटी, एसएसटी), पुलिस और प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा सीज की गई सात करोड़ 58 लाख 42 हजार 948 रुपए की नकदी एवं अन्य कीमती सामग्री आम जनता और सही व्यक्तियों को लौटा दी गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने शनिवार को बताया कि विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के दौरान नकदी या कीमती सामान रिलीज करने के अब तक 282 प्रकरणों का जिला स्तरीय समितियों द्वारा निस्तारण किया गया है। एफएसटी, एसएसटी द्वारा सीजर की कार्रवाई के दौरान अपील के बारे में भी जानकारी दी जाती है। जिला परिषद सीईओ, जिला कोषागार अधिकारी (टीओ) और संयोजक के रूप में निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के नोडल अधिकारी की तीन सदस्यीय अपीलीय समितियां जिलों में गठित की गई हैं। इन समितियों में अब तक 415 अपील जब्त नकदी और कीमती सामान रिलीज करवाने के लिए प्राप्त हुई हैं। केंद्रीय निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश के अनुसार चुनाव आचार संहिता के दौरान एफएसटी, एसएसटी अथवा पुलिस द्वारा अवैध नकदी सहित अवैध सामग्री के परिवहन पर की गई कार्रवाई के दौरान आम जनता तथा सही व्यक्तियों को असुविधा से बचाने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान नकदी और अन्य वस्तुओं की जब्ती और रिलीज के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित की गई है। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश निर्वाचन विभाग की ओर से दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यह समितियां पुलिस, एसएसटी एवं एफएसटी द्वारा की गई जब्ती के प्रत्येक मामले की स्वत: जांच करती हैं। यदि जब्त की गई राशि के संबंध में कोई प्राथमिकी या शिकायत दर्ज नहीं की गई है या जब्त राशि किसी अभ्यर्थी या राजनीतिक दल या किसी निर्वाचन अभियान इत्यादि से जुड़ी हुई नहीं है तो ऐसी नकदी रिलीज करने के बारे में आदेश जारी करने के लिए समिति तत्काल कदम उठाएगी। जिला शिकायत समिति को ऐसे मामलों पर बिना देरी किए निर्णय करना होता है और यदि कोई एफआईआर अथवा शिकायत दर्ज नहीं की गई है तो जब्त की गई नकदी या कीमती सामान से संबंधित मामले को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाएगा। किसी भी स्थिति में, मतदान की तारीख के बाद सात दिनों से अधिक समय तक मालखाना या कोषागार में ऐसे मामले लंबित नहीं रखे जाएंगे। गुप्ता ने बताया कि यह रिटर्निंग अधिकारी का उत्तरदायित्व है कि ऐसे सभी मामलों को अपीलीय समिति के समक्ष प्रस्तुत करें और अपीलीय समिति के आदेशानुसार नकदी एवं बहुमूल्य वस्तुओं को रिलीज करें। इस संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा समस्या के लिए राज्यस्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम में टोली फ्री नंबर 180018001950 अथवा फोन नं. 0141-2227550 पर संपर्क किया जा सकता है।

राजनीति में धुर विरोधी अर्जुनराम व देवीसिंह भाटी की हुई मुलाकात, बदल गए बोल

बीकानेर (हिंस)। राजनीति में एक दूसरे के धुर विरोधी माने जाने वाले देवीसिंह भाटी व केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की आखिर शनिवार को मुलाकात हो ही गई। पिछले लोकसभा चुनाव के समय से दोनों में बातचीत ही नहीं हो रही थी। लोकसभा चुनाव में मेघवाल को टिकट देने का विरोध करते हुए भाटी ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया था। कुछ समय पहले ही वे फिर भाजपा में शामिल हो गए। उस समय भाटी व मेघवाल की बात फोन पर ही हुई थी। रुबरु आज ही दोनों हुए हैं। इससे पहले भाटी के पोते व कोलायत से भाजपा प्रत्याशी अंशुमान सिंह ने भी मेघवाल से मुलाकात की। उधर, इससे पहले कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से मिलने कोलायत के प्रत्याशी व

दिग्गज नेता देवीसिंह भाटी के पौत्र अंशुमान सिंह भाटी ने भी मुलाकात की। इस मुलाकात को खास इसलिए माना जा रहा है क्योंकि भाटी व मेघवाल के राजनीतिक संबंध अच्छे नहीं रहे हैं। इस मुलाकात के समय देहात भाजपा अध्यक्ष जालमसिंह भाटी व चंपालाल गेदर भी उपस्थित थे।

छोटी दीवाली पर बाजारों में उमड़ी भीड़ पुलिस रही सतर्क

झज्जर (हिंस)। शनिवार को छोटी दिवाली पर बाजारों में भारी भीड़ रही। लोगों ने पूजा और सजावट के सामान सहित अन्य जरूरी सामान की खरीदारी की। मिठाई व साज-सज्जा के सामान समेत बाकी सभी प्रकार का सामान तो बिका ही, अपनी गाय-भैंस और दुपहिया व चार पहिया वाहनों को सजाने के लिए भी लोगों ने सामान खरीदा। बाजार में गणेश-लक्ष्मी के जोड़े, मिट्टी के दीए, रंग-बिरंगे बल्बों की लड़ियां, पंजाब की खील, चीनी के खिलोने, मोमबत्तियां और नई रूई खूब बिकी। मिठाई की दुकानों में भीड़ की वजह से पांव रखने तक की जगह नहीं मिल रही थी। लोगों ने गिफ्ट के पैकेटों की खूब खरीदारी की। मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक सामान भी पसंद किया। सर्राफा बाजार में आवाजाही लगी रही। ऑटोमोबाइल दुकानों में लोग बाइकें और कार देखने पहुंचे। दुकानदारों रमेश व विनोद कुमार ने कहा कि दिवाली के दिन भी बाजारों में अच्छी बिक्री होने उम्मीद है। छोटी दिवाली को भी बर्तनों की दुकानें सजी रहीं। छोटी दिवाली पर लोगों ने पूजा के लिए नए और छोटे बर्तन खरीदे। कुछ की पसंद रसोई सजाने का सामान रहा। दीपावली के त्योहार की पूर्व संध्या पर रविवार को बाजारों में भीड़ उमड़ पड़ी। अबकी बार रेलवे रोड व मेन बाजार में चार पहिया वाहन की आवाजाही प्रशासन की ओर से बंद करने पर लोगों को कम परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

लुधियाना रेलवे स्टेशन पर दो तस्कर गिरफ्तार, दो किलो सोना बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। राजकीय रेलवे पुलिस ने शनिवार की सुबह लुधियाना रेलवे स्टेशन पर गश्त के दौरान दो तस्करों को गिरफ्तार कर दो किलो 107 ग्राम सोना जब्त किया। पकड़े गए तस्करों के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। पकड़े गए ये दोनों युवक आज सुबह टाटा मूरी एक्सप्रेस रेलगाड़ी से रेलवे स्टेशन लुधियाना में उतरे। पुलिस की चेकिंग के दौरान उन्होंने भागने की कोशिश की लेकिन उन्हें दबोच लिया गया। युवकों से बरामद बैग को चेक करने पर उसमें से सोना बरामद हुआ। युवकों से 2 किलो 107 ग्राम सोना मिला है। पकड़े गए युवकों का नाम अमरजोत और अमरीक है। इंस्पेक्टर जतिंदर सिंह के मुताबिक दोनों युवकों ने कबूल किया कि वह इलाहाबाद से सोना लाकर लुधियाना और अमृतसर सप्लाई करने जा रहे थे। यह सोना सराफा बाजार में किसी कारोबारी को सप्लाई होना था। दोनों युवकों का पिछला रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है। जतिंदर सिंह ने बताया कि मामला एक्साइज का होने के कारण मौके पर ही एक्साइज विभाग की टीम को बुलाया गया। सोने के साथ दोनों व्यक्तियों को उनके सुपुर्द कर दिया गया है।

यमुनानगर जहरीली शराब कांड में मृतकों की संख्या हुई 16

यमुनानगर (हिंस)। यमुनानगर में जहरीली शराब पीकर मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जहरीली शराब ने इस बार कई घरों की दीपावली को काला कर दिया है। शनिवार को जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 16 तक पहुंच गई है। अभी भी कई व्यक्ति जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। मरने वाले दो व्यक्तियों का पोस्टमार्टम शनिवार को कराया गया। मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। थाना फरकपुर, थाना छप्पर और थाना बिलासपुर के अंतर्गत बीते मंगलवार से लेकर शनिवार तक गांव मंडेबरी, पंजेटो का माजरा, फूस गढ़ और सारण और मंगलौर में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 12 से बढ़कर 16 हो गई,जबकि कई व्यक्तियों का इलाज अलग-अलग अस्पताल में जारी है। इन सभी गांवों में पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर्स और आशा वर्कर्स की टीमें घर-घर जाकर सर्वे कर रही है। शनिवार प्रशासन ने चार व्यक्तियों की मौत की पुष्टि कर दी है। जिनमें सारन गांव के परमजीत, थाना बिलासपुर के गांव मंगलौर निवासी रिषीपाल, मंडेबरी निवासी नरिंदर उर्फ विक्की तथा पंजेटो का माजरा निवासी अरूण शामिल हैं। इतने बड़े घटनाक्रम के बाद भी प्रदेश सरकार अभी तक चुप है। इस घटना के दौरान मुख्यमंत्री बुधवार और गुरुवार को यमुनानगर के दौरा पर थे। इसके बावजूद भी मुख्यमंत्री इस बारे में कुछ नही बोले। इस मामले के तार जहां अंबाला के साथ जुड़े हुए हैं वहीं अंबाला में अब तक चार व्यक्तियों की जहरीली शराब पीने से मौत हो चुकी है। इस बीच पुलिस द्वारा अब तक जहां कागजी कार्रवाई को पूरा करने के लिए आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है वहीं शराब का अवैध कारोबार करने वाले मास्टर माइंड के बारे में अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है।

ग्रामीण सफाईकर्मियों ने छोटी दीवाली पर फूंका सीएम का पुतला

जींद (हिंस)। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को 33वें दिन छोटी दिवाली के त्यौहार पर भी जारी रही। सफाई कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के पुतले का दहन किया। इन कार्यक्रमों में ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान कृष्ण मोरखी, कार्यकारी प्रधान ईश्वर सिंह बुआना ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रहे है। मुख्यमंत्री के इशारे पर दिवाली जैसे त्योहार पर ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की वेतन रुकवाने की बहुत ही बेहूदी हरकत की जा रही है। पिछले 17 साल से ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का सरकार द्वारा शोषण किया जा रहा है। लिखित में वार्ता की चिट्ठी देने के बाद भी पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली ने वार्ता को स्थगित कर दिया है। जिससे ग्रामीण सफाई कर्मियों में रोष है। अपनी मांगों को लेकर ग्रामीण सफाई कर्मचारी 10 अक्तूबर से हड़ताल पर हैं लेकिन सरकार मांगों का समाधान करने की बजाए उन्हें आंदोलन करने को मजबूर कर रही है। मुख्यमंत्री ने एक हजार रुपए बढ़ोत्तरी की एकतरफा घोषणा की है जोकि नाकाफी है। उन्होंने मांग की कि विधान सभा मे पॉलिसी बनाकर सफाई कर्मियों को पक्का किया जाए।

पराली जलाने वाले खेत मालिकों पर होगी सख्त कार्रवाई : मकसूद अहमद

एसपी ने पर्यवेक्षण अधिकारियों, थाना प्रबंधकों व सभी चौकी इंचार्जों को दिए निर्देश

हिसार (हिंस)। सरकारी आदेशों की अवहेलना कर जिले में धान की पराली जलाने वाले वालों के खिलाफ पुलिस विभाग अब सख्त कार्रवाई करेगा। इस संबंध में जिला प्रशासन की ओर से धारा 144 के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक मकसूद अहमद ने शनिवार को बताया कि आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ अब केस दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने इस संबंध में जिला के सभी थाना व पुलिस चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने सूचना तंत्र को मजबूत कर अपने-अपने इलाके के खेतों पर पूरी नजर रखें और जो भी सरकारी आदेशो की अवहेलना कर पराली जलाते हुए मिले उस खेत मालिक पर मुकदमा दर्ज कर

कार्रवाई की जाए। उन्होंने बताया कि शनिवार को नारनौंद थाना पुलिस ने पराली जलाने वाले पांच किसानों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पर्यावरण को बचाने के लिए खेत मालिक पुलिस व स्थानीय प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने बताया कि रेड जोन एरिया में पुलिस की टीमें जिला प्रशासन के साथ मिलकर इन गांवों पर विशेष निगरानी रखे हुए हैं। इस संबंध में उपायुक्त भी सभी एसडीएम, पुलिस, पर्यावरण और कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर पर्यावरण को बचाने के लिए निर्देश दें चुके है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धान की पराली को खेतों में मिलाने से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है, खाद कम डालनी पड़ती है और मित्र कीटों की संख्या बढ़ने से फसल पर कीटों का आक्रमण भी कम हो जाता है। इसलिए पराली को जलाने के बजाए उसे खेत में जोतकर खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ानी चाहिए।

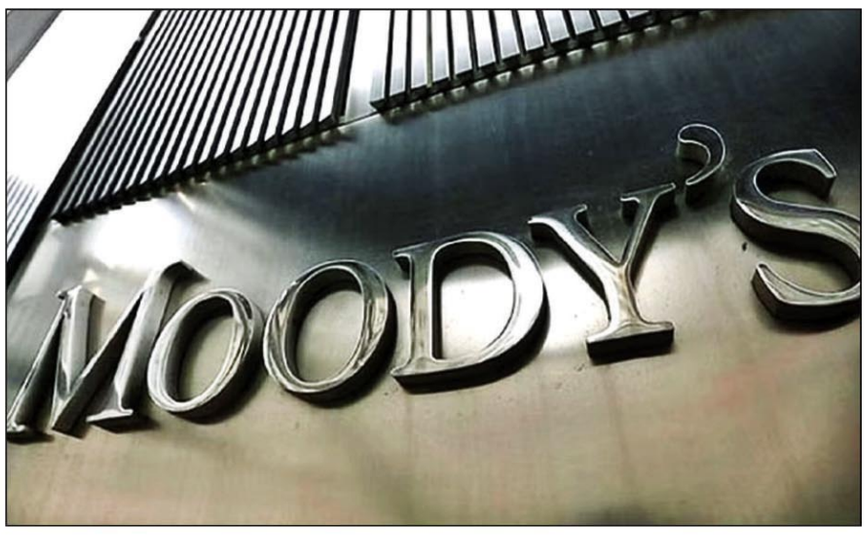

मूडीज ने अमेरिकी सरकार के ऋण पर अपने आउटलुक को स्थिर से नकारात्मक किया, कही यह बात

नई दिल्ली।
क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने बढ़ती ब्याज दरों की लागत और कांग्रेस में राजनीतिक ध्रुवीकरण का हवाला देते हुए अमेरिकी सरकार के ऋण पर अपने दृष्टिकोण को स्थिर से नकारात्मक में बदल दिया मूडीज ने अमेरिकी सरकार के ऋण पर अपनी शीर्ष ट्रिपल-ए क्रेडिट रेटिंग को बरकरार रखा, हालांकि यह ऐसा करने वाली तीन प्रमुख क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों में से आखिरी है। फिच रेटिंग्स ने अगस्त में अपनी रेटिंग एएए से घटाकर एए कर दी थी और स्टैंडर्ड एंड पुअर्स ने 2011 में अमेरिका की रेटिंग घटा दी थी।हालांकि, कम आउटलुक के कारण यह जोखिम बढ़ जाता है कि मूडीज अंततः अमेरिका से ट्रिपल-ए रेटिंग भी छीन सकता है।

अमेरिकी ऋण पर कम रेटिंग करदाताओं को महंगी पड़ सकती है क्योंकि यह उधारकर्ताओं को ट्रेजरी बिलों और नोटों पर उच्च ब्याज दरों की मांग करने के लिए प्रेरित करता है। जुलाई के बाद से 10 वर्षीय ट्रेजरी पर प्रतिफल काफी बढ़ गया है, जो लगभग 3.9 प्रतिशत से बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो गया, जो असामान्य रूप से तेज वृद्धि है। कुछ बाजार विश्लेषकों ने कहा है कि अगस्त में फिच के डाउनग्रेड का इस वृद्धि में योगदान हो सकता है।हालांकि इसके और कई कारण हैं और उनमें एक मुद्रास्फीति से लड़ने के लिए फेडरल रिजर्व की अपनी बेंचमार्क दर को 22 साल के उच्च स्तर पर रखने की प्रतिबद्धता भी शामिल है। एजेंसी ने एक बयान में कहा, उच्च ब्याज दरों के संदर्भ में, सरकारी खर्च को कम करने या राजस्व बढ़ाने के लिए प्रभावी राजकोषीय नीति उपायों के बिना, मूडीज को उम्मीद है कि अमेरिका का राजकोषीय घाटा बहुत बड़ा बना रहेगा, जिससे ऋण सामर्थ्य काफी कमजोर हो जाएगा।

बाइडन प्रशासन ने की मूडीज के फैसले की आलोचना – बाइडन प्रशासन ने मूडीज के फैसले की आलोचना की है। उप वित्त मंत्री वैली एडेयेमो ने कहा, मूडीज के बयान में अमेरिका की एएए रेटिंग बरकरार रखी गई है, लेकिन हम नकारात्मक परिदृश्य में बदलाव से असहमत हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, और ट्रेजरी प्रतिभूतियां दुनिया की प्रमुख सुरक्षित और तरल संपत्ति हैं।

न्यूज ब्रीफ

धनतेरस पर खूब खरीदारी, देशभर के खुदरा बाजारों में 50,000 करोड़ रुपये का कारोबार, कैट का दावा

नई दिल्ली। धनतेरस के दिन देशभर के खुदरा बाजारों में जबरदस्त भीड़ देखने को मिली।सोने-चांदी के अलावा वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन और अन्य उत्पादों की भी अच्छी खरीद-बिक्री हुई।कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक, धनतेरस पर देशभर के खुदरा बाजारों में 50,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ। अकेले दिल्ली में 5,000 करोड़ रुपये की खरीद-बिक्री हुई। पिछले धनतेरस पर कुल 35,000 करोड़ का कारोबार हुआ था। संगठन के राष्टीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि इस धनतेरस खरीदारी को लेकर माहौल काफी अच्छा रहा। पिछले साल की तुलना में इस बार करीब 43 फीसदी अधिक बिक्री हुईहै।धनतेरस के दिन कुल बिक्री में वाहनों की हिस्सेदारी 5,000 करोड़ रुपये रही।3,000 करोड़ रुपये के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद बिके। 1,000 करोड़ के बर्तन बिके, जबकि 300 करोड़ रुपये की पूजा सामानों की खरीद-बिक्री हुई। इसके अलावा, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों, मिट्टी के दीये, सजावटी सामान, बंदनवार और झाड़ू की बिक्री भी पिछले साल से बेहतर रही। धनतेरस पर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की बिक्री पिछले साल की तुलना में 15-20 फीसदी अधिक रही। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने कहा, धनतेरस पर सभी शहरों में अच्छी भीड़ देखने को मिली।पिछले धनतेरस के मुकाबले विभिन्न श्रेणी के उत्पादों में 15 फीसदी की तेजी दर्ज की गईहै।गोदरेज अप्लायंसेस बिजनेस के प्रमुख कमल नंदी ने बताया कि इस बार प्रीमियम इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की मांग बढ़ी है।मूल्य के लिहाज से देखें तो इन उत्पादों की बिक्री पिछले साल से 20-25 फीसदी बढ़ी है। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के निदेशक दिनेश जैन ने बताया कि सोने की कीमतें कारोबार के लिए अनुकूल हैं। कीमतों में हालिया गिरावट से उपभोक्ताओं में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। हीरे की कीमतें गिरने से युवा पीढ़ी में हल्के वजन के आभूषणों की मांग रही। ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के राष्टीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि देशभर में करीब चार लाख छोटे-बड़े ज्वेलर्स हैं। इनमें से 1.85 लाख ज्लेवर्स भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से पंजीकृत हैं। 2.25 लाख छोटे ज्वेलर्स उन क्षेत्रों में हैं, जहां अभी बीआईएस मानक लागू नहीं है। इन सबको मिलाकर धनतेरस पर 41 टन सोने और 400 टन चांदी के आभूषणों-सिक्कों की बिक्री हुई। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के महासचिव सुरेंद्र मेहता ने बताया कि धनतेरस पर बिके कुल 42 टन सोने में दक्षिण भारत की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 60-65 फीसदी रही। पश्चिम भारत में 20-25 फीसदी सोने बिका। कुल बिक्री में उत्तर भारत का 10-12 फीसदी और पूर्वी भारत का 5 फीसदी का योगदान रहा।

रुपया 83.40 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर, फेड के कॉमेंट से यूएसडी मजबूत

नई दिल्ली । भारतीय रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमेन जेरोम पॉवेल के बयान के बाद अमेरिकी डॉलर मजबूत हो गया। करेंसी डीलरों के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक, जो आम तौर पर उतार-चढ़ाव को कंट्रोल करने के लिए कदम उठाता है, आरबीआई ने कुछ नहीं किया। दोपहर 1: 55 बजे भारतीय करेंसी 83.40 रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछला रिकॉर्ड निचला स्तर 83.29 रुपये था। डीलर्स कह रहे हैं कि रुपया 83.50 प्रति डॉलर तक पहुंच सकता है क्योंकि बाजार में डॉलर की कमी है। बाजार जानकारों ने कहा कि डॉलर की कमी और आयातकों द्वारा लगातार खरीदारी के कारण यूएसडी से आईएनआर विनिमय दर 83.32 के नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। बाजार में चल रही खरीदारी और नकद डॉलर की कमी के साथ, जानकारों का सुझाव है कि यह जोड़ी जल्द ही 83.50 तक पहुंच सकता है। कुछ बाजार सहभागियों के अनुसार, भारतीय रुपया संभवतः 84 प्रति डॉलर तक पहुंचने से पहले कुछ समय के लिए 83.50 प्रति डॉलर पर रुक सकता है। डॉलर मजबूत हो गया क्योंकि फेडरल रिजर्व के सदस्य पक्के तौर पर नहीं मान रहे थे कि ब्याज दरें अमेरिका में मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त ऊंची थीं या नहीं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, 4.67 अरब डॉलर बढ़कर पहुंचा 590.78 अरब

मुंबई ।
देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 4.7 अरब डॉलर बढ़कर 590.78 अरब डॉलर के सात हफ्ते के उच्च स्तर पर पहुंच गया।इससे पिछले सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा में 2.6 अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गईथी। अक्तूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई के जारी आंकड़ों के मुताबिक, 3 नवंबर वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 4.39 अरब डॉलर बढ़कर 521.9 अरब डॉलर पहुंच गई। आंकड़ों के मुताबिक, देश का स्वर्ण भंडार 20 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.12 अरब डॉलर पर पहुंच गया।आईएमएफ में भारत का आरक्षित भंडार 1.6 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ4.79 अरब डॉलर हो गया।

शेयर बाजार में खुदरा निवेशकों का हिस्सा 7.62 फीसदी के उच्च स्तर पर – खुदरा निवेशक वे हैं जिनका किसी कंपनी में दो लाख रुपये से कम निवेश हो। इन निवेशकों ने सितंबर तिमाही में 7,597 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। अमीर निवेशक भी खूब शेयर खरीद रहे हैं। हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) यानी ज्यादा अमीरों की एनएसई कंपनियों में हिस्सेदारी बढ़कर 2.05 फीसदी हो गई है। खुदरा और एचएनआई की हिस्सेदारी 9.68 फीसदी के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है।

संवत 2079 में ज्यादा एफआईआई निवेश – संवत 2079 अब खत्म होने वाला है। इस दौरान डीआईआई ने 1.83 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है। एफआईआई ने 1.46 लाख करोड़ निवेश किया है। अक्तूबर में एफआईआई ने 24,548 करोड़ के और नवंबर में 4,343 करोड़ के शेयर बेचे। डीआईआई ने 28,254 करोड़ और 5,144 करोड़ के शेयर खरीदे हैं। बाजार विक्रम संवत 2080 तक तेजी बनाए रखने को तैयार है। कॉरपोरेट का मजबूत प्रदर्शन, बेहतर आर्थिक आंकड़ों और मोदी सरकार की वापसी की उम्मीदों से बाजार सकारात्मक दिख रहा है।

यात्री वाहनों की रिकॉर्ड थोक बिक्री – त्योहारी सीजन की मजबूत मांग के दम पर अक्तूबर में यात्री वाहनों की थोक बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 16 फीसदी बढ़कर 3,89,714 इकाई पहुंच गई।अक्तूबर, 2022 में 3,36,330 यात्री वाहन बिके थे। इसी तरह, तिपहिया वाहनों की बिक्री भी 42 फीसदी बढ़कर 76,940 इकाईपहुंच गई।यह अब तक तक की सबसे अधिक मासिक बिक्री है। पिछले साल यह आंकड़ा 54,154 इकाईरहा था।

दोपहिया में 20 फीसदी उछाल – आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर में दोपहिया वाहनों की बिक्री 20 फीसदी बढ़कर 18,95,799 इकाई पहुंच गई।सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, यात्री और तिपहिया वाहनों दोनों ने अक्तूबर में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है। वृद्धि की यह रफ्तार वाहन उद्योग के लिए उत्साहजनक है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 22 फीसदी बढ़कर 10.60 लाख करोड़ रुपये – चालू वित्त वर्ष में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 22 फीसदी बढ़कर 10.60 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। यह पूरे साल के लिए बजट लक्ष्य का 58 फीसदी है। आयकर विभाग ने बताया कि शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 12.48 फीसदी बढ़ा और पर्सनल इनकम टैक्स 31.77 फीसदी बढ़ा। इस दौरान करदाताओं को कुल 1.77 लाख करोड़ रुपये लौटाए गए। सकल आधार पर कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 17.59 फीसदी बढ़कर 12.37 लाख करोड़ रुपये रहा है।

व्यक्तिगत आयकर में 28.29 फीसदी उछाल – आंकड़ों के मुताबिक, कॉरपोरेट आयकर में 7.13 फीसदी की वृद्धि रही।व्यक्तिगत आयकर 28.29 फीसदी बढ़ गया। 2023-24 के बजट में प्रत्यक्ष कर संग्रह 18.23 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक होने का अनुमान लगाया गया है, जो पिछले वित्त वर्ष में जुटाए गए 16.61 लाख करोड़ से 9.75 फीसदी अधिक है।

विनिर्माण क्षेत्र के प्रदर्शन से आईआईपी 5.8 फीसदी बढ़ा – विनिर्माण व खनन क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर सितंबर, 2023 में 5.8 फीसदी रही। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन अगस्त, 2023 में 10.3 फीसदी और एक साल पहले सितंबर 2022 में 3.3 फीसदी की दर से बढ़ा था। राष्टीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2023 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 4.5 फीसदी बढ़ा।खनन उत्पादन 11.5 फीसदी और बिजली उत्पादन 9.9 फीसदी की दर से बढ़ा। आईआईपी में अप्रैल-सितंबर, 2023 के दौरान 6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 7.1 फीसदी रहा था।

वैश्विक राष्ट-ब्रांडिंग के लिए फ्रांस ने भारत को चुना – फ्रांस की सरकार ने मेक इट आइकॉनिक विषय पर अपने वैश्विक राष्ट-ब्रांडिंग अभियान के लिए प्राथमिकता के रूप में पांच देशों में भारत को भी चुना है। इस अभियान का मकसद फ्रांसीसी भावना के मूल में आविष्कारशीलता, साहस को प्रदर्शित करना और दुनिया भर की प्रतिभाओं, दोस्तों और भागीदारों को आमंत्रित करना है।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

सेंसेक्स 64,904.68 पर बंद और निफ्टी 19,425 अंकों पर बंद हुआ

मुंबई ।
बीते सप्ताह शेयर बाजार के कारोबार में पांचों कारोबारी दिनों में उतार चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। धनतेरस के मौके पर सुबह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा था लेकिन दिन के ट्रेडिंग खत्म होने से पहले बाजार में निवेशकों की खरीदारी के चलते बाजार में तेजी लौटी और कारोबार समाप्ति पर शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजारों की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 387.12 अंकों की मजबूती के साथ 64,741.80 से अधिक खुला और 594.91 अंकों की बढ़त के साथ 64,958.69 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 117.50 अंकों की तेजी के साथ 19,348.10 पर खुला और 181.16 अंक मजबूत होकर 19,411.75 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में कारोबार की सपाट शुरुआत हुई। सेंसेक्स 188.51 अंकों की गिरावट के साथ 64,774.16 अंकों पर खुला और 16.29 अंकों की गिरावट के साथ 64,942.40 पर बंद हुआ। निफ्टी 48.50 अंक टूटकर 19,363.25 पर खुला और 5.05 अंक फिसलकर 19,406.70 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बुधवार को सुस्ती के साथ कारोबार होता दिखा। सेंसेक्स 2.89 अंकों की बढ़त के साथ 64,936.29 पर खुला और 33.21 अंकों की बढ़त के साथ 64,975.61 पर बंद हुआ। निफ्टी 15.10 अंक मजबूत होकर 19,421.80 पर खुला और 36.80 अंक मजबूत होकर 19,443.50 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 88.63 अंकों की गिरावट के साथ 64,896.91 पर खुला और 143.41 अंकों की गिरावट के साथ 64,832.20 पर बंद हुआ। निफ्टी 33.21 अंक टूटकर 19,410.30 पर खुला और 48.21 अंक टूटकर 19,395.30 पर बंद हुआ। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 64,650 पर खुला और 72.48 अंकों की बढ़त के साथ 64,904.68 पर बंद हुआ।

रंजन पई ने किया आकाश में 16.8 करोड़ डॉलर का निवेश

नई दिल्ली ।
मणिपाल एजुकेशन एंड मेडिकल ग्रुप के चेयरमैन रंजन पई ने एडटेक फर्म बैजूस की इकाई आकाश एजुकेशनल सर्विसेज (एईएसएल) में 16.8 करोड़ डॉलर (1,400 करोड़ रुपये) का निवेश किया है। नकदी की किल्लत का सामना कर रही बैजूस को इस रकम से अमेरिकी निवेश फर्म डेविडसन केम्पनर कैपिटल मैनेजमेंट से मई में लिया गया कर्ज चुकाने में मदद मिलेगी। जानकारों के मुताबिक बैजूस यह कर्ज तकनीकी तौर पर नहीं चुका पाई थी। खबरों के अनुसार रंजन पई के पारिवारिक कार्यालय ने आकाश में डेविडसन केम्पनर के कर्ज का अधिग्रहण किया है। वह प्रमुख शेयरधारक बैजूस और उसके संस्थापक बैजू रवींद्रन के साथ मिलकर इस ट्यूटोरियल चेन का कायाकल्प करने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार बैजूस डेविडसन केम्पनर को करीब 1,400 करोड़ रुपये चुका रही है। इनमें करीब 800 करोड़ रुपये कर्ज है और बाकी 600 करोड़ रुपये ब्याज है। उद्योग के जानकारों का कहना है कि

मणिपाल ग्रुप के पई ने डेविडसन केम्पनर को द्विपक्षीय ऋण लेनदेन में भुगतान किया है। पई की एक कंपनी ने एनएसई कॉरपोरेट बॉन्ड रिपोर्टिंग ऐंड इंटिग्रेटेड क्लियरिंग सिस्टम (सीबीआरआईसीएस) प्लेटफॉर्म पर डेविडसन केम्पनर के सभी एनसीडी खरीदे हैं। बैजूस ने इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने क्रिप्टो के नियमन से जुड़ी याचिका पर सुनवाई से इनकार किया, कही यह बात

नई दिल्ली ।
उच्चतम न्यायालय ने क्रिप्टोकरेंसी के कारोबार और माइनिंग के नियमन के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिये केन्द्र और अन्य को निर्देश देने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। क्रिप्टोकरेंसी ब्लॉकचेन-आधारित डिजिटल या आभासी मुद्राएं हैं जो केंद्रीय बैंक से नहीं बल्कि स्वतंत्र रूप से संचालित होती हैं। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि याचिका में मांगी गई मुख्य राहत विधायी

निर्देश की प्रकृति में अधिक है। पीठ जिसमें न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे ने कहा कि यद्यपि याचिका संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत है, लेकिन यह स्पष्ट है कि वास्तविक उद्देश्य याचिकाकर्ता के खिलाफ लंबित कार्यवाही में जमानत मांगना है। उन्होंने कहा, हम इस कार्रवाई को स्वीकार करने में असमर्थ हैं। याचिकाकर्ता को नियमित जमानत देने के लिए उचित अदालत में जाने की स्वतंत्रता होगी। जहां तक मुख्य राहतों का सवाल है, वे एक विधायी निर्देश की प्रकृति में हैं जो अदालत संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत जारी नहीं कर सकती है।

पेट्रोल और डीजल कई शहरों में हुआ सस्ता

नई दिल्ली । दिवाली से एक दिन पहले पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई है। वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतों में गिरावट के बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें जारी कर दी हैं। देश के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को नहीं मिला है। लेकिन चेन्नई में पेट्रोल 0.14 पैसे और डीजल 0.13 पैसे सस्ता हो गया है। वहीं छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल दोनों 0.47 पैसे प्रति लीटर सस्ते हो गए हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.08 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.25 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

सबसे ताकतवर रॉकेट को फिर से लॉन्च करने की तैयारी

17 नवंबर को स्टारशिप को स्पेस में भेजेंगे मस्क; पिछली बार विस्फोट हो गया था

वॉशिंगटन।
स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क दुनिया के सबसे ताकतवर स्टारशिप व्हीकल का दूसरा टेस्ट 17 नवंबर को करने की तैयारी कर रहे हैं। स्पेसएक्स ने बताया कि फाइनल रेगुलेटरी अप्रूवल फिलहाल पेंडिंग है। ये मिशन 1.30 घंटे का होगा। लाइव स्ट्रीमिंग 30 मिनट पहले शुरू होगी। इसमें स्टारशिप को स्पेस में ले जाया जाएगा, फिर पृथ्वी पर वापस लाकर पानी में लैंड कराया जाएगा। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली स्टारशिप कहा जाता है। ये एक रीयूजेबल ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम है इसके जरिए इंसान मंगल ग्रह पर जाएंगे।

20 अप्रैल के टेस्ट में स्टारशिप एक्सप्लोड हो गया था – इससे पहले 20 अप्रैल को स्टारशिप का पहला ऑर्बिटल टेस्ट किया गया था। इस टेस्ट में बूस्टर 7

और शिप 24 को लॉन्च किया गया था। हालांकि, स्टारशिप में उड़ान भरने के 4 मिनट बाद ही गल्फ ऑफ मैक्सिको के करीब 30 किलोमीटर ऊपर विस्फोट हो गया था। स्टारशिप के फेल होने के बाद भी स्पेसएक्स हेडक्वार्टर में एलन मस्क और एम्प्लॉइज खुशी मना रहे थे। ऐसा इसलिए क्योंकि रॉकेट का लॉन्चपैड से उड़ना ही बड़ी सफलता थी। स्टेनलेस स्टील से बने स्टारशिप को दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने बनाया है। ये दुनिया का सबसे ऊंचा और ताकतवर रॉकेट है। एलन मस्क ने भी स्टारशिप लॉन्च से दो दिन पहले कहा था- सफलता शायद मिले, लेकिन एक्साइटमेंट की गारंटी है।

स्टेज सेपरेशन में आई थी परेशानी – स्पेसएक्स ने कहा था- स्टेज सेपरेशन से पहले स्टारशिप ने रैपिड अनशेड्यूल्ड डिसअसेंबली एक्सपीरिएंस की। इस तरह के एक टेस्ट के साथ हम जो सीखते हैं, उससे सफलता मिलती है। आज का टेस्ट हमें स्टारशिप की रिलायबिलिटी में सुधार करने में मदद करेगा। टीमें डेटा को रिव्यू करना जारी रखेंगीं और अगले फ्लाइट टेस्ट की दिशा में काम करेंगी।

लिफ्टऑफ के 4 मिनट बाद रॉकेट को नष्ट किया – सुपर हेवी बूस्टर पर लगे 33 इंजन स्टार्ट (इगनाइट) हुए और स्टारशिप धीरे-धीरे ऊपर बढ़ा। करीब एक मिनट बाद रॉकेट मैक्सिमम एयरोडायनेमिक प्रेशर के पीरियड से गुजरा। सुपर हैवी बूस्टर स्टेज पर कई इंजन फेल होने के कारण रॉकेट अनबैलेंस होने लगा। अपर स्टेज स्टारशिप व्हीकल को बूस्टर से अलग होना था, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। लिफ्टऑफ के 4 मिनट बाद, फ्लाइट टर्मिनेशन सिस्टम ने रॉकेट को नष्ट कर दिया।

लॉन्च पैड को ज्यादा नुकसान नहीं, फिर लॉन्च को तैयार – लॉन्च के फेल होने के बाद 29 अप्रैल को ट्विटर स्पेस पर मस्क ने कहा था कि लॉन्च मोटे तौर पर मेरी उम्मीद के मुताबिक था और शायद मेरी उम्मीदों से थोड़ा ज्यादा था। ऐसी भी खबरें थीं कि लॉन्च पैड को काफी नुकसान पहुंचा। इस पर मस्क ने कहा था- लॉन्च पैड को नुकसान इतना कम है कि स्टारशिप कुछ ही महीनों में फिर से उड़ान भरने के लिए तैयार हो सकता है।

व्हीकल और ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड किया – पहली फ्लाइट से सीखकर स्पेसएक्स ने दूसरी फ्लाइट के लिए व्हीकल और ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया है। इस बार कंपनी हॉट-स्टेज सेपरेशन सिस्टम और एक नया इलेक्ट्रॉनिक थ्रस्ट वेक्टर कंट्रोल (टीवीसी) सिस्टम इस्तेमाल करेगी। इसके अलावा पैड फाउंडेशन और वाटर-कूल्ड स्टील फ्लेम डिफ्लेक्टर को मजबूत करने के अलावा कई अन्य अपग्रेड किए हैं। स्टारशिप अब तक का डेवलप दुनिया का सबसे पावरफुल लॉन्च व्हीकल है। ये पूरी तरह से रीयूजेबल है और 150 मीट्रिक टन भार ले जाने में सक्षम है।

किस घर आती हैं लक्ष्मी

जहां स्वच्छता, पति-पत्नी में प्रेम-भाव, बुजुर्गो के प्रति सम्मान और सौहार्द की भावना होती है, वहीं लक्ष्मी निवास करती हैं। अत: लक्ष्मीवान बनने के लिए जरूरी है कि सद्गुणों व संस्कारों को विकसित किया जाए।

आजकल लोग भगवती लक्ष्मी को केवल धनागम के लिए पूज रहे हैं, जबकि धन-संपत्ति उनकी विभूति मात्र है। हम लक्ष्मी को धन का पर्याय समझने की भूल कर बैठे हैं। सच तो यह है कि धन केवल इन देवी की एक कला (अंश) मात्र है। इसलिए धनवान होना और लक्ष्मीवान होना, ये दो अलग-अलग बातें हैं। सही मायनों में लक्ष्मी का पर्यायवाची शब्द केवल श्री है। वेद में वर्णित श्रीसूक्त की ऋचाओं के द्वारा लक्ष्मीजी का आह्वान किया जाता है। भगवती की अनुकंपा से धन-संपत्ति के साथ-साथ प्रतिष्ठा, निरोगता, सद्बुद्धि, सुख, शांति और वैभव की प्राप्ति भी होती है। इसी कारण युगों से मानव श्रीमान बनने की कामना करता रहा है, किंतु सच्चा श्रीमान वही है, जो धन पाने के बाद धर्म के पथ से विमुख न हो। यानी अहंकार के वशीभूत होकर बुरे कर्म न करे। स्वार्थी होने के बजाय परमार्थी बने।

दीपावली की पूजा में हम प्रार्थना करते हैं कि भगवती लक्ष्मी हमारे घर पधारें, लेकिन यह जानना भी जरूरी है कि लक्ष्मीजी कहां निवास करना चाहती हैं? पुराणों में इस संदर्भ में एक आख्यान मिलता है। एक बार भगवान विष्णु ने लक्ष्मीजी से पूछा - दे देवि, क्या करने से तुम अचल होकर घर में रहती हो? इस पर विष्णुप्रिया लक्ष्मी बोलीं- जिस घर में कलह-क्लेश नहीं होता, वहां मैं विद्यमान रहती हूं। जिस घर में गृहस्थी का कुशल प्रबंध होता है और जहां सदा स्वच्छता रहती है, मैं उस घर में वास करती हूं। जिस घर में लोग मृदुभाषी और सौहार्द बनाए रखने वाले हैं, मैं वहां निवास करती हूं। जिस परिवार में बड़े-बूढ़ों की सेवा-सुश्रूषा होती है, मैं उस घर में निवास करती हूं। जिस घर के द्वार से कोई भूखा-असहाय खाली नहीं लौटता, मैं वहां वास करती हूं। जहां स्त्रियों का अनादर या शोषण नहीं होता, मैं वहां रहती हूं।

देवी ने श्रीहरि को यह भी बताया कि किस प्रकार के स्त्री-पुरुष उनके प्रिय पात्र होते हैं। जो स्त्री सुख-दुख हर स्थिति में पति का साथ देती है, वह लक्ष्मीजी को प्रिय है। जो पुरुष सदाचारी, कर्मठ, विनयशील, कर्तव्यनिष्ठ एवं पत्नी के प्रति ईमानदार है, वह लक्ष्मीजी की कृपा का पात्र है। कुल मिलाकर, यह निष्कर्ष निकलता है कि भगवती लक्ष्मी सद्गुणों और अच्छे संस्कारों को अपने निमित्त किए जा रहे पूजा-पाठ अर्थात कर्मकांड से अधिक महत्व देती हैं।

हालांकि शास्त्रों में लक्ष्मी-पूजा के लिए अमावस्या तिथि को निषिद्ध माना गया है, किंतु दीपावली में लक्ष्मी-अर्चना कार्तिक मास की अमावस्या को ही होती है। क्योंकि मान्यता है कि दस महाविद्याओं में लक्ष्मी-स्वरूपा कमला का आविर्भाव इसी तिथि में हुआ। कार्तिक अमावस्या वस्तुत: कमला जयंती है। इसलिए इस दिन कमला (लक्ष्मी) का पूजन शास्त्रोचित है। अमावस की अंधेरी रात में दीपमालिका जलाकर पूजा करने का तात्पर्य है कि ज्ञान के प्रकाश से अज्ञान का अंधकार समाप्त हो। इसके अतिरिक्त दीपदान के माध्यम से चातुर्मास में सो रहीं लक्ष्मी (भगवान विष्णु की आह्लादिनी शक्ति) को कार्तिक शुक्ल (देवोत्थान) एकादशी से पूर्व लोकहितार्थ जगाया जाता है। जिस प्रकार एक गृहिणी गृहस्वामी से पहले जागकर अपने कार्य में तत्पर हो जाती है, उसी तरह कार्तिकी अमावस्या के दिन श्रीहरि की अर्द्धांगिनी उनसे ग्यारह दिन पूर्व जाग जाती हैं।

लक्ष्मीजी का जागरण दीपमालिका को प्रज्वलित करने से होता है, अत: कमला जयंती दीपावली के रूप में लोक-विख्यात हो गई। कमल के आसन पर विराजमान, हाथ में कमल पुष्प लिए हुए कमल द्वारा पूजित भगवती कमला साक्षात लक्ष्मी ही हैं। जिस प्रकार कमल कीचड़ में खिलता है, उसी प्रकार कर्मयोगी विपरीत परिस्थितियों से निपटकर लक्ष्य को हासिल कर लेता है।

अत: दीपावली की पूजा का मूल उद्देश्य श्रीमान या लक्ष्मीवान बनना है, न कि केवल धनवान। ज्ञान के आलोक में अंतस का अंधकार (अज्ञान) नष्ट हो जाने पर सद्गुणों का तेज ही मनुष्य को लक्ष्मीवान या श्रीमान बना सकता है। श्री अर्थात लक्ष्मी सिर्फ सदाचारी का ही वरण करती हैं। दुराचारी धनवान भले बन जाए, पर वे श्रीमान (लक्ष्मीवान) कहलाने के अधिकारी नहीं बन सकते। श्रीदेव्यथर्वशीर्ष में महालक्ष्मी गायत्री का उल्लेख है- महालक्ष्म्यै च विद्महे सर्वशक्त्यै च धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात। जिसका भावार्थ यह है - हम महालक्ष्मी को जानते हैं और उन सर्वशक्तिरूपिणी का ही ध्यान करते हैं। वह देवी हमें सत्प्रेरणा देकर सत्कर्मो में प्रवृत्त करें। दीपावली-पूजा में ही हमारा यही संकल्प होना चाहिए।

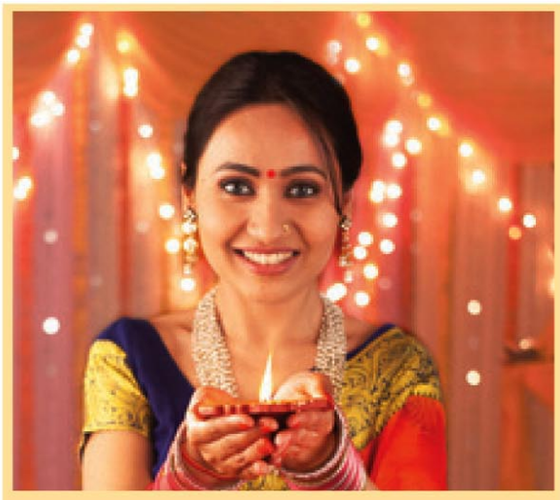

दिवाली पूजा विधि

दीवाली के दिन की विशेषता लक्ष्मी जी के पूजन से संबन्धित है. इस दिन हर घर, परिवार, कार्यालय में लक्ष्मी जी के पूजन के रुप में उनका स्वागत किया जाता है. दीवाली के दिन जहां गृहस्थ और वाणिज्य वर्ग के लोग धन की देवी लक्ष्मी से समृद्धि और वित्तकोष की कामना करते हैं, वहीं साधु-संत और तांत्रिक कुछ विशेष सिद्धियां अर्जित करने के लिए रात्रिकाल में अपने तांत्रिक कर्म करते हैं.

पूजा सामग्री

- लक्ष्मी व श्री गणेश की मूर्तियां (बैठी हुई मुद्रा में)
- केशर, रोली, चावल, पान, सुपारी, फल, फूल, दूध, खील, बताशे, सिंदूर, शहद, सिक्के, लौंग.
- सूखे, मेवे, मिठाई, दही, गंगाजल, धूप, अगरबत्ती, 11 दीपक
- रूई तथा कलावा नारियल और तांबे का कलश चाहिए.

पूजा का तैयारी

चौकी पर लक्ष्मी व गणेश की मूर्तियाँ इस प्रकार रखें कि उनका मुख पूर्व या पश्चिम में रहें. लक्ष्मीजी,गणेशजी की दाहिनी ओर रहें. पूजनकर्ता मूर्तियों के सामने की तरफ बैठे. कलश को लक्ष्मीजी के पास चावलों पर रखें. नारियल को लाल वस्त्र में इस प्रकार लपेटें कि नारियल का अग्रभाग दिखाई देता रहे व इसे कलश पर रखें. यह कलश वरुण का प्रतीक है. लक्ष्मीजी की ओर श्री का चिह्न बनाएँ. गणेशजी की ओर त्रिशूल, चावल का ढेर लगाएँ. सबसे नीचे चावल की नौ ढेरियाँ बनाएँ. छोटी चौकी के सामने तीन थाली व जल भरकर कलश रखें. तीन थालियों में निम्न सामान रखें।

दीपक का संदेश

ईश्वर को प्रकाश स्वरूप माना गया है। अत: दीपक की ज्योति ज्ञान एवं विवेक जैसे ईश्वरीय गुणों को प्रकट करती है। दीप पात्रता, लगन, स्नेह और प्रकाश का समन्वय है। इसके अवयवों को इस प्रकार समझा जा सकता है -

पात्र दीपक का पात्र पात्रता-प्रामाणिकता का प्रतीक है। पात्रता का अर्थ ही होता है- प्रामाणिकता। अत: उपासना करने वाले व्यक्ति का प्रामाणिक होना अनिवार्य है।

घृत घी-तेल आदि को संस्कृत में स्नेह कहते हैं। पात्र में इसे भरने का अर्थ है कि प्रामाणिक व्यक्ति अपने अंदर संपूर्ण मानवता के प्रति स्नेह धारण करे।

वर्तिका दीप की बत्ती को संस्कृत में वर्तिका कहते हैं। इसका अर्थ होता है- लगन, अर्थात बिना कर्मठता के ईश्वरीय अनुदान संभव नहीं।

ज्योति पात्र, स्नेह और वर्तिका को धारण करने के बाद ही दीपक ज्योति को धारण कर सकता है। अर्थात पात्रता, स्नेह और कर्मठता के गुणों को धारण करने वाले व्यक्ति के अंतर्मन में ही ईश्वरीय प्रभा आलोकित होती है।

दीप हिंदुओं का तो प्रमुख पूजन प्रतीक है ही, ईसाई भी चर्च में मोमबत्ती जलाते हैं। इस्लाम में चिराग रोशन किया जाता है और पारसियों की प्रमुख आराध्य ही अग्नि है। दीप के महत्व के कारण दीपयज्ञों की परंपरा शुरू हुई। मात्र अंधकार को धिक्कारते रहने से उजाला नहीं आता। उसके लिए दीप जलाना अनिवार्य है। अर्थात विश्व-कल्याण की अपेक्षा करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके लिए प्रयास करना आवश्यक है। जिस प्रकार एक दीप से अनेक दीप जलते हैं, उसी प्रकार एक प्रयास अन्य लोगों को प्रेरणा देगा।

त्योहारों में खान पान से जुड़े ये 5 कंट्रोल

रखेंगे आपको फिट और हिट

त्योहारों के दौरान हम खान-पान पर बिलकुल भी कंट्रोल नहीं करते। हम सेहत का ख्याल किए बिना ही खाते रहते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो संभल जाएं। इन चीजों पर अगर आपने कंट्रोल नहीं किया तो ये आपकी सेहत को बहुत नुकसान पहुंचा सकती हैं

मिलावटी मिठाई से तौबा-

त्योहारों के दौरान मिलावटी मिठाइयों से तौबा करना ही ठीक है। अगर आपको खाना ही है तो घर की बनी मिठाइयां ही खाएं। ऐसा न करना आपकी सेहत को नुकसान पहुंचासकता है।

बाहर का न खाएं-

जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है कि घर की बनी मिठाइयां ही खाएं। बाहत की बनी चीजें आपको बीमार बना सकती हैं।

व्यायाम न भूलें

अगर आप चाहते हैं कि त्योहारों के दौरान आपकी सेहत खराब न हो तो व्यायाम करना बिलकुल भी न भूलें। अगर आप ज्यादा व्यायाम नहीं कर सकते तो सुबह सैर पर जरूर निकलें, 15 मिनट के लिए ही सही।

पटाखों के धुएं से दूर रहे-

पटाखों के धुएं में कई तरह के खतरनाक रसायन पाए जाते हैं। ये आपके आंख और शरीर के अंदरूनी हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकते हैं इसलिए पटाखों के धुएं से दूर रहें।

रेसिपी

पेड़े की खीर

सामग्री

1 लीटर दूध
250 ग्राम पेड़े
150 ग्राम पनीर
चुटकीभर केसर (दूध में भिगोए हुए)
1/2 टीस्पून इलायची पाऊडर
1/4 कप मिक्स ड्राई फ्रूट्स (बारीक कटे हुए)
जरूरत अनुसार चीनी

विधि

पेड़े और पनीर को कद्दूकस कर लें। फिर एक पैन में दूध, चीनी डाल कर इसको गाढ़ा होने तक उबाल लें और आंच से उतारकर ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसमें कद्दूकस किया हुआ पनीर-पेड़ा भिगोए और केसर, इलायची पाऊडर डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। फिर इसको फ्रिज में 3-4 घंटे तक ठंडा होने के लिए रखें। जब यह ठंडा हो जाएं तो इसमें मिक्स ड्राई फ्रूट्स डालकर सर्व करें।

खीरे के पकौड़े

सामग्री

1 कप सिंघाड़े का आटा
2 चम्मच सेंधा नमक
1/2 छोटा चम्मच मिर्च पाऊडर
1/2 छोटा चम्मच धनिया पाऊडर
2-4 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)
2 खीरा (पतली स्लाइस कटी हुई)
तेल तलने के लिए

विधि

सबसे पहले एक बाउल में सिंघाड़े का आटा, सेंधा नमक, मिर्च पाऊडर, धनिया पाऊडर, हरी मिर्च और पानी डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को अच्छी तरह से फेंट लें। अब एक कड़ाही में तेल गर्म कर लें। अब खीरे के स्लाइस को बने हुए पेस्ट में डूबोकर कड़ाही में डालकर सुनहरे रंग होने तक फ्राई करें। गरमा-गरम खीरे के पकौड़े तैयार है। इसे हरी चटनी के साथ सर्व करें।

हर बीमारी का इलाज मेथी का पानी

एक गिलास पानी में एक चम्मच मेथी दाना को रातभर ढंक कर रख दें और सुबह इसे छानकर खाली पेट पिएं। रोजाना ऐसा करने से आपका वजन जादुई तरीके से कम होगा और आप पा सकेंगे, छरहरी काया। शुगर के मरीजों के लिए यह तरीके बेहद कारगर है। रोजाना इस पान का सेवन करने से शुगर की समस्या जल्दी की हल हो जाएगी और रक्त में शर्करा का स्तर कम होगा। जोड़ों में दर्द के लिए भी मेथी का पानीएक अचूक इलाज है। इतना ही नहीं, यह आपके बालों और त्वचा के लिए भी बेहद फायदेमंद है।

ओलिवर कान ने भारत में फुटबॉल अकादमी शुरू की

मुंबई ।
जर्मनी और एफसी बायर्न म्यूनिख के दिग्गज ओलिवर कान भारतीय फुटबॉल पर एक बड़ा प्रभाव डालने के लिए तैयार हैं, क्योंकि उन्होंने देश में ओलिवर कान अकादमी शुरू करने की अपनी दूरदर्शी योजना का खुलासा किया है।

महाराष्ट्र में प्रो 10 के साथ साझेदारी में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य देश में फुटबॉल के विकास में क्रांति लाना और इसकी विशाल क्षमता का दोहन करना है।

ओलिवर कान अकादमी व्यापक फुटबॉल शिक्षा का केंद्र बनने के लिए तैयार है, जो न केवल खिलाड़ियों बल्कि अच्छी तरह से विकसित एथलीटों को तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। महत्वाकांक्षी योजना में पूरे भारत में फुटबॉल क्लबों और खेल अकादमियों और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ी अकादमियां स्थापित करना शामिल है।

साथ ही, भारत के विभिन्न क्षेत्रों में गोलकीपर अकादमियां स्थापित की जाएंगी, जो गोलकीपिंग के लिए उत्कृष्टता केंद्र बनेंगी, जो अक्सर किसी भी सफल टीम की रीढ़ होती हैं। महाराष्ट्र में प्रो 10 के साथ साझेदारी इस पहल का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो ओलिवर कान अकादमी को इस क्षेत्र में एक मजबूत पकड़ स्थापित करने और फुटबॉल विकास के लिए एक मॉडल के रूप में काम करने में सक्षम बनाता है।

ओलिवर कान, सबसे प्रसिद्ध फुटबॉल आइकन में से एक, संस्थापक, ओलिवर कान अकादमी और गोलप्ले, खेल के लिए अपने ज्ञान और उत्साह को भारत ले जाते हैं, उनका मानना है कि देश में अप्रयुक्त क्षमता का खजाना है। योजना के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, भारत फुटबॉल में काफी संभावनाओं वाला देश है। इस देश को खेल के विकास के लिए सही फुटबॉल शिक्षा, एक अनुशासित पाठ्यक्रम और विश्व स्तरीय सुविधाओं की आवश्यकता है। हमारा लक्ष्य भारत को बेहतर खेल वाला देश बनाना है और मुझे विश्वास है कि इस देश में वैश्विक फुटबॉल मंच पर फलने-फूलने की क्षमता है।

कौशिक मौलिक, वरिष्ठ सलाहकार भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया, ओलिवर कान अकादमी और गोलप्ले ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, हमें भारत में ओलिवर कान अकादमी और गोलप्ले अकादमी शुरू करने पर गर्व है। ओलिवर कान के उत्कृष्ट अनुभव और खेल के ज्ञान की बदौलत हम भारत के युवाओं को विश्व स्तरीय फुटबॉल शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे एकजुट प्रयासों का निश्चित रूप से भारतीय फुटबॉल पर लाभकारी प्रभाव पड़ेगा। हम भारत को देखने वाले देश से खेलने वाले देश में बदलकर अगले स्तर पर ले जाना चाहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

कप्तानी पर सवाल उठाने वालों को बाबर आजम ने जमकर सुनाई खरी-खरी

कोलकाता । पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने उनकी कप्तानी पर सवाल उठाने वालों को जमकर खरी-खरी सुनाई है। बाबर ने आलोचकों से कहा कि टीवी पर राय देना आसान होता है और कप्तानी के कारण विश्व कप में उनकी बल्लेबाजी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। बता दें कि पाकिस्तान की अफगानिस्तान के हाथों 8 विकेट की हार और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 271 रन के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाने के बाद बाबर आजम की आलोचना हो रही थी। मोईन खान और शोएब मलिक जैसे पूर्व कप्तानों ने बाबर की कप्तानी की खुलेआम आलोचना की और कहा कि इसका असर उनकी बल्लेबाजी पर पड़ रहा है। बाबर ने अपनी आलोचना के संबंध में कहा कि टीवी पर राय देना बहुत आसान होता है। अगर कोई मुझे सलाह देना चाहता है तो उनका स्वागत है और वह मुझे सीधे फोन कर सकते हैं। मेरा नंबर उन सभी के पास है।' यहां गौरतलब है कि मलिक ने कहा था कि बाबर बल्लेबाजी का बादशाह है, लेकिन कप्तानी में ऐसा नहीं है। मलिक ने कहा था कि जिस व्यक्ति की सबसे अधिक जिम्मेदारी बनती है वह कप्तान है। इसी तरह मोईन ने कहा था की बाबर को भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली से सीख लेनी चाहिए जो कप्तानी छोड़ने के बाद अपना पूरा ध्यान बल्लेबाजी पर लगा रहे हैं। बाबर ने इस पर दृढ़ रवैया अपनाते हुए कहा कि आलोचना के कारण उनकी बल्लेबाजी पर कभी कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि मैं पिछले तीन साल से अपनी टीम की कप्तानी कर रहा हूं और मैंने कभी ऐसा महसूस नहीं किया। बात केवल इतनी है कि मुझे विश्व कप में जिस तरह का प्रदर्शन करना चाहिए था वैसे नहीं कर पा रहा हूं, इसलिए लोग बोल रहे हैं कि मैं दबाव में हूं।' बाबर ने कहा, 'मैं नहीं मानता की कप्तानी के कारण मैं किसी तरह के दबाव में हूं या किसी तरह से भिन्न महसूस कर रहा हूं। मैं क्षेत्ररक्षण और बल्लेबाजी के दौरान मैदान पर अपनी पूरी ताकत लगा देता हूं।

एलन डोनाल्ड बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी कोच का पद छोड़ेंगे

पुणे । दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी कोच का पद छोड़ेंगे।

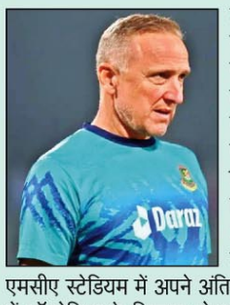

उन्होंने यह फैसला मौजूदा 2023 पुरुष वनडे विश्व कप में टीम के अभियान के बाद किया है। डोनाल्ड को जुलाई 2022 में इस भूमिका के लिए नियुक्त किया गया था और टीम के साथ उनका आखिरी मैच एमसीए स्टेडियम में अपने अंतिम विश्व कप लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हो रहा है। एलन डोनाल्ड ने कहा कि शुरू में उन्हें एक साल के विस्तार से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के कारण उन्होंने यह पद छोड़ने का फैसला किया। डोलान्ड ने कहा कि विश्व कप के दौरान मैंने मौखिक रूप से अनुबंध स्वीकार कर लिया था। हालांकि, मैंने कोई अनुबंध साइन नहीं किया लेकिन मैं एक साल के विस्तार के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए ढाका वापस जाने के लिए तैयार था। मैं इसे पूरा करने और देखने के लिए उत्साहित था कि हम इस तेज गेंदबाजी समूह को और भी आगे कैसे बढ़ा सकते हैं।

विश्व चैंपियनशिप उज्बेकिस्तान 26 से 30 दिसंबर तक आयोजित

समरकंद । उज्बेकिस्तान शतरंज के फटाफट फॉर्मेट रैपिड और ब्लिट्ज़ की विश्व चैंपियनशिप उज्बेकिस्तान के सबसे प्राचीन शहर समरकंद में 26 से 30 दिसंबर तक आयोजित होगी। विश्व शतरंज संघ ने बताया की एक बार फिर इस पांच दिवसीय टूर्नामेंट दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। प्रतियोगिता एक बार फिर से पुरुष और महिला वर्ग में आयोजित होगी। समरकंद ऐतिहासिक सिल्क रोड व्यापार मार्ग के साथ एक महत्वपूर्ण शहर हुआ करता था और शतरंज के लिए भी ऐतिहासिक महत्व रखता है। यह वहीं शहर था जहां 1977 में सबसे पहले ज्ञात शतरंज के मोहरो की खोज की गई थी, जो 6 वीं और 8 वीं शताब्दी ईस्वी के बीच के थे। भारत से अब तक विश्वनाथन आनंद विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ चैम्पियन रह चुके है जबकि कोनेरु हम्पी नें विश्व रैपिड शतरंज का खिताब अपने नाम किया था। इस बार भारत की नजरे पुरुष वर्ग में गुकेश, प्रज्ञानन्दा , विदित गुजराती, अर्जुन एरिगासी और निहाल सरीन जैसे युवा खिलाड़ियों पर रहेगी जबकि महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के अलावा वैशाली आर से भारत को बड़ी उम्मीद रहेगी।

एमसीसी ने एंजेलो मैथ्यूज के टाइम आउट होने पर दिया बड़ा बयान, कहा-

हेलमेट के मुद्दे पर अंपायरों को तुरंत सचेत करने पर बच जाते

मुंबई ।
मैरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज को टाइम आउट करार देने का अंपायर का फैसला सही था और साथ ही कहा कि अगर आलराउंडर ने अपने हेलमेट में समस्या के बारे में मैदानी अंपायरों को सचेत कर दिया होता तो आउट होने से बचा जा सकता था। 6 नवंबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मैथ्यूज सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टाइम आउट पर आउट होने वाले पहले क्रिकेटर बन गए। उन्हें गार्ड लेने में देरी का सामना करना पड़ा क्योंकि उनके हेलमेट का पट्टा टूट गया था और मैथ्यूज ने प्रतिस्थापन हेलमेट के लिए डगआउट को संकेत दिया। इसने बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन को टाइम-आउट की अपील करने के लिए प्रेरित किया, जिसके बाद ऑन-फील्ड अंपायरों ने मैथ्यूज को उस मोड़ से आउट घोषित कर दिया, जिससे इसके आसपास कई राय पैदा हुईं, खासकर घटना के बाद। एमसीसी कानून 40.1.1 कहता है: विकेट गिरने या बल्लेबाज के रिटायर होने के बाद, आने वाले दूसरे बल्लेबाज को 3 मिनट के भीतर अगली गेंद प्राप्त करने के लिए तैयार रहना चाहिए। यदि यह आवश्यकता पूरी नहीं होती है, तो आने वाला बल्लेबाज टाइम आउट हो जाएगा। लेकिन विश्व कप खेलने की परिस्थितियों के कारण प्रासंगिक समय तीन मिनट से दो मिनट हो गया। इस अवसर पर, कानून का मुख्य हिस्सा यह है कि बल्लेबाज को गेंद प्राप्त करने के लिए तैयार रहना चाहिए। टाइम आउट होने से बचने के लिए मैदान पर या यहां तक कि विकेट पर होना भी पर्याप्त नहीं है। बल्लेबाज को निर्धारित समय के भीतर गेंदबाजी का सामना करने में सक्षम होने की स्थिति में होना चाहिए। अंपायरों ने निर्धारित किया कि मैथ्यूज दो मिनट के अंतराल के भीतर गेंद का सामना करने के लिए तैयार नहीं थे। बाद में उनके हेलमेट में एक समस्या आ गई, जिससे और देरी हुई। एमसीसी ने अपने बयान में कहा, अगर अंपायरों को दो मिनट के भत्ते के भीतर एक महत्वपूर्ण, उचित, उपकरण-संबंधी देरी के

बारे में सूचित किया गया होता, तो वे इसे एक नए प्रकार की देरी के रूप में मान सकते थे (जैसा कि वे तब करते हैं, उदाहरण के लिए, बल्ला टूट जाता है), संभवत: यहां तक कि टाइम को कॉल करना, बल्लेबाज को टाइम आउट होने के जोखिम के बिना उस देरी के समाधान की अनुमति देता है। हालाँकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि दोनों अंपायरों ने निर्धारित किया कि देरी दो मिनट बीत जाने के बाद हुई, और अपील से पहले टाइम नहीं बुलाया गया था। मैच के बाद, मैथ्यूज ने माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साक्ष्य पोस्ट किया, जिसमें दिखाया गया कि उनके पास क्रीज पर अपनी स्थिति लेने के लिए पांच सेकंड और थे। लेकिन एमसीसी ने फैसले पर मैदानी अंपायरों का समर्थन किया। 30-यार्ड सर्कल तक पहुंचने में 90 सेकंड से अधिक समय लगने के बाद, मैथ्यूज ने देखा कि उनके पास समय की कमी थी, और अंतिम कुछ गज की दूरी पर विकेट के लिए दौड़ पड़े। यह दिखाया गया है कि उनके हेलमेट में खराबी पिछला विकेट गिरने के 1 मिनट 54 सेकंड बाद हुई थी। इस स्तर पर, उन्होंने बचाव करना शुरू नहीं किया था और गेंद प्राप्त करने की स्थिति में भी नहीं थे। जब हेलमेट टूटा, तो ऐसा प्रतीत होता है कि मैथ्यूज ने अंपायरों से परामर्श नहीं किया, जो एक खिलाड़ी से नए उपकरण मांगते समय करने की अपेक्षा की जाती है। बल्कि, उन्होंने ड्रेसिंग रूम को रिप्लेसमेंट के लिए सिर्फ इशारा किया। अगर उसने अंपायरों को बताया होता कि क्या हुआ था और इसे सुलझाने के लिए समय मांगा होता, तो शायद वे उसे हेलमेट बदलने की इजाजत दे देते, शायद टाइम को बुलाते और इस तरह टाइम आउट होने की कोई भी संभावना खत्म हो जाती। यह निष्कर्ष निकाला, यह देखते हुए कि टाइम नहीं बुलाया गया था, और अपील का समय दो मिनट से अधिक बीत चुका था, अंपायरों ने सही ढंग से मैथ्यूज को आउट दिया। वास्तव में, क्रिकेट के नियमों के तहत अंपायरों के लिए कोई अन्य कार्रवाई नहीं थी।

ग्लेन मैक्सवेल की 201* रन की पारी को महानतम नहीं मानते हैं सौरव गांगुली बोले- सचिन-विराट की पारियां देख चुका हूं

नई दिल्ली ।
भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने ग्लेन मैक्सवेल की अफगानिस्तान के खिलाफ खेली मैच विनिंग पारी की तारीफ की, लेकिन वो इस पर सहमत नहीं हुए कि इसे वनडे प्रारूप की महानतम पारी माना जाए। याद दिला दें कि ग्लेन मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया को अफगानिस्तान पर 3 विकेट की यादगार जीत दिलाई थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 292 रन के लक्ष्य का पीछा करते समय 7 विकेट 91 रन के स्कोर पर गंवा चुकी थी। तब मैक्सवेल ने 128 गेंदों में 21 चौके और 10 चौके की मदद से नाबाद 201 रन बनाकर कंगारू टीम को जीत दिलाई थी। मैक्सवेल की पारी की खास बात यह रही कि वो क्रैंप्स और दर्द से जूझते रहे, लेकिन फिर भी अंत तक खेलना जारी रखा और टीम को जीत दिलाई। कोलकाता में दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग कैंप से इतर पत्रकारों से बातचीत में सौरव गांगुली ने मैक्सवेल की पारी पर अपनी प्रतिक्रिया दी। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान को मात देकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी क्योंकि वर्ल्ड कप 2023 के नियम के मुताबिक प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम की सेमीफाइनल में भिड़ंत चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से होगी और दूसरे व तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। सौरव गांगुली का साथ ही मानना है कि अफगानिस्तान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच जीतना चाहिए था क्योंकि उनकी पकड़ अच्छी थी। गांगुली ने कहा, अफगानिस्तान ने बहुत अच्छा खेल दिखाया और उन्हें जीत दर्ज करना चाहिए थी। मैक्सवेल ने शानदार पारी खेली। मगर अफगानिस्तान की गेंदबाजी और कप्तानी अच्छी नहीं रही।

25 वर्षीय युवा खिलाड़ी रचिन रविंद्र ने अपने नाम दर्ज किए कई रिकॉर्ड, डैब्यू विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी

मुंबई ।
न्यूजीलैंड के ऑलराऊंडर रचिन रविंद्र ने श्रीलंका के खिलाफ 42 रन की पारी खेलने के साथ ही क्रिकेट विश्व कप के कई बड़े रिकॉर्ड पर अपना नाम लिख लिया। रचिन मौजूदा क्रिकेट विश्व कप के टॉप स्कोरर हैं, साथ ही डैब्यू विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस विश्व कप तीन शतक लगा चुके रचिन ने बीते दिनों ही सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा था। आगामी मैचों में उनकी नजर सचिन द्वारा एक विश्व कप में बनाए गए सर्वाधिक 673 रन (विश्व कप 2011) के रिकॉर्ड को तोड़ने पर बनी हुई है।

पहले विश्व कप संस्करण में सर्वाधिक रन बनने वाले बल्लेबाजों में 565 रन के साथ रचिन रवीन्द्र (2023) प्रथम स्थान पर हैं। 532 रन के साथ जॉनी बेयरस्टो (2019) दूसरे नंबर पर, 474 रन के साथ बाबर आजम (2019) तीसरे पायदान पर, 465 रन के साथ बेन स्टोक्स (2019) चौथे नंबर पर, 461 रन के साथ राहुल द्रविड़ (1999) पांचवे पायदान पर हैं। 25 वर्ष की आयु से पहले एक विश्व कप संस्करण में सर्वाधिक रन: 565 रन रचिन रवीन्द्र (2023), 523 रन सचिन तेंदुलकर (1996), 474 रन बाबर आजम (2019), 372 रन एबी डिविलियर्स (2007) के हैं। मैच की बात करें तब न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लेते हुए शानदार प्रदर्शन किया और श्रीलंका को 46.4 ओवर में 171 रन पर ढेर कर दिया। ट्रेंट बोल्ट ने 3, लॉकी फर्ग्यूसन, मिशेल सेंटनर और रचिन रवीन्द्र ने 2-2 विकेट लिए श्रीलंका के कुसल परेरा 28 गेंदों पर 51 रन बना पाए। जवाब में खेलने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने डेवोन कॉनवे के 45, रचिन रविंद्र के 42, डेरिल मिचेल के 43 और ग्लेन फिलिप्स के 17 रन की बदौलत जीत हासिल कर ली।

इमाम उल हक का पुराना वीडियो आया सामने, अब बन रहा मजाक

नई दिल्ली ।
पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक का एक पुराना वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है, इसमें वह बता रहे हैं कि हमारी वन डे टीम से लोग अच्छे खासे डरते हैं। बता दें कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप 2023 से बाहर होने की कगार पर है। इंग्लैंड के खिलाफ अपने आखिरी ग्रुप मैच में टीम को 287 रनों के बड़े अंतर से जीत चाहिए। या फिर 16 गेंद में लक्ष्य का पीछा करके भी पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंच सकता है।

लेकिन यह लगभग नामुमकिन जैसा ही है। एक पुराने वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने अब फिर इमाम चर्चा में आ गए हैं। वर्ल्ड कप में खराब फॉर्म की वजह से प्लेइंग इलेवन से बाहर चल रहे इमाम उल हक वीडियो में कह रहे हैं कि हमारे वनडे टीम से लोग अच्छे खासे डरते हैं। यह वीडियो एक पॉडकास्ट का है, जो एशिया कप से पहले आउट था। इमाम कह रहे हैं कि हमारी जीत बहुत अच्छी है। हमारा एक पैटर्न अच्छा बना हुआ है। हमारे वनडे की टीम जो वह बहुत अच्छी टीम है। टीम की स्ट्रेंथ के बारे में जब उनसे पूछा गया तो इमाम ने कहा कि हमारी फास्ट बॉलिंग और बैटिंग हमारी स्ट्रेंथ है। इनका प्रोसेस पूरा हुआ है। मैंने 60 मैच खेले हैं। फखर ने 70 खेले हैं, बाबर के 100 वनडे हो चुके हैं। नसीम, शाहीन, रऊफ और वसीम जूनियर, फिर शाबाद और नवाज हैं। ओसामा मीर भी आ गया है। इफ्तिखार, सलमान आगा और रिज्जी भी हैं। इमाम ने आगे बात करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को अपना रोल पता है। इसलिए हमारी वनडे की टीम टी20 से अच्छी है। किसे क्या करना है पता है। फखर आउट होगा तो इमाम को कैसे खेलना है। इमाम आउट हो गया तो फखर ने बाबर के साथ कैसे खेलना है, यह सब हमें ही बेहतर करना है।

2028 ओलम्पिक में शामिल होने के बाद भारोत्तोलन की प्रतिष्ठा बहाल: आईडब्लूएफ अध्यक्ष मोहम्मद जालूद

जेनेवा।
अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) के अध्यक्ष मोहम्मद जालूद ने कहा कि अगर भारोत्तोलन को ओलंपिक खेलों से बाहर कर दिया गया तो यह अकल्पनीय होगा क्योंकि इस खेल ने 1896 के बाद से एक भी ओलंपिक नहीं छोड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 17 अक्टूबर को मुंबई, भारत, में 141वें आईओसी सत्र में 2028 लॉस एंजेलिस गेम्स कार्यक्रम में भारोत्तोलन को बहाल कर दिया।

जालूद, जो लुसाने में आईडब्ल्यूएफ मुख्यालय में नहीं हैं, ने शिन्हुआ के सवालों का ईमेल के माध्यम से जवाब दिया, शुरू से ही खेलों में होने के कारण, हमारे लिए ओलंपिक उत्सव से बाहर रखा जाना अकल्पनीय था। इस अर्थ में, यह शायद हमारे इतिहास में सबसे परेशान करने वाले दृष्टिकोणों में से एक था।

उन्होंने कहा, लेकिन इस संभावना से उत्पन्न सदमे की लहर ने हमारे अंतर्राष्ट्रीय महासंघ में गहरा बदलाव ला दिया है। वास्तव में, यह काफी चुनौतीपूर्ण राह रही है, लेकिन जून 2022 में आईडब्लूएफ कार्यकारी बोर्ड के चुनाव के बाद से, एक पुनर्निर्मित टीम 100 प्रतिशत दृढ़ संकल्पित थी । हमारे अंतर्राष्ट्रीय महासंघ की संस्कृति और कार्यप्रणाली को बदल रहा है।

भारोत्तोलन 2028 के प्रारंभिक खेल कार्यक्रम की सूची में नहीं था जिसे फरवरी 2022 मेंआईओसी सत्र के लिए प्रस्तावित किया गया था, और यदि यह खेल 2023 सत्र से पहले आईओसी के मानदंडों को पूरा नहीं कर सका तो ओलंपिक से चूक सकता था।

आईओसी ने वेटलिफ्टिंग के साथ-साथ मुक्केबाजी और आधुनिक पेंटाथलॉन के लिए एक मार्ग स्थापित किया, जिसे 2028 में फिर से शामिल किया जाना था, जब उन्होंने खराब प्रशासन, डोपिंग, वित्त और आदि के खिलाफ लड़ने के अपने प्रयासों और क्षमता को दिखाया।

जालूद ने कहा कि आईडब्ल्यूएफ ने शासन में कई बदलाव किए हैं, जिनमें आईडब्ल्यूएफ अधिकारियों के लिए कार्यकाल की सीमाएं

लगाने वाला संवैधानिक संशोधन, हमारी संरचना में लैंगिक समानता सुनिश्चित करना, एथलीट प्रतिनिधित्व और आवाज में वृद्धि प्रदान करना, अखंडता और सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना, आईडब्ल्यूएफ के निर्माण के साथ समावेशन को बढ़ावा देना शामिल है। शरणार्थी टीम, लिंग पहचान और मानव अधिकारों और गैर-भेदभाव पर एक विशिष्ट नीति, या 2024-2032 की अवधि के लिए पहली बार आईडब्ल्यूएफ रणनीतिक योजना बना रही है।

आईडब्ल्यूएफ ने अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) को डोपिंग रोधी जिम्मेदारियां भी सौंपी और परीक्षण, डोपिंग रोधी शिक्षा पाठ्यक्रमों और आईटीए की जांच शक्तियों में सुधार के लिए बजट में वृद्धि की।

नई डोपिंग रोधी रणनीति के परिणामस्वरूप, सितंबर में रियाद, सऊदी अरब में आईडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में सभी परीक्षण नकारात्मक थे।

भारोत्तोलन अभी भी 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों में शामिल होगा, लेकिन प्रतियोगिता में केवल 10 श्रेणियां और 120 एथलीट होंगे, जो टोक्यो 2020 और रियो 2016 से एक महत्वपूर्ण कटौती है।

जालूद ने कहा, दुर्भाग्य से, इस नाटकीय कटौती का संबंध उन प्रतिष्ठित समस्याओं से था, जिनका आईडब्ल्यूएफ अतीत में सामना कर रहा था। हमारा मानना है कि हमने सफलता के एक नए चक्र में प्रवेश किया है, और हम निश्चित रूप से ओलंपिक खेलों में वर्तमान 120-एथलीट कोटा में सुधार के लिए लड़ेंगे। ओलम्पिक में नए खेलों की शुरूआत को देखते हुए, यह निश्चित रूप से एक बड़ा प्रयास है। कार्यक्रम और समग्र एथलीट भागीदारी संख्या को उचित सीमा के भीतर रखने की आवश्यकता है।

अध्यक्ष ने कहा कि ओलंपिक आंदोलन की गति को बनाए रखने के लिए पारंपरिक भारोत्तोलन को भी नवीकरण की आवश्यकता है, और रणनीतिक योजना पहले से ही भविष्य के लिए कुछ बदलावों पर विचार कर रही है।

2022 में, आईडब्ल्यूएफ ने लुसाने में पहली स्ट्रीट वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया, और अक्टूबर में प्राचीन ओलंपिया ग्रीस में उद्घाटन यूरोपीय वेटलिफ्टिंग फेडरेशन (ईडब्लूएफ) कप में एक मिश्रित टीम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जलूद ने कहा, हम नवाचार और भारोत्तोलन फॉर्मूलों के लिए खुले हैं जो व्यापक दर्शकों तक पहुंच सकते हैं, और प्रभावी ढंग से युवाओं और हमारे खेल का अभ्यास करने वाले सभी लोगों (दोनों इनडोर सुविधा या बाहरी वातावरण में) के करीब पहुंच सकते हैं।

महालक्ष्मी के आगमन का पर्व दीपावली

आज दीपावली है और इस पर्व पर मां लक्ष्मी का आगमन होता है। दिवाली की रात घर को रोशनी, रंगोली और फूलों से सजाया जाता है। दिवाली पर सूर्यास्त के बाद मां लक्ष्मी की पूजा होती है और फिर घर के अंदर और बाहर सभी जगहों पर दीपक जलाया जाता है। हर वर्ष हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर दीपावली का त्योहार मनाया जाता है। दिवाली की रात मां लक्ष्मी के साथ बुद्धि के दाता और विघ्नहर्ता श्रीगणेश की पूजा-आराधना करके सुख-समृद्धि और वैभव की मनोकामनाएं मांगी जाती हैं। दिवाली पर मां लक्ष्मी की पूजा और दीपक जलाने पर देवी लक्ष्मी की विशेष कृपा मिलती है और घर में सुख-समृद्धि हमेशा बनी रहती है। महालक्ष्मी के आगमन पर्व दीपावली पर आइए जानते हैं क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

दीपावली की रात 13 जगहों पर जलाएं दीपक : 1- घर के मुख्य द्वार के दोनों तरफ 2- घर के पास स्थित चौराहे पर 3- तुलसी के पौधे के पास 4- घर के आंगन में 5- घर के छत पर 6- घर के मंदिर में दीपक 7- घर की रसोई में 8- पीपल के पेड़ के नीचे 9- तिजोरी में 10- नदी या तालाब के किनारे 11- कूएं या नलकूप के पास 12- घर के चारों कोनों में चारमुख वाले दीपकल 13- स्टोर रूम और बाथरूम

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**